RNI - CHHHIN/2009/29541
Surguja.Dn/CG/01/2023-2025

वर्ष–16, अंक–5 , नवंबर 2024

मूल्य- ₹20

वाद विरहित,दृष्टि–सम्यक्, शब्द दीपक आरती।
सर्वांग, सम्पन्न राष्ट्र का संकल्प सूर्य भारती।।

मासिक सूर्य भारती

उप राष्ट्रपति ने छत्तीसगढ़ के 36 अलंकरण से विभूतियों एवं संस्थाओं को किया सम्मानित

शिक्षा हो या स्वास्थ्य, हर क्षेत्र में नई बुलंदियों को छू रहा है छत्तीसगढ़- मंत्री श्रीमती राजवाड़े

अब शिक्षा के लिए मिलेगा लोन

हेमंत सोरेन चौथी बार बने झारखंड के सीएम

आमजन शासन की योजनाओं का लाभ लें -विधायक भईयालाल राजवाड़े

छत्तीसगढ़ राज्य के विकास में सरगुजा का हो अभूतपूर्व योगदान - कैबिनेट मंत्री रामविचार नेताम

राज्योत्सव पर विभागीय स्टालों का संतरा सरगुजा एवं विधायक द्वय ने किया निरीक्षण

धरती आबा बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर जिला स्तरीय जनजातीय...

छत्तीसगढ़ राज्योत्सव-2024: एमसीबी में जीपीएम विधायक प्रणव मरपच्ची ने ...

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका दिवस के अवसर पर कार्यकर्ताओं को किया ...

कलेक्टर ने संवेदनशीलता के साथ सुनी परिवादियों की समस्या

छत्तीसगढ़ राज्योत्सव पर हार्दिक शुभकामनाएं..

ग्राम पंचायत चंदननगर

सरपंच
सरिता सर्वटे

सचिव
देवपन सिंह

जनपद पंचायत प्रेमनगर, सूरजपुर (छ.ग.)

छत्तीसगढ़ राज्योत्सव पर हार्दिक शुभकामनाएं..

ग्राम पंचायत उमेश्वरपुर

सरपंच
रामसिंह

सचिव
नोहर साय

जनपद पंचायत प्रेमनगर, सूरजपुर (छ.ग.)

छत्तीसगढ़ राज्योत्सव पर हार्दिक शुभकामनाएं..

ग्राम पंचायत नवापाराकला

सरपंच
रामबाई सिंह

सचिव
जय सिंह

जनपद पंचायत प्रेमनगर, सूरजपुर (छ.ग.)

छत्तीसगढ़ राज्योत्सव पर हार्दिक शुभकामनाएं..

ग्राम पंचायत पार्वतीपुर

सरपंच
बधियारो उईके

सचिव
करिमन सिंह

जनपद पंचायत प्रेमनगर, सूरजपुर (छ.ग.)

छत्तीसगढ़ राज्योत्सव पर हार्दिक शुभकामनाएं..

ग्राम पंचायत सलका

सरपंच
मधुशिला उईके

सचिव
नरेश प्रजापति

जनपद पंचायत प्रेमनगर, सूरजपुर (छ.ग.)

छत्तीसगढ़ राज्योत्सव पर हार्दिक शुभकामनाएं..

ग्राम पंचायत बकिरमा

सरपंच
बेबी मरपाची

सचिव
साधूचरण साहू

जनपद पंचायत प्रेमनगर, सूरजपुर (छ.ग.)

छत्तीसगढ़ राज्योत्सव पर हार्दिक शुभकामनाएं..

ग्राम पंचायत तारकेश्वरपुर

सरपंच
समलिया

सचिव
पन्नालाल सोनवानी

जनपद पंचायत प्रेमनगर, सूरजपुर (छ.ग.)

छत्तीसगढ़ राज्योत्सव पर हार्दिक शुभकामनाएं..

ग्राम पंचायत कोटेया

सरपंच
बुधमान सिंह

सचिव
साधूचरण साहू

जनपद पंचायत प्रेमनगर, सूरजपुर (छ.ग.)

सूर्य भारती

(मासिक पत्रिका)

वर्ष-16, अंक- 5, नवंबर 2024

सम्पादक

एम.पी. गुप्ता

मो 09827884065

सहायक संपादक

सुशील श्रीवास्तव

मो.7339919826

कोटा (राजस्थान) कार्यालय

इंडियन ऑयल पेट्रोल पंप के पास मेन रोड

सोगरिया कोटा जंक्शन राजस्थान

हिमाभ गुप्ता (बिलासपुर)

सलाहकार संपादक

बिलासपुर प्रतिनिधि

मनीष अम्बष्ट

नरेन्द्र कुमार गुप्ता मो. 09300020740

स्वत्वधिकारी, मुद्रक

एवं प्रकाशक

एम.पी.गुप्ता

कन्या परिसर मार्ग, अम्बिकापुर

सरगुजा (छत्तीसगढ़)

मुद्रक

शिवायन ऑफसेट

प्रतापपुर नाका, अम्बिकापुर

सरगुजा (छत्तीसगढ़)

प्रकाशन स्थल

कन्या परिसर मार्ग, अम्बिकापुर

सरगुजा (छत्तीसगढ़)

Email- suryabharti2009@gmail.com

प्रदेश कार्यालय

एल.आई.जी.

41 इन्द्रावती कॉलोनी

राजातालाब, रायपुर (छ.ग.)

सूरजपुर जिला प्रतिनिधि

योगेश्वर पटवा

कोरिया जिला प्रतिनिधि

डी.सी.बघेल

बलरामपुर जिला प्रतिनिधि

सुभाष गुप्ता

कोरबा प्रतिनिधि

लक्ष्मण शुक्ला

डाक पंजीयन क्रमांक

Surguja Dn/CG/01/2023-2025

विवरणिका

1.	संपादकीय	4
2.	अब शिक्षा के लिए मिलेगा लोन...	5
3.	उप राष्ट्रपति ने छत्तीसगढ़ के 36...	6
4.	मुख्यमंत्री को राज्य स्तरीय भव्य पंथी ...	10
5.	छत्तीसगढ़ के विकास में वेदांता के प्रमुख सीएसआर...	11
6.	बालको खेलों को बढ़ावा देने के ...	13
7	राज्योत्सव पर विभागीय स्टालों का...	14
8.	शासन की सभी योजनाओं का लाभ अंतिम ...	16
9.	धरती आबा बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती ..	18
10.	शिक्षा हो या स्वास्थ्य, हर क्षेत्र में नई ...	19
11.	छत्तीसगढ़ राज्योत्सव-2024ः एमसीबी	20
12.	आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका दिवस के ...	25
13.	जनजातीय समाज है छत्तीसगढ़ राज्य का धरोहर...	26
15.	जीवन की हस्तरेखा से भविष्य	27
16.	रायपुर एयरपोर्ट से सिंगापुर और दुबई के लिए ...	33

सूर्य भारती के समस्त सहयोगियों विज्ञापनदाताओं पाठकों एवं शुभचिंतकों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। -सम्पादक

सभी जगहों में प्रतिनिधि हेतु इच्छुक व्यक्ति पत्र या फोन द्वारा संपर्क करें। अपने विचार व सुझाव पत्र द्वारा देने का कष्ट करे। -सम्पादक

कनाडा एवं अमेरिका से भारत में रिवर्स ब्रेन ड्रेन की सम्भावना बढ़ रही है

वैश्विक स्तर पर लगातार कुछ इस प्रकार की परिस्थितियां निर्मित होती दिखाई दे रही हैं, जिससे विशेष रूप से कनाडा एवं अमेरिका से भारत की ओर रिवर्स ब्रेन ड्रेन की सम्भावना बढ़ती जा रही है। कनाडा में खालिस्तानियों द्वारा चलाए जा रहे भारत विरोधी आंदोलन के चलते वहां निवासरत भारतीयों एवं मंदिरों पर लगातार हमले हो रहे हैं एवं भारतीयों एवं मंदिरों पर हो रहे इन हमलों पर लगाम लगाने में कनाडा की वर्तमान सरकार असफल सिद्ध हो रही है एवं इन हमलों को, राजनैतिक कारणों के चलते, रोकने की इच्छा शक्ति का अभाव भी दिखाई दे रहा है।

इसके चलते भारत एवं कनाडा के राजनैतिक, सामाजिक एवं आर्थिक रिश्तों पर अत्यधिक विपरीत प्रभाव पड़ता हुआ दिखाई दे रहा है। स्थिति तो यहां तक पहुंच गई है कि भारत ने कनाडा में अपने दूतावास में प्रतिनिधियों की संख्या को कम कर दिया है तथा भारत ने कनाडा को निर्देशित किया था कि वह भी भारत में अपने दूतावास में प्रतिनिधियों की संख्या को कम करे। भारत एवं कनाडा के बीच आज कूटनीतिक रिश्ते आज तक के सबसे निचले स्तर पर आ गए हैं। साथ ही, कनाडा में आज सुरक्षा की दृष्टि से भी स्थितियां तेजी से बदल रही हैं तथा इसका कनाडा के आर्थिक विकास पर भी विपरीत प्रभाव पड़ता हुआ दिखाई दे रहा है। जिसके चलते भारतीय आज कनाडा में अपने आप को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं और भारत की ओर रूख कर रहे हैं। दूसरी ओर, अमेरिका में डोनल्ड ट्रम्प के राष्ट्रपति पद का चुनाव जीतने के पश्चात वहां पर अवैध रूप से रह रहे अन्य देशों के नागरिकों को अमेरिका से निकाले जाने की सम्भावनाएं बढ़ गई हैं। हालांकि अमेरिका में अवैध रूप से रह रहे भारतीयों की संख्या लगभग नगण्य सी ही है परंतु ट्रम्प प्रशासन द्वारा अब वीजा, एच1बी सहित, जारी करने वाले नियमों को और अधिक कठोर बनाया जा सकता है। अमेरिका में प्रतिवर्ष जारी किए जाने वाले कुल एच1बी वीजा में से 60 प्रतिशत से अधिक वीजा भारतीय मूल के नागरिकों को जारी किए जाते हैं। यदि इस संख्या में भारी कमी दृष्टिगोचर होती है तो अमेरिका में पढ़ रहे भारतीय छात्रों को, उनकी पढ़ाई सम्पन्न करने के पश्चात यदि एच1बी वीजा जारी नहीं होता है तो उन्हें भारत वापिस आने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। इस प्रकार अमेरिका से भी भारतीयों का रिवर्स ब्रेन ड्रेन दिखाई पड़ सकता है। भारत आज पूरे विश्व में सबसे अधिक तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था बन गया है, अत: भारत में तेज गति से हो रहे आर्थिक विकास के कारण सूचना प्रौद्योगिकी, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, उच्च तकनीकी क्षेत्रों, वाहन विनिर्माण उद्योग, फार्मा उद्योग, चिप विनिर्माण उद्योग, स्टार्ट अप, आदि क्षेत्रों में

भारी मात्रा में रोजगार के नए अवसर निर्मित हो रहे हैं और भारत को इन क्षेत्रों में उच्च टेलेंट की आवश्यकता भी है। यदि कनाडा एवं अमेरिका से उच्च शिक्षा प्राप्त एवं उक्त क्षेत्रों में प्रशिक्षित इंजीनीयर्स भारत को प्राप्त होते हैं तो यह स्थिति भारत के लिए बहुत फायदेमंद होने जा रही है। उक्त कारणों के अतिरिक्त आज अन्य देशों से भारत की ओर रिवर्स ब्रेन ड्रेन इसलिए भी होता दिखाई दे रहा है क्योंकि, भारत में आज मूलभूत सुविधाएं पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं। किसी भी दृष्टि से भारत का आधारभूत ढांचा आज किसी भी विकसित देश की तुलना में कम नहीं है। साथ ही, भारत में, विकसित देशों की तुलना में, मुद्रा स्फीति की दर कम होने से, सामान्य रहन सहन की लागत तुलनात्मक रूप से भारत में बहुत कम है। अत: भारत में अमेरिका एवं कनाडा की तुलना में शुद्ध बचत दर भी अधिक है। हाल ही के समय में भारत में स्वास्थ्य सेवाओं में भी पर्याप्त सुधार हुआ है। आज बैंगलोर, मुंबई, हैदराबाद जैसे शहरों में बहुत ही कम लागत पर अमेरिकी अस्पतालों की तुलना में (अमेरिका की तुलना में तो 1/10 लागत पर) अच्छी स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हैं। भारत के ग्रामीण इलाकों में तो शुद्ध हवा एवं शुद्ध पानी, जो स्वास्थ्य को ठीक बनाए रखने में सहायक होता है, पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। वरना, महानगरीय इलाकों में तो आज सांस लेना भी बहुत मुश्किल हो रहा है। विभिन्न देशों से उच्च शिक्षा प्राप्त एवं टेलेंटेड भारतीय जो भारत वापिस लौटे हैं, उन्होंने अपने नए प्रारम्भ किए गए स्टार्ट अप के कार्यालय दक्षिण भारत के ग्रामीण इलाकों में स्थापित किए हैं। भारत में बहुत लम्बे समय से मजबूत लोकतंत्र बना हुआ है एवं केंद्र में एक मजबूत सरकार, उद्योग एवं व्यापार को भारत में प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से उद्योग एवं व्यापार के मित्रवत आर्थिक नीतियों को सफलतापूर्वक लागू कर रही है। इससे प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की मात्रा में अपार वृद्धि दृष्टिगोचर हुई है। विकसित देशों में नागरिकों की औसत आयु 50 वर्ष से अधिक हो रही है जिससे श्रमिकों की संख्या इन देशों में लगातार कम हो रही है एवं श्रम लागत में भी भारी मात्रा में वृद्धि हुई है जिसके कारण इन देशों में उत्पादन लागत बहुत अधिक बढ़ गई है। हाल ही के समय में चीन भी इस समस्या से ग्रसित पाया जा रहा है। केवल भारत एवं दक्षिणी अफ्रीकी देशों में ही श्रम लागत तुलनात्मक रूप से बहुत कम है। इसके कारण विश्व की कई बहुराष्ट्रीय कम्पनियां अपनी विनिर्माण इकाईयों की स्थापना भारत में करना चाहते हैं। भारत में उत्पादों का निर्माण कर इन उत्पादों को विश्व के अन्य देशों को निर्यात किया जा रहा है। भारत में आटोमोबाईल उद्योग, मोबाइल उद्योग एवं फार्मा उद्योग इसके जीते जागते प्रमाण हैं।

आज भारत से कई उत्पादों का निर्यात बहुत तेजी से आगे बढ़ रहा है एवं भारत का विदेशी व्यापार घाटा लगातार कम हो रहा है। विदेशी व्यापार घाटे में सुधार होने के चलते भारत में विदेशी मुद्रा भंडार में भी वृद्धि दृष्टिगोचर है जो हाल ही के समय में 70,000 अमेरिकी डॉलर के आंकड़े को भी पार कर गया था। हालांकि, इसके बाद से इसमें कुछ गिरावट देखी गई है। आज विश्व के कई विकसित देशों में सामाजिक तानाबाना छिन्न भिन्न हो गया है एवं इन देशों के नागरिकों में मानसिक असंतोष की भावना लगातार बढ़ रही है एवं इन देशों की आधे से अधिक आबादी आज मानसिक बीमारीयों से ग्रसित है।

इन्हीं कारणों से आज भारत से कई उत्पादों का निर्यात बहुत तेजी से आगे बढ़ रहा है एवं भारत का विदेशी व्यापार घाटा लगातार कम हो रहा है। विदेशी व्यापार घाटे में सुधार होने के चलते भारत में विदेशी मुद्रा भंडार में भी वृद्धि दृष्टिगोचर है जो हाल ही के समय में 70,000 अमेरिकी डॉलर के आंकड़े को भी पार कर गया था। हालांकि, इसके बाद से इसमें कुछ गिरावट देखी गई है। आज विश्व के कई विकसित देशों में सामाजिक तानाबाना छिन्न भिन्न हो गया है एवं इन देशों के नागरिकों में मानसिक असंतोष की भावना लगातार बढ़ रही है एवं इन देशों की आधे से अधिक आबादी आज मानसिक बीमारीयों से ग्रसित है। जबकि इसके ठीक विपरीत भारत में हिंदू सनातन संस्कृति के संस्कारों के अनुपालन से एवं संयुक्त परिवार की जीवनशैली के चलते भारतीय नागरिक मानसिक बीमारियों से लगभग पूर्णत: मुक्त रहे हैं एवं सुखी जीवन व्यतीत कर रहे हैं। विकसित देशों के नागरिकों ने भौतिक विकास तो अधिक किया है परंतु मानसिक शांति खोई है।

मोदी कैबिनेट में अहम प्रस्ताव को मिली मंजूरी

अब शिक्षा के लिए मिलेगा लोन

नईदिल्ली । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने केन्द्रीय क्षेत्र की एक नई योजना पीएम विद्यालक्ष्मी को मंजूरी दे दी है। इस नई योजना का उद्देश्य मेधावी विद्यार्थियों को वित्तीय सहायता प्रदान करना है ताकि वित्तीय बाधाएं किसी को भी उच्च शिक्षा प्राप्त करने से न रोकें।

पीएम विद्यालक्ष्मी राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 से निकली एक और महत्वपूर्ण पहल है, जिसने यह सिफारिश की थी कि सार्वजनिक और निजी, दोनों प्रकार के उच्च शिक्षा संस्थानों (एचईआई) में विभिन्न उपायों के माध्यम से मेधावी विद्यार्थियों को वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जानी चाहिए। पीएम विद्यालक्ष्मी योजना के तहत, गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा संस्थान (क्यूएचईआई) में प्रवेश लेने वाला कोई भी विद्यार्थी ट्यूशन फीस की पूरी राशि और पाठ्यक्रम से संबंधित अन्य खर्चों को कवर करने हेतु बैंकों और वित्तीय संस्थानों से गिरवी मुक्त एवं गारंटर मुक्त ऋण प्राप्त करने का पात्र होगा। यह योजना एक सरल, पारदर्शी एवं विद्यार्थियों के अनुकूल प्रणाली के माध्यम से संचालित की जाएगी, जो अंतर- संचालनीय और पूरी तरह से डिजिटल होगी। यह योजना एनआईआरएफ रैंकिंग द्वारा निर्धारित देश के शीर्ष गुणवत्ता

इस अवधि के दौरान 7 लाख नए छात्रों को इस ब्याज छूट का लाभ मिलने की उम्मीद है

वाले उच्च शिक्षण संस्थानों में लागू होगी। इस योजना में एनआईआरएफ के समग्र, श्रेणी-विशिष्ट और डोमेन - विशिष्ट रैंकिंग में शीर्ष 100 में स्थान रखने वाले सभी एचईआई, सरकारी एवं निजी, शामिल हैं। एनआईआरएफ रैंकिंग में 101-200 में स्थान रखने वाले राज्य सरकार के उच्च शिक्षा संस्थानों (एचईआई) और केन्द्र सरकार द्वारा प्रशासित सभी संस्थानों को इसमें शामिल किया गया है। इस सूची को एनआईआरएफ के नवीनतम रैंकिंग का उपयोग करके हर वर्ष अद्यतन किया जाएगा और शुरुआत 860 योग्य क्यूएचईआई से होगी, जिसमें 22 लाख से अधिक विद्यार्थी शामिल होंगे जो अपनी इच्छानुसार संभावित रूप से पीएम-विद्यालक्ष्मी का लाभ उठा सकेंगे। कुल 7.5 लाख रुपये तक की ऋण राशि के लिए, विद्यार्थी बकाया डिफॉल्ट के 75 प्रतिशत की क्रेडिट गारंटी के भी पात्र होंगे। इससे बैंकों को इस योजना के तहत विद्यार्थियों को शिक्षा ऋण उपलब्ध कराने में सहायता मिलेगी। उपरोक्त सुविधाओं के अलावा, जिन विद्यार्थियों की वार्षिक पारिवारिक आय 8 लाख रुपये तक है और वे किसी अन्य सरकारी छात्रवृत्ति या ब्याज छूट योजनाओं के तहत लाभ के पात्र नहीं हैं, उन्हें 10 लाख रुपये तक के ऋण पर अधिस्थगन अवधि के दौरान 3 प्रतिशत की ब्याज छूट भी प्रदान की जाएगी। हर वर्ष एक लाख विद्यार्थियों को ब्याज छूट सहायता दी जाएगी। उन विद्यार्थियों को प्राथमिकता दी जाएगी जो सरकारी संस्थानों में अध्ययनरत हैं और जिन्होंने तकनीकी/ व्यावसायिक पाठ्यक्रमों का विकल्प चुना है। वर्ष 2024-25 से 2030-31 के दौरान 3,600 करोड़ रुपये के परिव्यय का प्रावधान किया गया है और इस अवधि के दौरान 7 लाख नए छात्रों को इस ब्याज छूट का लाभ मिलने की उम्मीद है। उच्च शिक्षा विभाग के पास एक एकीकृत पोर्टल पीएम-विद्यालक्ष्मी उपलब्ध होगा, जिस पर विद्यार्थी सभी बैंकों द्वारा उपयोग की जाने वाली सरलीकृत आवेदन प्रक्रिया के माध्यम से शिक्षा ऋण के साथ-साथ ब्याज छूट के लिए आवेदन कर सकेंगे। ब्याज छूट का भुगतान ई-वाउचर और सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी (सीबीडीसी) वॉलेट के माध्यम से किया जाएगा।

पीएम विद्यालक्ष्मी देश के युवाओं के लिए गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा को अधिकतम सुलभ बनाने हेतु शिक्षा एवं वित्तीय समावेशन के क्षेत्र में पिछले एक दशक में भारत सरकार द्वारा की गई विभिन पहलों के दायरे एवं सुलभता को आगे बढ़ाएगी। यह योजना उच्च शिक्षा विभाग द्वारा कार्यान्वित की जा रही पीएम-यूएसपी की दो घटक योजनाओं, केन्द्रीय क्षेत्र ब्याज सब्सिडी (सीएसआईएस) और शिक्षा ऋण के लिए क्रेडिट गारंटी फंड योजना (सीजीएफएसईएल) की पूरक होगी।

हेमंत सोरेन चौथी बार बने झारखंड के सीएम

'INDIA' गठबंधन की ताकत दिखा शपथ

रांची। विधानसभा चुनाव 2024 में इंडिया गठबंधन की जीत के बाद हेमंत सोरेन ने चौथी बार झारखंड के सीएम की बागडोर संभाली। उन्होंने 14वें मुख्यमंत्री के रूप में गुरुवार शाम को पद एवं गोपनीयता की शपथ ली।

झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने रांची के मोरहाबादी मैदान में आयोजित एक भव्य समारोह में 49 वर्षीय आदिवासी नेता हेमंत सोरेन को मुख्यमंत्री पद की शपथ दिलाई। शपथ लेने से पहले, कुर्ता-

पायजामा पहने सोरेन ने झामुमो अध्यक्ष और अपने पिता शिबू सोरेन से मुलाकात की। अर्जुन मुंडा और शिबू सोरेन तीन-तीन बार सीएम बन चुके हैं। हेमंत का तीसरा कार्यकाल अब चार जुलाई 2024 से 28 नवंबर 2024 तक माना जाएगा।

दिखी INDIA गठबंधन की ताकत

शपथ ग्रहण समारोह में इंडिया गठबंधन की ताकत दिखी। शपथ ग्रहण के मौके पर इंडिया (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस) गठबंधन के कई कद्दावर नेता मौजूद रहे।कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस नेता राहुल गांधी, पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी, आप नेता अरविंद केजरीवाल, सपा प्रमुख अखिलेश यादव, तमिलनाडु से उदयनिधि स्टालिन, कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार और बिहार में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव भी शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए।

उप राष्ट्रपति ने छत्तीसगढ़ के 36 अलंकरण से विभूतियों एवं संस्थाओं को किया सम्मानित

रायपुर। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड ने छत्तीसगढ़ राज्योत्सव के राज्य अलंकरण समारोह में छत्तीसगढ़ के 36 अलंकरण से विभिन्न क्षेत्रों से उत्कृष्ट योगदान देने वाले 37 विभूतियों एवं 4 संस्थाओं को सम्मानित किया। राज्यपाल रमेन डेका ने समारोह की अध्यक्षता की। अति विशिष्ट अतिथि के रूप में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह उपस्थित रहे।

छत्तीसगढ राज्योत्सव-2024

राजधानी नवा रायपुर में राज्योत्सव के तीसरे दिन राज्य की महान विभूतियों के नाम से अलंकरण प्रदान करने समारोह का आयोजन किया गया। राज्य अलंकरण समारोह में उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने आदिम जाति कल्याण विभाग द्वारा आदिवासी पिछड़ा वर्ग के उत्थान के लिए शहीद वीरनारायण सिंह पुरस्कार बुटलू राम माथरा को प्रदान किया। इसी प्रकार सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा दिया जाने वाला अहिंसा एवं गौ-रक्षा के क्षेत्र में यति यतनलाल सम्मान मनोहर गौशाला खैरागढ़, खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा खेल के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए गुण्डाधूर सम्मान सु छोटी मेहरा, खेल (तीरंदाजी) के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए महाराजा प्रवीरचंद भंजदेव सम्मान विकास कुमार को प्रदान किया गया। इसी प्रकार महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा महिला उत्थान के क्षेत्र में मिनीमाता सम्मान के लिए सतनामी महिला समिति कोहका जिला दुर्ग को, महिलाओं में वीरता, शौर्य, साहस तथा आत्मबल को सशक्त बनाने के लिए वीरांगना रानी अवंतिबाई लोधी स्मृति पुरस्कार मती अदिती कश्यप और महिलाओं के उत्पीड़न के खिलाफ संघर्ष, नारी उत्थान के लिए माता बहादुर कलारिन सम्मान कुमारी चित्ररेखा सिन्हा, आदिम जाति कल्याण विभाग द्वारा सामाजिक चेतना और दलित उत्थान के क्षेत्र में गुरू घासीदास सम्मान राजेन्द्र रंगीला (गिलहरे), सहकारिता विभाग द्वारा सहकारिता के क्षेत्र में ठाकुर प्यारेलाल सम्मान शशिकांत द्विवेदी को प्रदान किया गया।

सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा सामाजिक, आर्थिक, शैक्षणिक क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य के लिए पंडित रविशंकर शुक्ल सम्मान अखिल भारतीय वनवासी कल्याण आश्रम जशपुरनगर, जिला जशपुर, संस्कृति विभाग द्वारा हिन्दी साहित्य के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए पंडित सुन्दरलाल शर्मा सम्मान डॉ. सत्यभामा आडिल, संस्कृति विभाग द्वारा संगीत एवं कला के क्षेत्र में चक्रधर सम्मान पं. सुधाकर रामभाऊ शेवलीकर को प्रदान उप राष्ट्रपति धनखड़ ने प्रदान किया। संस्कृति विभाग द्वारा लोककला एवं शिल्प के क्षेत्र में दिया जाने वाला दाऊ मंदराजी सम्मान पंडीराम मंडावी को प्रदान किया गया। संस्कृति विभाग द्वारा ही छत्तीसगढ़ी लोकगीत के लिए लक्ष्मण मस्तुरिया सम्मान मती निर्मला ठाकुर (बेलचंदन) और छत्तीसगढ़ी लोक संगीत के लिए खुमान साव सम्मान दुष्यंत कुमार हरमुख, कृषि विभाग द्वारा कृषि के क्षेत्र में डॉ. खूबचंद बघेल सम्मान संयुक्त रूप से शिवकुमार चंद्रवंशी और खेमराज पटेल को प्रदान किया गया। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा सामाजिक समरसता के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य के लिए महाराजा अग्रसेन सम्मान सियाराम अग्रवाल, समाज कल्याण विभाग द्वारा दानशीलता, सौहार्द्र एवं अनुकरणीय सहायता के क्षेत्र में

दानवीर भामाशाह सम्मान सुभाष चंद अग्रवाल, मत्स्य विभाग द्वारा मछली पालन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए मती बिलासाबाई केंवटीन मत्स्य विकास पुरस्कार विनोद दास को उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने प्रदान किया।

आदिम जाति कल्याण विभाग द्वारा *आदिवासियों की सेवा और उत्थान के क्षेत्र में दिया जाने वाला भंवर सिंह पोर्ते सम्मान छत्तीसगढ़ आदिवासी कल्याण संस्थान अनुपम नगर रायपुर को प्रदान किया गया। श्रम विभाग द्वारा श्रम के क्षेत्र में महाराजा रामानुज प्रताप सिंहदेव पुरस्कार संयुक्त रूप से सुरेन्द्र कुमार राठौर, शोभा सिंह एवं ललित कुमार नायक को प्रदान किया गया। गृह (पुलिस) विभाग द्वारा अपराध अनुसंधान क्षेत्र में पंडित लखन लाल मिश्र सम्मान रामनरेयश यादव, ग्रामोद्योग विभाग द्वारा बुनकर क्षेत्र में बिसाहूदास महंत पुरस्कार संयुक्त रूप से पन्नालाल देवांगन और बहोरी लाल देवांगन को उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने प्रदाय किया। ग्रामोद्योग विभाग द्वारा बुनकर के क्षेत्र में राजराजेश्वरी करूणामाता हाथकरघा प्रोत्साहन पुरस्कार संयुक्त रूप से सत्यनारायण देवांगन एवं अरूण मेहर को प्रदान किया गया।*

छत्तीसगढ़ के हजारों लोग ले रहे पुण्य लाभ

विष्णुदेव सरकार की रामलला दर्शन योजना से भगवान राम के ननिहाल में छाई खुशी

रायपुर। अयोध्या में राम मंदिर की स्थापना के बाद से भगवान राम के ननिहाल छत्तीसगढ़ में गजब का उत्साह दिखाई दे रहा है. माता कौशल्या के मायके के लोग अब जल्द से जल्द रामलला के दर्शन करने के लिये बेताब दिखाई पड़ते हैं. लोगों की इसी भावना को परखते हुए छत्तीसगढ़ के लोकप्रिय मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने राज्य के लोगों के लिए रामलला दर्शन योजना की शुरुआत की है.

भारतीय दर्शन और परंपरा के मुताबिक, उम्र के एक पड़ाव के बाद हर व्यक्ति की इच्छा होती है कि वह पवित्र धार्मिक स्थलों के दर्शन के लिए तीर्थ यात्रा पर जाये. आर्थिक रूप से सम्पन्न लोग अपनी सुविधानुसार तीर्थयात्रा करते रहते हैं, लेकिन गरीब परिवार पैसे की कमी के चलते इससे वंचित रह जाते हैं. खासकर ऐसे समय में जब अयोध्या में छत्तीसगढ़ के भांचा राम का नया मंदिर बना हो और जिसकी ख्याति पूरे विश्व में फैल गई हो, हर छत्तीसगढ़िया अपने भांचा राम के दर्शन के लिये बेचैन दिख रहा है. अपने भांचा राम के विराजमान होने के बाद उनके ननिहाल में रहने वाले प्रत्येक लोगों की इच्छा थी कि वे उनके द्वार तक पहुंचे और दर्शन लाभ लें. भगवान राम के ननिहाल के निवासियों के इस सपने को विष्णुदेव साय सरकार ने साकार करने का बीड़ा उठाया है.साय सरकार ने प्रदेश के नागरिकों को अयोध्या ले जाने के लिए रामलला दर्शन योजना शुरू की है.

मूल रूप से छत्तीसगढ़ में निवास करने वाले 18 से 75 वर्ष तक आयु के व्यक्तियों को शासकीय सहायता से उनके जीवनकाल में एक बार उत्तर प्रदेश के अयोध्या धाम स्थित श्री रामलला दर्शन के लिए शुरू की गई श्री रामलला दर्शन योजना राज्य के निवासियों की आस्था को पोषित करने वाली अद्वितीय योजना बन गई है. इसके तहत हर साल राज्य भर के क़रीब 20,000 लोगों को नवनिर्मित रामलला मंदिर ले जाया जा रहा है. छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल और पर्यटन विभाग की सहायता से इस योजना को क्रियान्वित किया जा रहा है. छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल यात्रा के दौरान सभी आवश्यक सुविधाओं जैसे परिवहन, भोजन और आवास की व्यवस्था सुनिश्चित कर रहा है.

श्री रामलला दर्शन योजना के लिये 18 से 75 वर्ष के छत्तीसगढ़ मूल निवासियों को ज़िला मेडिकल बोर्ड द्वारा आयोजित स्वास्थ्य परीक्षण में फिट घोषित किया जाना अभी अनिवार्य है.छत्तीसगढ़ से लगभग 900 किलोमीटर दूर की इस तीर्थ यात्रा को सुविधाजनक और सफल बनाने के लिए भारतीय रेलवे कैटरिंग और पर्यटन निगम से सहयोग ली जा रही है. इसके लिए साप्ताहिक विशेष ट्रेन की व्यवस्था की गई है. इस विशेष ट्रेन में यात्री रायपुर, दुर्ग, रायगढ़ और अंबिकापुर स्टेशनों से यात्रा कर रहे हैं. रास्ते में यात्री वाराणसी में रात्रि विश्राम करते हैं, जहाँ पर उन्हें श्री काशी विश्वनाथ मंदिर के दर्शन और पूज्य गंगा आरती में भाग लेने का सुनहरा अवसर मिल जाता है.

श्री राम लला दर्शन योजना के तहत 5 मार्च को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने रायपुर रेलवे स्टेशन से हरी झंडी दिखाकर 12 कोच वाली श्री रामलला दर्शन योजना की पहली ट्रेन को रवाना किया था. विशेष ट्रेन में सबसे पहले रायपुर संभाग के 850 यात्री शामिल थे,जो अयोध्या में श्री रामलला के दर्शन के लिए रवाना हुए. इसमें रायपुर के 302, बलौदाबाजार के 163, महासमुंद के 158, धमतरी के 133 और गरियाबंद के 94 आस्थावान यात्री शामिल थे. मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के पहल पर शुरू की गई श्री रामलला दर्शन योजना के तहत चलाई जा रही विशेष ट्रेन 5 मार्च को रायपुर रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर-07 से रवाना हुई

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से बोली महिला कांस्टेबल

सुरक्षा बल का हिस्सा बनकर होता है गर्व

रायपुर। आज जब युवा साथी मुझसे कहते हैं कि हम भी आपके जैसे बनना चाहते हैं, तब मैं गर्व और हौसले से भर जाती हूं। मैं चाहती हूं कि बस्तर के अधिक अधिक से अधिक युवा सुरक्षा बलों में भर्ती होकर देश की सुरक्षा में अपना योगदान दें। मुझे बहुत खुशी और गर्व है कि मैं इस सुरक्षा बल का हिस्सा हूं और नक्सल अभियानों में मेरी भूमिका रही है।सीआरपीएफ बस्तरिया बटालियन की जांबाज महिला कांस्टेबल ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय से उनके बस्तर के सेडवा कैंप प्रवास के दौरान ये बातें साझा की। मुख्यमंत्री श्री साय बस्तरिया बटालियन की महिला कांस्टेबल के आत्मविश्वास से भरे शब्दों को सुनकर गर्व से भर गए और शाबाशी देते हुए कहा कि जवानों के हौसलों से ही हमें ताकत मिलती है। उन्होंने कहा कि नक्सल

ऑपरेशन में बस्तर की बहुत सारी बेटियां चुनौतियों के बीच सफलतापूर्वक काम कर रही हैं। बस्तर में नक्सलवादियों से मुकाबला करती हमारी बेटियों के पराक्रम का कोई सानी नहीं है। मुख्यमंत्री श्री साय को बताया गया कि सीआरपीएफ के चुनिंदा जवानों को कोबरा बटालियन में काम करने का मौका दिया जाता है। इन जवानों को नक्सल ऑपरेशन और जंगलवार में महारत हासिल है। जवानों ने टेकलगुड़ेम में कैम्प स्थापना के दौरान हुई घटना का जिक्र करते हुए बताया कि नक्सलियों के साथ मुठभेड़ में हमारे कई साथी घायल हुए लेकिन हमारी टीम ने डटकर मुकाबला किया और कैम्प स्थापित करने में सफल हुए, जिसके कारण नक्सलियों को गांव छोडकर भागना पड़ा। जवानों ने अबूझमाड़ की चुनौतियों के बारे में मुख्यमंत्री को बताया।

श्री रामलला दर्शन योजना

850 श्रद्धालु अयोध्या धाम के लिए हुए रवाना

श्रद्धालुओं ने मुख्यमंत्री का जताया आभार, कहा अयोध्या धाम का दर्शन करना सौभाग्य की बात

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में सरकार द्वारा शुरू की गई रामलला दर्शन योजना को लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह का माहौल है। बिलासपुर संभाग के 850 श्रद्धालुओं को लेकर आज विशेष ट्रेन अयोध्या धाम के लिए रवाना हुई।

इस विशेष ट्रेन को श्रम और उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन, बेलतरा विधायक सुशांत शुक्ला और जिला पंचायत अध्यक्ष अरुण सिंह चौहान ने हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया।

अयोध्या धाम यात्रा के लिए जाने वाले श्रद्धालुओं का स्टेशन में भव्य स्वागत किया गया। गाजे बाजे और पारंपरिक नृत्य से उनका स्वागत हुआ। ये श्रद्धालु काशी विश्वनाथ का भी दर्शन करेंगे। बिलासपुर रेलवे स्टेशन पर भजन गाते हुए विशेष ट्रेन में सवार होकर यात्री रवाना हुए। सभी श्रद्धालुओं की रामलला के दर्शन की अभिलाषा पूरी होने जा रही है। ये श्रद्धालु मुख्यमंत्री विष्णु देव

साय के प्रति दिल से आभार व्यक्त कर रहे थे। श्रद्धालुओं का कहना था कि मुख्यमंत्री ने अपना वादा निभाया है और सरकार की रामलला दर्शन योजना से अयोध्या जाने की उनकी इच्छा पूरी हो रही है। यह उनका सौभाग्य है। कोरबा जिले के हरि प्रसाद मैत्री, मनमोहन साहू, बनवारी पटेल, बिलासपुर जिले की मती उषा वाजपेयी भी अयोध्या रामलला दर्शन के लिए जा रहे है। उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार जताया। उन्होंने कहा कि बुजुर्गो को तीर्थ यात्रा कराकर सरकार पुण्य का काम कर रही है। उम्र के इस पड़ाव में सभी को तीर्थ यात्रा की इच्छा रहती है लेकिन आर्थिक कठिनाईयों के चलते संभव नहीं हो पाता है। हम सरकार के आभारी है कि उन्होंने हमारी ये इच्छा पूरी की। अयोध्या धाम के लिए रवाना हुई इस विशेष ट्रेन में बिलासपुर जिले के 225 यात्री भी शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि रामलला दर्शन योजना के तहत श्रद्धालुओं को पूरा पैकेज मिलेगा जिसमें छत्तीसगढ़ से अयोध्या जाने, वहां ठहरने की व्यवस्था, मंदिर दर्शन, नाश्ते और खाने की भी व्यवस्था रहेगी। इस ट्रेन में टूर एस्कॉर्ट, सुरक्षा कर्मी और चिकित्सकों का दल भी मौजूद रहेगा। इस अवसर पर नगर निगम कमिश्नर अमित कुमार, सीईओ जिला पंचायत आरपी चौहान, एसडीएम पीयूष तिवारी, रामदेव कुमावत सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

डिप्टी सीएम अरुण साव ने दिया बड़ा बयान

आरक्षक भर्ती प्रक्रिया पर हाई कोर्ट ने लगाई रोक

रायपुर। छत्तीसगढ़ में होने वाली आरक्षक भर्ती पर हाईकोर्ट ने रोक लगा दी है. इस प्रक्रिया के तहत राज्यभर में अलग-अलग पदों पर आरक्षकों की भर्ती होनी थी. जस्टिस राकेश मोहन पांडे की सिंगल बेंच ने सुनवाई के बाद आरक्षक भर्ती पर रोक लगाई. वहीं इसे लेकर डिप्टी सीएम अरुण साव ने बड़ा बयान दिया है.

सरकार लगातार नई भर्ती निकाल रही - अरुण साव

डिप्टी सीएम अरुण साव ने आरक्षक भर्ती प्रक्रिया में हाई कोर्ट द्वारा रोक लगाए जाने पर कहा कि लगातार सरकार नई भर्ती निकाल रही है. नौजवानों को मौका दे रही है. भर्ती प्रक्रिया को लेकर भी हाईकोर्ट के अनुसार सब करेंगे.

डिप्टी सीएम अरुण साव ने आरक्षक भर्ती प्रक्रिया में हाई कोर्ट द्वारा रोक लगाए जाने पर कहा कि लगातार सरकार नई भर्ती निकाल रही है. नौजवानों को मौका दे रही है. भर्ती प्रक्रिया को लेकर भी हाईकोर्ट के अनुसार सब करेंगे.

आरक्षक भर्ती प्रक्रिया पर हाई कोर्ट ने लगाई रोक

बता दें कि याचिकाकर्ता बेदराम टंडन ने आरक्षक भर्ती के मामले में हाईकोर्ट में याचिका दायर की है. जिसमें बताया गया कि याचिकाकर्ता के बेटे ने राजनांदगांव में होने वाले कॉन्स्टेबल जीडी के लिए आवेदन दिया था. राजनांदगांव जिले में इस केटेगरी के तहत 143 पद जारी किए गए थे, लेकिन विज्ञापन जारी होने और फॉर्म भरने के बाद डीजी पुलिस ने सचिव को इस नियुक्ति प्रक्रिया में पुलिस विभाग में कार्यरत और एक्स सर्विसमेन कर्मचारियों के बच्चों को छूट देने संबंधी पत्र लिखा. पत्र में सुझाव देते हुए लिखा गया था कि भर्ती नियम 2007 कंडिका 9(5) के तहत पुलिसकर्मियों के बच्चों के लिए भर्ती प्रक्रिया के मापदंडों को शिथिल किया जा सकता है. जिसमें फिजिकल टेस्ट के दौरान सीने की चौड़ाई और ऊंचाई जैसे कुल 9 पॉइंट्स शामिल थे. अवर सचिव ने इस सुझाव को स्वीकार भी कर लिया. इससे आहत होकर याचिकाकर्ता ने हाइकोर्ट में याचिका दाखिल कर दी. इस मामले की सुनवाई के दौरान कोर्ट को बताया गया कि केवल अपने विभाग के कर्मचारियों को छूट देना आम नागरिकों के साथ भेदभाव है, इसलिए इस भर्ती प्रक्रिया पर रोक लगाई जाए। मामले में वकील की ओर से पेश किए गए दलीलों को सुनने के बाद कोर्ट ने आरक्षक संवर्ग 2023-24 के अलग-अलग पदों पर होने वाली भर्तियों पर रोक लगा दी है. याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि क्योंकि नियमों को शिथिल करने का लाभ सभी पदों पर मिलता इसलिए सभी पदों पर होने वाली भर्ती पर रोक लगा दी गई है.

नागरिक संविधान में प्रदत्त अधिकारों के साथ कर्तव्यों को भी समझे : अरुण साव

रायपुर। उप मुख्यमंत्री तथा विधि एवं विधाई कार्य मंत्री श्री अरुण साव संविधान दिवस पर नवा रायपुर स्थित हिदायतुल्ला राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय (एचएनएलयू) में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के प्राध्यापकों और विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि भारत के संविधान में प्रत्येक नागरिक को बराबर अधिकार दिए गए हैं। हमारा संविधान किसी ग्रन्थ से कम नहीं है। यह हमारा सर्वोच्च ग्रंथ है। उन्होंने कहा कि संविधान की प्रस्तावना संविधान की आत्मा है। इसका मूल तत्व संविधान की प्रस्तावना से स्पष्ट होता है। एचएनएलयू के कुलपति प्रो. (डॉ.) वी.सी. विवेकानंदन, प्रो. योगेंद्र श्रीवास्तव, डॉ. एन.एल. मित्रा, डॉ. रणवीर सिंह और श्री विपिन कुमार भी

कार्यक्रम में मौजूद थे। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कार्यक्रम में कहा कि सामान्यत: लोग संविधान में नागरिकों को दिए गए अधिकारों की ही बात करते हैं। लेकिन मौलिक कर्तव्यों पर चर्चा नहीं होती है। हमें अपने अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्यों पर भी चर्चा करनी चाहिए। उन्होंने छात्र-छात्राओं को संविधान की प्रस्तावना का पाठ कराया तथा 'सीजी लर्न' का लोगो भी लॉन्च किया। श्री साव ने कहा कि छत्तीसगढ़ में 'सीजी लर्न' से विधि क्षेत्र में नया आयाम स्थापित होगा। इससे विधि की शिक्षा और शोध कार्यों को मजबूती मिलेगी। उन्होंने छत्तीसगढ़ में विधि के शिक्षण संस्थानों को आपस में चर्चा करने को कहा। यह विद्यार्थियों के लिए लाभकारी होगा। सभी शिक्षण संस्थान मिलकर काम करेंगे, तो राज्य में विधि की शिक्षा नई ऊंचाईयों पर पहुंचेगी और छत्तीसगढ़ का देश में नाम रोशन होगा।

नवागढ़ में 19 से 21 दिसंबर तक होगी भव्य पंथी नृत्य प्रतियोगिता

मुख्यमंत्री को राज्य स्तरीय भव्य पंथी नृत्य प्रतियोगिता के लिए मिला न्योता

देश के विभिन्न राज्यों के नर्तक दल लेंगे हिस्सा

रायपुर। राज्य स्तरीय पंथी नृत्य प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ के साथ-साथ देश के विभिन्न राज्यों के पंथी नर्तक दल हिस्सा लेंगे। यह प्रतियोगिता बेमेतरा जिले के विकासखण्ड मुख्यालय नवागढ़ में 19 से 21 दिसंबर तक आयोजित की जाएगी। खाद्य मंत्री दयाल दास बघेल के नेतृत्व में सतनामी समाज प्रमुखों के दल ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से उनके निवास कार्यालय में भेंट कर उन्हें प्रतियोगिता में शामिल होने का न्योता दिया। मुख्यमंत्री ने साय ने निमंत्रण को सहर्ष स्वीकार करते हुए जयंती कार्यक्रम में शिरकत करने का आश्वासन दिया।

मुख्यमंत्री साय को प्रतिनिधिमण्डल ने बताया कि परम पूज्य गुरूघासी दास बाबा जी के 268 वीं जयंती के उपलक्ष्य में आगामी माह दिसंबर में जयंती मनाने राज्य स्तरीय पंथी नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। सभी समाज के लोगों से आपसी प्रेम और सौहाद्रपूर्ण वातावरण में इस आयोजन को सफल बनाने का अनुरोध किया गया है। देश के विभिन्न राज्यों के पंथी नर्तक दलों को प्रतियोगिता में शामिल होने के लिए निमंत्रण भेजा रहा है। आयोजन में सहयोग देने वाले सभी समाज के लोगों को सम्मानित करने की भी योजना है। इस मौके पर प्रतियोगिता का स्वरूप, एवं आयोजन समिति, सुरक्षा समिति सहित अन्य व्यवस्था की भी जानकारी दी गई। इस अवसर पर गुरु अगमदास तेलासिपुरी धाम, पूर्व विधायक रामजी भारती, पूर्व विधायक डॉ. सनम जांगड़े, पद्म मती उषा बारले सहित समाज के अन्य प्रतिनिधि शामिल थे।

खाद्य मंत्री बघेल के नेतृत्व में सतनामी समाज के प्रतिनिधिमण्डल ने मुख्यमंत्री से की मुलाकात

देश-विदेश में मशहूर हैं पंथी नृत्य

देश-विदेश में मशहूर है छत्तीसगढ़ का पंथी नृत्य। यह छत्तीसगढ़ के सतनामी समुदाय का पारंपरिक नृत्य है। इस नृत्य में बाबा गुरूघासीदास जी के संदेशों को गीतों और नृत्य के माध्यम से प्रस्तुत किया जाता है। यह वस्तुतः एक धार्मिक और आध्यात्मिक नृत्य है। यह नृत्य सामूहिक अराधना की तरह है। इस नृत्य की विशेषता मांदर की थाप और मंजीरे की झांझ में तेज गति से नर्तक नृत्य प्रस्तुत करते है। तेज गति से प्रस्तुत किए जाने वाले इस नृत्य से दर्शक रोमांचित हो उठते हैं। पंथी नृत्य में कई वाद्ययंत्रों का इस्तेमाल होता है, जैसे मांदर, झांझ, झुमका, मंजीरे, चिकारा, हारमोनियम, और बेन्जो आदि शामिल होता है।

सुनील सोनी ने ली विधानसभा की सदस्यता

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने दिलाई शपथ, सीएम ने दी बधाई

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के दक्षिण विधानसभा से बीजेपी के सुनील सोनी ने बंपर जीत दर्ज की है। जीत के बाद गुरुवार को विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने विधानसभा के सभागार में आयोजित समारोह में नव निर्वाचित विधायक सुनील सोनी को विधायक पद की शपथ दिलाई। इस अवसर पर सीएम विष्णुदेव साय सहित मंत्रीगणों और विधायकों ने श्री सोनी को उनकी नई जिम्मेदारियों के लिए शुभकामनाएं दी। विधायक श्री सुनील सोनी ने शपथ ग्रहण के बाद आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि, मैं अपने क्षेत्र की जनता की उम्मीदों पर खरा उतरने का हरसंभव प्रयास करूंगा और उनकी सेवा में समर्पित रहूंगा।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय सहित उपस्थित सभी अतिथियों का

ये मंत्री और रहे उपस्थित

इस अवसर पर संसदीय कार्य मंत्री केदार कश्यप, स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा, सांसद बृजमोहन अग्रवाल, विधायक राजेश मूणत, किरण सिंह देव, मोतीलाल साहू, अनुज शर्मा, गुरु खुशवंत साहब एवं जनप्रतिनिधिगण भी उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ के विकास में वेदांता के प्रमुख सीएसआर योगदानों को उजागर करते हुए, अनिल अग्रवाल फाउंडेशन ने वित्त वर्ष 2024 की सोशल इम्पैक्ट रिपोर्ट जारी की

बालको के कैंसर देखभाल केंद्र, स्थायी आजीविका सृजन और महिला सशक्तिकरण की सफलता पर प्रकाश डाला गया

रायपुर। भारत के विकास में योगदान के लिए वेदांता लिमिटेड की सामाजिक पहल शाखा,अनिल अग्रवाल फाउंडेशन द्वारा वित्त वर्ष 2023-24 में 437 करोड़ रुपये का निवेश किया गया जिससे 1.73 करोड़ से अधिक लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आया। इसमें भारत एल्युमीनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) और बालको मेडिकल सेंटर (बीएमसी) के माध्यम से छत्तीसगढ़ राज्य में महत्वपूर्ण योगदान शामिल है। फाउंडेशन की वार्षिक सोशल इम्पैक्ट रिपोर्ट, फ्रनर्चरिंग, ट्रांसफॉर्मिंग, लीडिंग- इंडिया%स ग्रोथ स्टोरीफ्र, में 153 उच्च प्रभावशाली परियोजनाओं का उल्लेख किया गया है, जो 1,200 से अधिक गांवों में शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, महिला एवं बाल विकास, कौशल व आजीविका, पशु कल्याण और पर्यावरणीय स्थिरता जैसे क्षेत्रों पर केंद्रित हैं।

बालको, वेदांता की सहायक कंपनी है, जो छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में स्थित एक प्रतिष्ठित एल्युमीनियम निर्माता है। यह अपने परिचालन क्षेत्रों और आसपास के समुदायों के जीवन को बेहतर बनाने और सामाजिक प्रगति को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। बालको अपनी सीएसआर पहलों के माध्यम से इन समुदायों को सशक्त और सफल बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। इसके तहत इन्होंने छत्तीसगढ़ के कोरबा, कवर्धा, सरगुजा और रायपुर जिलों के 123 गाँवों में लगभग 1.7 लाख लोगों को लाभ पहुँचाने का लक्ष्य बनाया है। वर्षभर में, स्थायी आजीविका, महिला सशक्तिकरण, स्वास्थ्य देखभाल और सामुदायिक बुनियादी ढाँचे जैसी विभिन्न सामाजिक प्रभाव पहलों के माध्यम से कुल 1,69,056 ज़िंदगियों को सकारात्मक रूप से प्रभावित किया गया है।

वेदांता लिमिटेड की नॉन-एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर और हिंदुस्तान ज़िंक लिमिटेड की चेयरपर्सन, प्रिया अग्रवाल हेब्बर ने कहा, फ्रवेदांता में, हमारी मूल विचारधारा %अर्थ% (जो मूल्य हम उत्पन्न करते हैं) और %धर्म% (जो मूल्य हम वापस देते हैं) हमें समुदायों को सशक्त बनाने की दिशा में हमारी प्रतिबद्धता को मार्गदर्शन प्रदान करती है। हमारी हर पहल — चाहे वह बच्चों का पोषण और स्वास्थ्य देखभाल हो, कौशल विकास और आजीविका, खेलों का प्रचार, सांस्कृतिक संरक्षण या अन्य कोई पहल — ये सभी हमारे समावेशी और सशक्त भारत के दृष्टिकोण के अनुरूप हैं।

नया रायपुर में स्थित बालको मेडिकल सेंटर (बीएमसी) वेदांता मेडिकल रिसर्च फाउंडेशन की प्रमुख पहल है और यह कैंसर देखभाल की पहुँच को सुगम और सुलभ बनाने में अग्रणी के रूप में स्थापित हो चुका है। इसकी स्थापना वर्ष 2018 में की गई थी, और तब से अब तक इसने 170-बेड वाली तृतीयक देखभाल ऑन्कोलॉजी सुविधा के माध्यम से 38,500 से अधिक मरीजों का इलाज किया है। बीएमसी अत्याधुनिक डायग्नोस्टिक और थेराप्यूटिक सेवाएँ प्रदान कर रहा है। वर्ष 2023 में, बीएमसी को अर्ली-ऑनसेट कोलोरेक्टल कैंसर पर शोध के लिए 25 मिलियन अमेरिकी डॉलर का प्रतिष्ठित कैंसर ग्रैंड चैलेंजेस अनुदान प्राप्त हुआ। यह अनुदान कैंसर रिसर्च यूके और यूएस नेशनल कैंसर इंस्टीट्यूट के सहयोग से प्रदान किया गया।

मुंगेली, छत्तीसगढ़ की 7 वर्ष की एक लड़की की कहानी काफी प्रेरणादायक है, जो बालको मेडिकल सेंटर से जुड़ी है। उसे पैर और जांघ की हड्डी में गंभीर हड्डी का कैंसर था, जिसे इविंग्स सारकोमा कहते हैं। बीएमसी में उसे जीवनरक्षक इलाज मिला। सामान्य तौर पर अगर धातु प्रत्यारोपण का इस्तेमाल करके पारंपरिक पुनर्निर्माण किया जाता, तो पैर की लंबाई में अंतर आ सकता था, जिससे पैर लगभग अनुपयोगी हो जाता। पैर को अलग करने पर भी विचार किया गया, लेकिन वह भी उपयुक्त नहीं था। इसके बजाए, बीएमसी की मेडिकल टीम ने रोटेशनप्लास्टी नामक एक अनोखी और दुर्लभ सर्जरी करने का निर्णय लिया। इस लड़की की कीमोथेरेपी और सर्जरी का पूरा खर्चा आयुष्मान भारत योजना के तहत उठाया गया, जिससे उसके परिवार पर कोई आर्थिक बोझ नहीं पड़ा। इलाज के 6 महीने बाद, अब यह बच्ची आराम से चलने लगी है और अब अपने दैनिक जीवन को सहजता से जीने लगी है।

बालको का 'मोर जल मोर माटी' प्रोजेक्ट अपने समुदाय कल्याण और सतत आजीविका के प्रति प्रतिबद्धता का उत्कृष्ट उदाहरण है। इस परियोजना ने जल प्रबंधन में सुधार और नवाचारी खेती के तरीकों को अपनाकर किसानों को पूरे वर्ष भर आय अर्जित करने में सक्षम बनाया है। इस कार्यक्रम के माध्यम से बालको ने 107 जल संरचनाओं का निर्माण किया, जिससे 1,06,061 क्यूबिक मीटर की कुल जल भंडारण क्षमता उत्पन्न हुई। जिन किसानों ने आधुनिक तकनीकों को अपनाया है, उनकी उत्पादकता में 1.4 गुना और आय में 50% की वृद्धि हुई है। अब तक, इस परियोजना से 4,749 किसानों को लाभ पहुँचा है, जो 32 गाँवों में 1,800 एकड़ भूमि को सिंचाई के लिए सुरक्षित करके 85त्न खेती करने वाले परिवारों की जरूरतों को पूरा करती है।

एक अन्य प्रेरणादायक सफलता की कहानी बुंदेली गांव के एक किसान तुलसी मांझवार की है। वे आय की सीमितता के चलते काफी परेशान थे। बालको के मार्गदर्शन में उन्होंने लाख की खेती की ओर रुख किया। परिणामस्वरूप, उनके खेत में 130 किलो लाख का उत्पादन हुआ और उन्होंने 65,000 रुपए की अतिरिक्त आय अर्जित की। यह मार्गदर्शन उनके परिवार की आजीविका में उल्लेखनीय सुधार करने में अहम कारक साबित हुआ। यह पहल ग्रामीण समुदायों में स्थिरता और समृद्धि को बढ़ावा देने में बालको की भूमिका को दर्शाती है।

प्रोजेक्ट उन्नति महिलाओं को सशक्त बनाने पर केंद्रित है। इसके माध्यम से उन्हें एसएचजी में शामिल किया जाता है, और उनकी क्षमताओं और कौशल को निखारा जाता है, ताकि वे उद्यमिता एवं स्थायी आजीविका के लिए तैयार हो सकें। इस परियोजना के तहत 531 स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) में 5,741 महिलाओं को सशक्त किया गया और 2,087 महिलाओं को आर्थिक रूप से शामिल किया गया, जिन्होंने मिलकर 12 लाख रुपए की बचत करने में योगदान दिया। परियोजना ने 7 माइक्रो एंटरप्राइजेस के तहत 1,400 महिलाओं को प्रशिक्षित किया और 44 उत्पादों को प्रस्तुत करते हुए 10 लाख रुपए का राजस्व उत्पन्न किया।

अपनी सामाजिक प्रभाव शाखा के माध्यम से, वेदांता भारत की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित करने के लिए भी प्रतिबद्ध है और स्वदेशी कारीगरों को सशक्त बना रहा है। दिल्ली हाट में वेदांता संस्कृति महोत्सव में बालको के प्रोजेक्ट उन्नति की महिलाओं को उनके उत्पादों को प्रदर्शित और बिक्री का अवसर मिला, जिसके परिणामस्वरूप उनकी पहुँच छत्तीसगढ़ राज्य से बाहर भी विस्तारित हुई।

अनिल अग्रवाल फाउंडेशन की प्रमुख महिला और बाल परियोजना %नंद घर% के तहत 14 राज्यों में आरंभ से अब तक 6,044 आधुनिक आंगनवाड़ी केंद्र स्थापित किए गए हैं, जिसमें छत्तीसगढ़ में बालको द्वारा संचालित 262 केंद्र शामिल हैं। ये नंद घर भारत भर में 2,38,161 बच्चों और 1,78,620 महिलाओं को प्रारंभिक बाल शिक्षा, पोषण, स्वास्थ्य सेवाएँ और महिलाओं के लिए कौशल विकास जैसी महत्वपूर्ण सेवाएँ प्रदान कर रहे हैं।

वेदांता लिमिटेड खनिज, ऊर्जा और तकनीक के क्षेत्र में दुनिया की अग्रणी कंपनियों में से एक है। यह अपनी 19 सहायक सब्सिडियरी के माध्यम से भारत के विभिन्न राज्यों में अपना सामाजिक प्रभाव स्थापित कर रही है। कंपनी ने 5 वर्षों में अपने सीएसआर पहलों को और बेहतर करने के लिए 5,000 करोड़ रुपए का निवेश करने का संकल्प लिया है, ताकि एक सतत और समावेशी भविष्य का निर्माण किया जा सके।

आफ की सामाजिक पहलों से जुड़े प्रमुख आँकड़े (वित्त वर्ष 2023-24)ः

- 437 करोड़ रुपए का निवेश भारत में 153 सामाजिक परियोजनाओं में किया गया
- 1,200 से अधिक गाँवों में 1.73 करोड़ लोगों को लाभ पहुँचाया
- 6,044 नंद घरों के माध्यम से 238,161 बच्चों और 178,620 महिलाओं का सहयोग किया गया
- पशु कल्याण परियोजनाओं से 1.48 लाख पशुओं को लाभ मिला
- 140 से अधिक महिला फुटबॉलर्स की सफलता में योगदान दिया; 13वीं ऑल इंडिया कराटे चैंपियनशिप 2024 में 11 राष्ट्रीय स्तर के पदक जीते
- स्वास्थ्य पहलों के जरिए 17 लाख लोगों को सहायता प्रदान की गई
- सामुदायिक बुनियादी संरचना को सुधारकर 5.22 लाख लोगों के जीवन को बेहतर बनाया

छत्तीसगढ़ राज्य में वेदांता के बालको और बालको मेडिकल सेंटर के प्रमुख योगदानः

- बालको ने विभिन्न सामाजिक प्रभाव पहलों के माध्यम से 1,69,056 लोगों को लाभ पहुँचाया
- बीएमसी ने अर्ली-ऑनसेट कोलोरेक्टल कैंसर पर शोध के लिए 25 मिलियन अमेरिकी डॉलर का प्रतिष्ठित कैंसर ग्रांड चैलेंजेस अनुदान प्राप्त किया
- बालको मेडिकल सेंटर के 77,025 प्रत्यक्ष लाभार्थी
- प्रोजेक्ट उन्नति के तहत 531 स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) में 5,741 महिलाओं को सशक्त किया गया और 2,087 महिलाओं को 1.2 करोड़ रुपए की संयुक्त बचत के साथ आर्थिक रूप से सशक्त किया गया
- मोर जल मोर माटी% परियोजना के तहत, जिन किसानों ने आधुनिक तकनीकों को अपनाया, उनकी उत्पादकता 1.4 गुना और आय में 50त्न का वृद्धि हुई
- वेदांता स्किल स्कूल के तहत 6 व्यवसायों में 1,241 युवाओं को प्रशिक्षण दिया गया, जिसमें से 81त्न ने रोजगार प्राप्त किया या फिर खुद का व्यवसाय शुरू किया
- बालको के प्रोजेक्ट आरोग्य के तहत 49,000 से अधिक लोगों को स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिला और 8,500 से अधिक लोगों को स्वास्थ्य शिविरों के माध्यम से सहायता मिली

आफ की पहल के बारे में अधिक जानकारी के लिए यहां जाएंः www.vedantalimited.com

किताब पढ़ने के लिएः https://heyzine.com/flip-book/xv~0307616.html

अनिल अग्रवाल फाउंडेशन के बारे में:-

अनिल अग्रवाल फाउंडेशन वेदांता की सामुदायिक और सामाजिक पहलों के लिए एक मुख्य संगठन है। यह संस्था स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास, पशु कल्याण प्रोजेक्ट्स तथा खेलों से जुड़ी पहलों पर काम करती है। अनिल अग्रवाल फाउंडेशन का लक्ष्य स्थायी और समावेशी विकास के जरिये समुदायों को सशक्त बनाना, लोगों के जीवन को बेहतर बनाना और राष्ट्र निर्माण में मदद करना है।

अधिक जानकारी के लिएः https://www.vedantalimited.com/eng/social_impact_csr.php

बालको खेलों को बढ़ावा देने के लिए सदैव रहा अग्रणी

भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) धातु उत्पादन के साथ, शुरूआत से ही जमीनी स्तर पर खेल को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन करता रहा है। औद्योगिक विकास के साथ ही खेल क्षेत्र में भी कंपनी का समृद्ध इतिहास रहा है। युवाओं को खेल से जोड़ने में कंपनी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। कंपनी के अंबेडकर स्टेडियम में स्थानीय समुदाय के युवा शुरू से विभिन्न खेल का अभ्यास करते रहे हैं। कर्मचारियों, स्कूल के बच्चों तथा समुदाय के युवाओं को खेल के प्रति प्रोत्साहित करने के लिए कंपनी समयांतराल पर अनेक खेलकूद प्रतियोगिताएं आयोजित करता है।

1974 में बालको लेडिज क्लब ने बच्चों के मानसिक एवं शारीरिक विकास के लिए खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन शुरू किया। बच्चों के साथ-साथ बड़ों के लिए भी क्लब ने 1976 में आउटडोर तथा इनडोर खेल का आयोजन शुरू किया। इसी साल अग्रदूत कमेटी द्वारा चाचा नेहरू के जन्मदिन पर त्रिटंगी (दो लोगों के पैरों को मिलाकर) खेल का आरंभ किया। लेडिज क्लब 1976 में ईंधन बचत के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए साईकिल रिक्शा रेस को आयोजन किया।

कंपनी ने 1976 में मिनी ओलंपिक का आयोजन शुरू हुआ जिसमें स्मेल्टर, एल्यूमिना, एडमिस्ट्रेशन, कंस्ट्रक्शन और सीआईएसएफ के टीम शामिल हुए। प्रत्येक वर्ष इन्हीं टीमों के बीच प्रतिस्पर्धा आयोजित होती थी। मिनी ओलंपिक में लांग जंप, हाई जंप, जेविलियन थ्रो, डिस्कस थ्रो, वेट लिफ्टिंग, स्लो साईकिल, शॉट पुट, रिले तथा 100 एवं 800 मीटर रेस को आयोजित किया। 26 जनवरी 1977 में बालको ने वार्षिक खेलकूद का आयोजन शुरू किया जिसमें फुटबॉल, बॉलीवॉल, कबड्डी एवं क्रिकेट शामिल थे। सभी विजेता टीमों को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। 1979 के वार्षिक खेल में बच्चों के लिए अर्थमेटिक रेस तथा 1982 में शीतकालीन स्पोर्ट्स इंवेट की शुरूआत की गई। 1986 में बालको क्लब ने राज्य स्तरीय टेबल टेनिस के साथ ही बालको ने वार्षिक खेल में महिलाओं एवं पुरुषों के लिए कैरम एवं चेस की शुरूआत भी की।

1979 में सीमेंट कॉपोरेशन ऑफ इंडिया की तरफ से अकलतरा में आयोजित वालीबॉल प्रतियोगिता में बालको की टीम रनरअप विजेता बनी। राष्ट्रीय ताप विद्युत निगम (एनटीपीसी) कोरबा द्वारा 1982 में आयोजित कबड्डी प्रतियोगिता में फाइनल जीतकर बालको टीम ने शील्ड अपने नाम किया। 1986 में छत्तीगढ़ राज्य स्तरीय

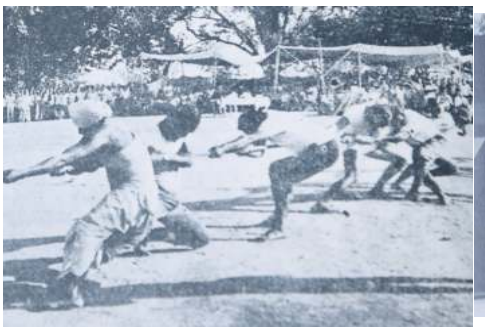

प्रतियोगिताएं नवागढ़, सलखन, जांजगीर एवं सक्ती में बालको विजयी सफलता हासिल की। 1982-83 में मध्य प्रदेश राज्य विद्युत मंडल (एमपीईबी), कोरबा एवं वेस्टन कोल फिल्ड द्वारा आयोजित क्रिकेट प्रतियोगिता में शामिल 23 टीमों के प्रतिस्पर्धा में बालको ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए उपविजेता के साथ मैन ऑफ द मैच, सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज एवं सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज के पुरस्कारों को अपने नाम किया। 1984 से केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) की 22 यूनिट (महाराष्ट्र, गुजरात, गोवा एवं मध्य प्रदेश इत्यादि) के लिए बालकोनगर में कुश्ती प्रतियोगिता तथा सभी यूनिट के लिए बालको द्वारा सामूहिक रूप से बड़ा खाना का आयोजन किया जाता था। कंपनी ने 1985 में गांधी जयंती के अवसर पर क्षेत्रीय फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया जिसमें हसदेव थर्मल पावर प्लांट, एनटीपीसी, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) सहित आठ टीमों ने भाग लिया था। इसी वर्ष हॉकी तथा क्रिकेट प्रतियोगिता में इंडो-बर्मा पेट्रोलियम कंपनी लिमिटेड, भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल) ने भी हिस्सा लिया।

कंपनी द्वारा 1989 में ग्रामीण खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन शुरू किया जिसमें वालीबॉल, कबड्डी, निशानेबाजी, उंची कूद, गोला फेंक, भाला फेंक, 200 मीटर सहित स्थानीय खेल त्रिटंगी, बोरा और मटका दौड़ सहित मेढ़क एवं फुगड़ी दौड़ शामिल थे। इसमें दोंदरो, भदरापारा और लालघाट सहित अन्य गाँवों ने हिस्सा लिया। विनिवेशीकरण के बाद कई वर्षों तक बालको के अंबेडकर स्टेडियम में अखिल भारतीय हॉकी प्रतियोगिता तथा 2013 में राज्य स्तरीय गर्ल्स जूनियर कबड्डी टूर्नामेंट का आयोजन किया। खेलों को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन तथा स्थानीय स्तर पर आयोजित केएल मेहता एवं उर्जा कप क्रिकेट टूर्नामेंट में हिस्सा भी लेता रहा है। कंपनी ने खेलों को बढ़ावा देने के लिए विभागीय, बालको प्रीमियर लीग (क्रिकेट), फुटबॉल एवं वॉलीबॉल टूर्नामेंट तथा बैडमिंटन का आयोजन करता है जिसमें कर्मचारी बढ़चढ़ के हिस्सा लेते हैं। स्थानीय समुदाय में बच्चो के बीच खेल को बढ़ावा देने के लिए कंपनी ने स्पोर्ट्स किट वितरण किया है।

राज्योत्सव पर विभागीय स्टालों का सांसद सरगुजा एवं विधायक द्वय ने किया निरीक्षण

शासन की विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को वितरित किए प्रमाण पत्र

जशपुरनगर। राज्योत्सव के मुख्य अतिथि सरगुजा सांसद श्री चिंतामणि महाराज ने रणजीता स्टेडियम में मंगलवार को आयोजित राज्योत्सव के दौरान शासकीय विभागों द्वारा लगाए गए स्टालों का अवलोकन किया और शासकीय योजनाओं से लाभान्वित हितग्राहियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए। इस अवसर पर सरगुजा विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष एवं पत्थलगांव विधायक श्रीमती गोमती साय एवं जशपुर विधायक श्रीमती रायमुनी भगत सहित जनप्रतिनिधियों एवं कलेक्टर श्री रोहित व्यास ने भी स्टालों का निरीक्षण किया। विभागीय स्टालों में शासकीय योजनाएं, कार्यक्रमों, एवं उपलब्धियों को प्रदर्शित किया गया था।

सांसद श्री चिंतामणि महाराज ने राष्ट्रीय आजीविका मिशन के तहत स्थानीय उत्पादों का निरीक्षण किया घोलेंगे के बने कार्पेट और स्थानीय उत्पादों को देखते हुए 10 लखपति दीदियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया। स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के तहत जागृति स्वसहायता समूह को उत्कृष्ट कार्य हेतु प्रमाण पत्र दिया गया। पीएम आवास योजना के तहत पीएम जनमन आवास योजना पुरना नगर के 3 हितग्राहियों को आवास

की चाभी तथा बालाछापर के 2 हितग्राहियों को आवास स्वीकृति पत्र प्रदान किया गया। इसके बाद अतिथियों ने जशप्योर ब्रांड के अंतर्गत स्थानीय निर्मित उत्पादों को देखा।

रेडक्रास सोसायटी के राज्य स्तरीय जूनियर जम्बूरी 2024 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 06 प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र, 10 हितग्राहियों को आयुष्मान कार्ड, 05 हितग्राहियों को सिकलसेल कार्ड, 05 हितग्राहियों को पीएम विश्वकर्मा योजना प्रमाण पत्र, 05

हितग्राहियों को प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के तहत सहायक योगा प्रशिक्षक का प्रमाण पत्र, 01 हितग्राही को पावर वीडर, 03 हितग्राहियों को केसीसी कार्ड, 03 हितग्राहियों को किसान समृद्धि योजनान्तर्गत अनुदान राशि, 03 हितग्राहियों को बीमा पॉलिसी कार्ड, 03 हितग्राहियों को मसूर मिनीकिट, 03 हितग्राहियों को स्वाइल हेल्थ कार्ड, 08 किसानों को उद्यानिकी विभाग द्वारा फसल बीज, 02 हितग्राहियों को मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल, 01-01 हितग्राहियों को स्मार्टफोन, श्रवण यंत्र, श्वेत छड़ी, वाकिंग स्टिक, व्हील चेयर, 20 हज़ार रुपयों का राष्ट्रीय परिवार सहायता योजना का चेक, 50 हज़ार रुपयों का चेज नि:शक्त विवाह प्रोत्साहन के तहत प्रदान किये गए।

महिला बाल विकास विभाग द्वारा छत्तीसगढ़ महिला कोष अंतर्गत दो समूहों को 50 हज़ार तथा 01 समूह को 01 लाख का ऋण राशि प्रदान किया गया। प्रधानमंत्री मातृवन्दना योजना हेतु 02 हितग्राहियों को प्रमाण पत्र, 02 हितग्राहियों को महतारी वंदन योजना का प्रमाण पत्र, मत्स्य विभाग की ओर से 04 हितग्राहियों को जाल एवं ग्रोथ प्रमोटर, 02 को आइस बॉक्स, पशुधन विभाग द्वारा 06 हितग्राहियों को राज्यपोषित डेयरी उद्यमिता विकास की ओर से 02 गाय, सुकरत्रयी योजना 05 हितग्राहियों को 02 नर एवं 01 मादा सुकर, 02 हितग्राहियों को नर बकरा वितरित किया गया। राजस्व विभाग से 02 हितग्राहियों को जाति प्रमाण पत्र एवं 02 हितग्राहियों को निवास प्रमाण पत्र एवं 01 हितग्राही को आय प्रमाण पत्र दिया गया। नगरीय प्रशासन की ओर से 03 हितग्राहियों को पीएम आवास के तहत कार्य पूर्णता प्रमाण पत्र, 01 हितग्राही को पीएम स्वनिधि के तहत प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। इसके साथ ही आयुष विभाग एवं स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा लोगों की स्वास्थ्य जांच की गई एवं दवाइयों का वितरण भी किया गया। आयुष विभाग द्वारा पारम्परिक चिकित्सा पद्धति का प्रदर्शन किया गया।

राज्योत्सव में सांस्कृतिक कार्यक्रमों में जमकर झूमी जशपुर की जनता

सादरी और कुडुख गानों ने लोगों को नाचने पर किया मजबूर

जशपुरनगर। राज्योत्सव के अवसर पर जशपुर जिला मुख्यालय के रणजीता स्टेडियम में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिसके तहत वंशिका रजक एवं विभा रजक ने मनोरंजक गीतों से समा बांधा, वहीं पीएम श्री उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कुनकुरी तथा शासकीय दृष्टिबाधितार्थ विशेष विद्यालय जशपुर के नेत्रहीन दिव्यांग बच्चों ने सामूहिक गायन का प्रदर्शन किया। इसके साथ ही केन्द्रीय विद्यालय की परिधि गुप्ता ने शास्त्रीय नृत्य कत्थक एवं माध्यमिक शाला साईंटांगरटोली की शाहीन परवीन ने गीत गाया, कांसाबेल टाटीडांड के दल ने पारम्परिक करमा नृत्य का प्रदर्शन किया। इसके अतिरिक्त पी एम श्री उच्चतर माध्यमिक

विद्यालय पत्थलगाँव, पी एम श्री उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कोतबा, डी पी एस जशपुर, पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय के द्वारा भी आकर्षक प्रस्तुति दी गयी। इस अवसर पर जशपुर के स्थानीय झंकार दल की मनमोहक एवं आकर्षक नृत्य के साथ गायन का प्रदर्शन कर सभी को मन्त्रमुग्ध कर दिया। स्वप्निल एंड बैंड के द्वारा सादरी, कुडुख, हिंदी, छत्तीसगढ़ी गीतों के द्वारा दर्शकों के मन को छूकर नाचने को मजबूर कर दिया। जशपुर के लोगों ने सभी गानों पर जम कर डांस किया।

राज्योत्सव कार्यक्रम का हुआ शुभारंभ

जशपुरनगर। मुख्य अतिथि सरगुजा सांसद श्री चिंतामणि महाराज ने मां सरस्वती, भारत माता की छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना कर राज्योत्सव का शुभारंभ किया। इस अवसर पर जशपुर सरगुजा विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष एवं पत्थलगांव विधायक श्रीमती गोमती साय, जशपुर विधायक श्रीमती रायमुनी भगत, राज्य महिला आयोग की सदस्य श्रीमती प्रियंवदा सिंह जूदेव, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती शांति भगत, नगर पालिका अध्यक्ष श्री राधेश्याम राम, कलेक्टर श्री रोहित व्यास सहित जनप्रतिनिधिगण उपस्थित थे।

सरगुजा कमिश्नर जे आर चुरेंद्र ने बगीचा के धान खरीदी केंद्र का किया आकस्मिक निरीक्षण

खरीदी केंद्र में किसानों के लिए सारी व्यवस्था सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

जशपुरनगर। सरगुजा कमिश्नर श्री गोविंद राम चुरेंद्र ने विगत दिवस जशपुर जिले के बगीचा विकासखंड का आकस्मिक निरीक्षण किया और जनपद कार्यालय के सभा कक्ष में विकास खंड अधिकारियों की धान खरीदी के संबंध में बैठक ली। इस अवसर पर श्री ए के तिर्की सहायक पंजीयक, ए के आजाद , नोडल अधिकारी अपेक्स बैंक जशपुर जनपद सीईओ, खाद्य निरीक्षक बगीचा परियोजना अधिकारी महिला एवं बाल एवं अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

सरगुजा कमिश्नर ने धान खरीदी केंद्र में सारी व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए

हैं। खरीदी केंद्र में काटा बांट, कम्प्यूटर आपरेटर , तराजू बाट और किसानों के लिए छाया पानी, पेयजल की व्यवस्था करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने अवैध धान को रोकने के लिए टीम गठित करने के लिए कहा और कोचिया बिचौलिए की जानकारी मिलने पर तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। सरगुजा कमिश्नर ने धान खरीदी केन्द्र बगिचा में सारी व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। सरगुजा कमिश्नर ने कहा कि 14 नवंबर से धान खरीद शुरू होने वाला है। उन्होंने जिले के लघु और सीमांत किसानों से भी प्राथमिकता से खरीदी करने के निर्देश दिए हैं।

शासन की सभी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाएं- सांसद श्री राधेश्याम राठिया

जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति दिशा की पहली बैठक संपन्न

जशपुरनगर। रायगढ़ लोकसभा सांसद श्री राधेश्याम राठिया की अध्यक्षता में विगत दिवस जिला पंचायत के सभाकक्ष में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति दिशा की पहली बैठक आयोजित की गई। सांसद श्री राठिया ने बैठक में सम्बोधित करते हुए कहा कि जशपुर प्राकृतिक रूप से सौन्दर्य जिला है। वन संपदा भी भरपूर मात्रा में पाया जाता है। यहां के किसानों और स्व सहायता समूहों के द्वारा तैयार उत्पादों को बढ़ावा दिया जा रहा है। इससे उनको अच्छा लाभ मिल रहा है। मार्केटिंग बेहतर करके किसानों को ओर अधिक मुनाफा देने की बात कही। उन्होंने जल संरक्षण संवर्धन के लिए चेक डेम एनीकेट, बनाने के लिए कार्य योजना बनाने के निर्देश दिए हैं। केन्द्रीय शासन और राज्य शासन की योजनाओं का लाभ हर व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए कहा है।

इस अवसर पर सरगुजा क्षेत्र विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष एवं पत्थलगांव विधायक श्रीमती गोमती साय, जशपुर विधायक श्रीमती रायमुनी भगत, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती श्रीमती शांति भगत, नगर पालिका अध्यक्ष श्री राधेश्याम भगत, कलेक्टर श्री रोहित व्यास, पुलिस अधीक्षक श्री शशि मोहन सिंह, जिला पंचायत सीईओ श्री अभिषेक कुमार सहित सभी जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे। विधायक श्रीमती गोमती साय ने अपने उद्बोधन में कहा कि जशपुर के विकास के लिए सबको मिलकर कार्य करना होगा और शासकीय योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन करके लोगों तक सभी योजनाओं को पहुंचाना है।

जशपुर विधायक श्रीमती रायमुनी भगत ने रबी की फसल लेने के किसानों को सही समय पर खाद बीज उपलब्ध कराने के लिए कहा और प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, जल जीवन मिशन के कार्य और जल संरक्षण संवर्धन के कार्य को तेज गति से और गुणवत्ता के साथ करने के लिए कहा। कलेक्टर ने बैठक में बताया कि मनरेगा के तहत 42 लाख मानव दिवस कार्य का लक्ष्य दिया गया है। उसमें से 31 लाख का लक्ष्य पूरा कर लिया गया है। ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत स्व सहायता समूह की महिलाओं को विभिन्न रोजगार मूलक गतिविधियों से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है।

समाज कल्याण विभाग के अंतर्गत संचालित योजना के तहत वृद्धा पेंशन, विधवा पेंशन, दिव्यांग पेंशन, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, सुखद सहारा पेंशन योजना से लाभान्वित किया जा रहा है। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण तहत के तहत 61 हजार 784 कार्य स्वीकृत किया गया है। उनमें से 58 हजार 328 कार्य पूर्ण कर लिया गया है। जल जीवन मिशन के तहत 1 लाख 99 हजार 940 कार्य स्वीकृत किया गया है। उनमें लगभग 1 लाख 47 हजार कार्य पूर्ण किया गया है। शिक्षा विभाग के अंतर्गत प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालय में 2 हजार 298 स्कूलों के लगभग 1 लाख से अधिक विद्यार्थियों को मध्यान्ह भोजन का लाभ दिया जा रहा है। बैठक में विभिन्न योजनाओं की जानकारी विस्तार से दी गई।

सफलता की कहानी

मुख्यमंत्री ने गरीबों को उनके सपने पूरे करने का दिया अवसर-शांति बाई

प्रधानमंत्री आवास योजना से छेरडांड़ के शांति का सपना हुआ पूरा,अब पक्के मकान में भयमुक्त होकर परिवार के साथ कर रहे जीवनयापन

जशपुरनगर। प्रधानमंत्री आवास योजना से गांव की झोपड़ी में रहने वाले अनेक परिवारों का पक्के मकान का सपना पूरा हो रहा है। राज्य में शासन की योजनाओं का लाभ सभी पात्र हितग्राहियों को मिले और लोगों की सपने पूरे हो इस आशा से मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव के दिशा-निर्देशन में शत् प्रतिशत प्रधानमंत्री आवास उपलब्ध कराने के लिए जिला प्रशासन द्वारा सार्थक पहला किया जा रहा है। ऐसी कहानी है दुलदुला विकासखण्ड के ग्राम पंचायत छेरडांड़ निवास शांति बाई की। जिनके सपनों का महल प्रधानमंत्री आवास योजना से बना है। अब शांति बाई और उनका परिवार पक्के मकान में आराम से रहते है। शांति बाई ने राज्य शासन का आभार व्यक्त करते हुए कहा है कि मुख्यमंत्री ने गरीबों को उनके सपने पूरे करने का अवसर दिया। आज उन्ही के कारण हमारे पास अपना पक्का मकान है।

शांति बाई की कहानी उनकी जुबानी

शांति बाई ने बताया कि मेरे पति मजदूरी करते है। बचपन से ही शांति बाई ने गरीबी को देखा है। उनका पूरा परिवार कच्चे मकान में रहता है। मनरेगा के तहत ग्राम

पंचायत में किये जा रहे कार्यों में मजदूरी करके अपने परिवार का भरण पोषण करते थे। उन्होंने कहा कि गरीबी के कारण हम लोग अपना स्वयं का मकान नहीं बनवा सके तथा सदैव यह सपना होता था कि हमारा भी एक पक्का मकान हो जिसमें हम अपने परिवार के साथ रह सके। परंतु आर्थिक तंगी के चलते वह सपना पूर्ण नहीं हो पा रहा था। अंदर से मन खिन्न हो चला था उसी समय कुछ लोगों ने हमें बताया कि प्रधानमंत्री ने गरीब असहाय लोगों के लिए घर बनवाने की एक योजना चलाई है, जिसके द्वारा गरीब असहाय लोगों के अपने पक्के घर का सपना साकार हो रहा है। मुझे इसका विश्वास न हुआ परंतु प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण योजना अंतर्गत आवास स्वीकृत हुआ और आज हमारा पक्का बना गया।

शांति बाई ने बताया कि पक्के मकान नहीं होने से पहले झोपड़ी में जिंदगी गुजर रही थी। धूप, बरसात और कीड़े, जानवरों के डर के साये में जिना पड़ता था। छप्पर झोपड़ी की जिंदगी से परेशान थे। नातेदार रिश्तेदार के सामने भी बेइज्जती होती थी। परंतु मजबूरी से सब कुछ सहन करना पड़ता था। बरसात में तो खाना बनाने और रात में सोने में बहुत कठिनाई होती थी। परंतु अपनी गरीबी पर रोते थे जब उन्हें पता चला कि उनका नाम भी आवास सूची में है और प्रधानमंत्री आवास आबंटित हुआ उनका सपना पूरा होता नजर आया। जिसे वे बड़ी लगन व मेहनत से बना कर तैयार किया। वर्तमान में आवास बनकर तैयार हो गया है। उन्होंने बताया कि वे निर्धन व मजदूरी पेशा होने के चलते कभी सोच भी नहीं सकते थे कि इतना सुंदर घर अपने जीवन में बना पाएगे।

छत्तीसगढ़ राज्य के विकास में सरगुजा का हो अभूतपूर्व योगदान - कैबिनेट मंत्री श्री रामविचार नेताम

जिला स्तरीय कार्यक्रम में दिखी लोक संस्कृति की झलक, स्थानीय एवं आमंत्रित कलाकारों की शानदार प्रस्तुतियों से सजी संध्या

अम्बिकापुर। राज्योत्सव 2024 के जिला स्तरीय समारोह का रंगारंग आयोजन अम्बिकापुर के कलाकेंद्र मैदान में हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत कार्यक्रम के मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ शासन के आदिम जाति विकास, अनुसूचित जाति विकास, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विकास, कृषि विकास एवं किसान कल्याण मंत्री श्री रामविचार नेताम ने छत्तीसगढ़ महतारी के छायाचित्र पर दीप प्रज्ज्वलन कर किया। श्री नेताम ने राज्योत्सव के गरिमामय आयोजन में शामिल होकर सभी को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि तत्कालीन प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी एवं गृह मंत्री श्री लालकृष्ण आडवाणी के प्रयास से यह छत्तीसगढ़ राज्य अस्तित्व में आया है। नक्सल आतंक को पछाड़ कर आज छत्तीसगढ़ के विकास के मॉडल के रूप में उभरा है। परिवर्तन के दौर में हमें अवसर मिला है और हमने विकास के मॉडल को पूरा किया है। गरीबों को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत स्वयं का आवास, महतारी वंदन योजना के तहत माताओं को प्रतिमाह 1000 रुपए दिए जा रहे हैं। मोदी की गारंटी पूरी हुई है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में शासकीय योजनाओं के तहत लोगों को लाभान्वित किया जा रहा है। आज सरगुजा में दरिमा एयरपोर्ट शुरू हो गया है, उड़ान सेवा भी जल्द शुरू होगी। उन्होंने कहा कि हम सब मिलकर सरगुजा जिले को विकसित जिला बनाएंगे। विकसित छत्तीसगढ़ में सरगुजा सम्भाग का अधिक योगदान हो, यही हमारा प्रयास रहेगा। इस अवसर पर विधायक अंबिकापुर श्री राजेश अग्रवाल, विधायक सीतापुर श्री रामकुमार टोप्पो, छत्तीसगढ़ राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष श्री विश्वविजय सिंह तोमर ने भी राज्य स्थापना और राज्योत्सव कार्यक्रम की जिले वासियों बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

राज्योत्सव में मुख्य अतिथि श्री नेताम द्वारा हितग्राही मूलक सामग्रियों का वितरण-

राज्योत्सव में मुख्य अतिथि श्री रामविचार नेताम ने समस्त स्टालों का अवलोकन किया और हितग्राहियों को हितग्राही मूलक सामग्रियां प्रदान की। उन्होंने मत्स्य पालन विभाग द्वारा 2-2 हितग्राहियों को जाल एवं आइस बॉक्स, कृषि विभाग द्वारा 6 हितग्राहियों को विद्युत पम्प 10 हितग्राहियों को मसूर वितरण, 35 हितग्राहियों को किसान क्रेडिट कार्ड का वितरण किया गया, उद्यान विभाग द्वारा 10 हितग्राहियों को पॉवर स्प्रेयर, स्वास्थ्य विभाग द्वारा 03 हितग्राहियों को आयुष्मान भारत कार्ड, पशुधन विकास विभाग द्वारा राज्य डेयरी उद्यमिता विकास योजनान्तर्गत 02 हितग्राहियों को चेक वितरण किया गया। इसके साथ ही श्रम विभाग की ओर से 139 हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया।

राज्योत्सव कार्यक्रम के अवसर पर हमर पारा तुंहर पारा फेम छत्तीसगढ़ी लोक गायक श्री सुनील मानिकपुरी द्वारा लोकगीतों की प्रस्तुति दी जा रही है। वहीं गायिका हिमांगी त्रिपाठी, गायक राहुल मण्डल, प्रियांशु मिश्रा, गायिका शताक्षी वर्मा भी अपनी प्रस्तुतियां दे रहे हैं। इसके साथ ही नीरा यादव एवं सृष्टि भदौरिया द्वारा शास्त्रीय नृत्य, रामदल द्वारा शैला नृत्य, रिदम बैण्ड द्वारा प्रस्तुति, गौरव एण्ड टीम द्वारा आर्केस्ट्रा की प्रस्तुति भी दी जा रही है। राज्योत्सव में लोकगीतों, लोकनृत्यों की सुंदर प्रस्तुतियों में लोक संस्कृति की झलक देखने मिली। विद्यालय-महाविद्यालय के छात्र- छात्राओं की थीम आधारित प्रस्तुतियों ने खूब तालियां बटोरीं। इसके साथ ही स्थानीय एवं आमंत्रित कलाकारों की शानदार प्रस्तुतियों से राज्योत्सव की शाम गुलजार रही।

राज्योत्सव में मुख्य अतिथि श्री नेताम द्वारा हितग्राही मूलक सामग्रियों का वितरण, विभिन्न विभागों के लगे स्टॉल, जीवंत मॉडल रहे आकर्षण का केंद्र

विभिन्न विभागों के लगे स्टॉल, जीवंत मॉडल रहे आकर्षण का केंद्र

राज्योत्सव के जिला स्तरीय कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के स्टॉल लगाए गए। यहां लोगों को विभागीय योजनाओं के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी दी गई। वहीं शासकीय योजनाओं पर जीवंत मॉडल आकर्षण का केंद्र रहे। इस दौरान जिला पंचायत के स्टॉल में प्रधानमंत्री आवास योजना का मॉडल प्रस्तुत किया गया, साथ ही बिहान की दीदियों द्वारा बनाई गई वस्तुएं प्रदर्शित की गई। उद्यानिकी विभाग द्वारा धान की बालियों से निर्मित आकर्षक छत्तीसगढ़ का नक्शा बनाया गया। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के स्टॉल में जल जीवन मिशन योजना की जीवंत प्रदर्शनी लगाई गई। जिला जेल के स्टॉल में बंदी कलाकारों द्वारा निर्मित विविध सामग्रियों की खूब बिक्री हुई। इस अवसर पर सरगुजा संभागायुक्त श्री जीआर चुरेंद्र, आईजी श्री अंकित गर्ग, कलेक्टर श्री विलास भोसकर, पुलिस अधीक्षक श्री योगेश पटेल, सीईओ जिला पंचायत श्री नूतन कंवर, सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं जिला स्तरीय अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में आम नागरिक उपस्थित रहे।

धरती आबा बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर जिला स्तरीय जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम का शानदार आयोजन

मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने लोक नृत्य दलों के साथ मिलाए कदम से कदम, मांदर पर थाप दी विधायक एवं कलेक्टर ने, सभी झूमे खुशी से

अम्बिकापुर। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, आदिवासी जननायक, धरती आबा बिरसा मुण्डा की जयंती के अवसर पर पूरे देश और प्रदेश में जनजातीय गौरव दिवस मनाया जा रहा है। इसी क्रम में सरगुजा जिले में भी पीजी कॉलेज ऑडिटोरियम में जनजातीय गौरव दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा बिहार राज्य के जमुई से वर्चुअली जुड़कर देशवासियों को संबोधित किया गया। उन्होंने बिरसा मुंडा के स्वतंत्रता संग्राम में निभाई गई ऐतिहासिक भूमिका और उनकी प्रेरणादायक विरासत का उल्लेख किया और धरती आबा बिरसा मुंडा के सम्मान में एक स्मारक सिक्का और डाक टिकट भी जारी किया। जिले में महिला एवं बाल विकास विभाग तथा समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के मुख्य आतिथ्य में जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिले की आदिवासी संस्कृति का सुंदर नजारा देखने को मिला जब लोक नृत्य दलों के साथ मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने भी कदम से कदम मिलाए और खुशी जाहिर की। वहीं विधायक श्री प्रबोध मिंज एवं कलेक्टर श्री विलास भोसकर भी मांदर पर थाप देते हुए झूम उठे। कार्यक्रम में स्कूली छात्र छात्राओं द्वारा असमिया लोक नृत्य बिहू, सहित छत्तीसगढ़ के आदिवासी लोक नृत्यों पर प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने जनजातीय गौरव दिवस की शुभकामनाएं देते हुए धरती आबा बिरसा मुंडा को नमन किया। उन्होंने कहा कि बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती को पूरे देश में जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का विशेष लगाव आदिवासी समाज के साथ है। इसी क्रम में बीते दिनों जशपुर जिले में वृहद पदयात्रा कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया। उन्होंने कहा कि प्रदेश के इतिहास में आदिवासी विभूतियों का अतुलनीय योगदान रहा है। आदिवासी समाज अपनी शालीनता और साहस के लिए जाना जाता है। हमें इस पहचान को बनाए रखना होगा। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में जनजातीय ग्राम उत्कर्ष जैसी क्रांतिकारी योजना से ग्रामीण क्षेत्रों में विकास कार्य द्रुत गति से हो रहे हैं। प्रधानमंत्री ने आदिवासी समाज को मुख्यधारा से जोड़ने विभिन्न योजनाएं बनाई हैं। जिसमें पीएम जनमन भी शामिल है। केंद्र एवं राज्य सरकार का समन्वित प्रयास है कि माताएं एवं बहनें आत्मनिर्भर बने और उन्हें सम्मान और सुरक्षा मिले। शासन का प्रयास है कि आदिवासी समाज की संस्कृति और मूल्यों का संरक्षण किया जा सके। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के मार्गदर्शन में जनजातीय समाज के कल्याण के लिए निरंतर कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने इस अवसर पर सरगुजा क्षेत्र में आदिवासी समाज के हित में

महत्वपूर्ण योगदान हेतु माता राजमोहिनी देवी एवं संत गाहिरा गुरु का विशेष स्मरण करते हुए नमन किया।

विधायक लुण्ड्रा श्री प्रबोध मिंज ने इस अवसर पर सभी को जनजातीय गौरव दिवस की बधाई दी और बिरसा मुंडा की जयंती पर उन्हें नमन किया। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में पूरे प्रदेश में जनजातीय गौरव दिवस मनाया जा रहा है।प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में भारत देश सभी क्षेत्रों में विकास की और बढ़ा रहा है। 2047 में जब आजादी के सौ साल पूरे होंगे, शासन का लक्ष्य विकसित भारत बनाना है। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए आदिवासी समाज को आगे आना होगा। केंद्र एवं राज्य शासन द्वारा निरन्तर आदिवासी समाज के विकास और प्रगति हेतु योजनाओं के माध्यम से उन्हें मुख्यधारा से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। इन योजनाओं का लाभ उठाएं और विकसित भारत बनाने में अपना सहयोग करें कार्यक्रम में पूर्व सांसद श्री कमल भान सिंह और जनजातीय प्रमुख श्री रामलखन पैंकरा ने भी सभी को मंच से जनजातीय गौरव दिवस की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर सरगुजा संभागायुक्त श्री जीआर चुरेंद्र, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती मधु सिंह, जिला पंचायत सदस्य श्री राकेश गुप्ता, स्थानीय जनप्रतिनिधि श्री आलोक दुबे, श्री ललन प्रताप सिंह, श्री करता राम गुप्ता एवं वरिष्ठ नागरिक गण सहित बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे। इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्री सुनील नायक ने कार्यक्रम का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।

विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले जनजातीय समाज प्रमुखों, कलाकारों और खिलाड़ियों को किया गया सम्मानित, विभागीय स्टॉल हितग्राहियों को किया गया सामग्री वितरण

प्रदेश के इतिहास में जनजातीय समाज का योगदान अतुलनीय, जनजातीय समाज की प्रगति हेतु काम कर रही सरकार – कैबिनेट मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े

विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले जनजातीय समाज प्रमुखों, कलाकारों और खिलाड़ियों को किया गया सम्मानित, विभागीय स्टॉल, हितग्राहियों को किया गया सामग्री वितरण

जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाए गए जिनका मुख्य अतिथि श्रीमती राजवाड़े द्वारा अवलोकन किया गया। इस दौरान उन्होंने विभागीय अधिकारियों से योजनाओं और कार्यक्रमों पर जानकारी भी ली। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले जनजातीय समाज प्रमुखों, कलाकारों और खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। जिसमें गोंड समाज के संभागीय सचिव श्री अनुज प्रताप सिंह टेकाम को सम्मानित किया गया। उदयपुर के ग्राम रिखी से तमुरा वादक श्री गुरू सिंह एवं नन्दलाल, साकुरा साईंस एक्सचेंज जापान में भारत का प्रतिनिधित्व और नेशनल क्रासबो शूटिंग, दिल्ली में तृतीय स्थान प्राप्त कर ब्रांज मेडल हासिल करने वाली लखनपुर की छात्रा सावित्री सिंह, अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ड्राप रो बॉल में प्रथम स्थान विजेता सुश्री प्रियंका पैंकरा, राष्ट्रीय वॉलीवाल प्रतियोगिता में सम्मिलित आरूची भगत, राष्ट्रीय ताइक्वांडो, जयपुर राजस्थान में उत्कृष्ट प्रदर्शन वाली कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय लखनपुर की छात्रा संगीता और राष्ट्रीय क्रास बो शूटिंग, दिल्ली में ब्रॉन्ज मेडल

शिक्षा हो या स्वास्थ्य, हर क्षेत्र में नई बुलंदियों को छू रहा है छत्तीसगढ़- मंत्री श्रीमती राजवाड़े

छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस पर हुआ एक दिवसीय राज्योत्सव कार्यक्रम का आयोजन

बलरामपुर। राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर जिला मुख्यालय के शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बलरामपुर के खेल मैदान में आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश की महिला एवं बाल विकास विभाग तथा समाज कल्याण विभाग व जिले की प्रभारी मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े शामिल हुईं। इस दौरान करमा नृत्य से उनका भव्य स्वागत किया गया। तत्पश्चात् मुख्य मंच पर मंत्री ने सरस्वती माता एवं छत्तीसगढ़ महतारी के छाया चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर सामरी विधायक श्रीमती उद्देश्वरी पैंकरा, पिछड़ा आयोग सदस्य श्री कृष्णा गुप्ता, जनपद अध्यक्ष श्री विनय पैंकरा, जनपद उपाध्यक्ष श्री भानुप्रकाश दीक्षित, कलेक्टर श्री रिमिजियुस एक्का, पुलिस अधीक्षक श्री बैंकर वैभव रमनलाल, जिला पंचायत सीईओ श्रीमती रेना जमील, गणमान्य नागरिक श्री ओमप्रकाश जायसवाल, श्री गोपाल मिश्रा, श्री दीनानाथ यादव, श्री दिलीप सोनी सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण मौजूद रहे।

महिला बाल विकास विभाग मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित कर राज्य स्थापना दिवस की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि आज छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस मनाया जा रहा है। राज्य बने हुए 24 वर्ष पूर्ण हो चुके हैं। और छत्तीसगढ़ में हर क्षेत्र में विकास देखने को मिल रहा है। शिक्षा हो या स्वास्थ्य हर क्षेत्र में नई बुलंदियां छू रहा है। उन्होंने कहा कि जिस तरह से छत्तीसगढ़ आगे बढ़ रहा है और हमारे मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की सरकार में निरंतर विकास की पथ पर अग्रसर हो रहा है। डबल इंजन की सरकार वादे के अनुरूप कार्य कर सारे वादों को पूर्ण कर रही है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार हर वर्ग के लिए कार्य कर रही है। प्राथमिकता से किसान, महिलाएं हर जरूरतमंद परिवार को लाभान्वित किया जा रहा है। युवाओं को शिक्षा के साथ रोज़गार के अवसर उपलब्ध करा रही है। उन्होंने अपने उद्बोधन में नक्सल पीड़ित परिवारों को विकास की मुख्य धारा से जोड़ने के लिए चलाई जा रही नीतियाँ, अधोसंरचनाओं का निर्माण, हवाई कनेक्टिविटी इत्यादि

महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े हुईं शामिल

का भी उल्लेख किया। श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि हमारी सरकार ने खरीफ वर्ष 2023-24 में किसानों से रिकॉर्ड 145 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी की है, साथ ही उन्हें दो वर्षों का बकाया बोनस 03 हजार 716 करोड़ रुपये का भुगतान भी किया। महतारी वन्दन योजना के द्वारा 70 लाख महिलाओं को प्रतिमाह 1000 रुपये की सहायता प्रदान की जा रही है। उन्होंने कहा कि महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए 179 महतारी सदन के लिए 52 करोड़ 20 लाख की स्वीकृति दे दी गई है। साथ ही हमारी डबल इंजन की सरकार ने छत्तीसगढ़ के लिए 08 लाख 46 हजार 931 आवासों की स्वीकृति भी दे दी है। युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए राज्य में 07 हजार से अधिक पदों पर भर्ती की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। उन्होंने कहा कि वनवास काल के दौरान भगवान श्री राम ने जिन स्थानों पर प्रवास किया, उन्हें हमारी सरकार पर्यटन तीर्थ के रूप में संवार रही है। आने वाले समय में हमारी सरकार प्रदेश में पर्यटन का और विकास करेगी। पर्यटन के माध्यम से रोजगार के अवसरों का सृजन किया जाएगा। जिससे स्थानीय लोगों को भी आर्थिक लाभ होगा और उनका जीवन स्तर ऊँचा उठेगा।

सामरी विधायक श्रीमती उद्देश्वरी पैंकरा ने छत्तीसगढ़ राज्योत्सव पर बधाई देते हुए मध्यप्रदेश से छत्तीसगढ़ राज्य बनने के संदर्भ में संक्षिप्त जानकारी दी। अन्य जनप्रतिनिधियों ने भी इस अवसर पर छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस की बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं। कार्यक्रम के अंत में मुख्य अतिथि मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े को कलेक्टर ने स्मृति चिन्ह भेंट किया।

मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने हितग्राही मूलक योजनाओं के तहत 59 हितग्राहियों को किया सामग्री वितरण

राज्योत्सव में महिला बाल विकास तथा समाज कल्याण विभाग मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने विभिन्न योजनाओं के तहत हितग्राहियों को सामग्रियों का वितरण किया। जिसमें वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग द्वारा 05 हितग्राहियों को वन्यप्राणी क्षतिपूर्ति मुआवजा का भुगतान किया गया। इसी प्रकार स्वास्थ्य विभाग द्वारा 06 हितग्राहियों को आयुष्मान कार्ड, श्रम विभाग द्वारा 02 हितग्राहियों को असंगठित कर्मकार मृत्यु एवं दिव्यांग सहायता योजना, पशुधन विकास विभाग द्वारा विभिन्न योजना के तहत 03 हितग्राहियों को चेक, उद्यान विभाग द्वारा 05 हितग्राहियों को राष्ट्रीय बागवानी मिशन के तहत अनुदान प्रमाण पत्र, मत्स्य पालन विभाग द्वारा 05 हितग्राहियों को जाल एवं आइसबॉक्स, कृषि विभाग द्वारा 15 हितग्राहियों को राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन के तहत सरसों व मसूर बीज का वितरण, पंचायत ग्रामीण विकास विभाग द्वारा 06 हितग्राहियों को आवास, नगर पालिका परिषद बलरामपुर के द्वारा प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के तहत 02 हितग्राहियों को चेक तथा खाद्य विभाग द्वारो द्वारा 10 हितग्राहियों को राशनकार्ड का वितरण किया गया।

छत्तीसगढ़ राज्योत्सव-2024: एमसीबी में जीपीएम विधायक प्रणव मरपच्ची ने किया उद्घाटन

राज्योत्सव-2024 में विभिन्न विभागों के स्टॉल- सरकारी योजनाओं का लाभ मिला नागरिकों को

एमसीबी। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस (राज्योत्सव-2024) का शुभारंभ गौरेला- पेंड्रा- मरवाही विधायक श्री प्रणव मरपच्ची और अन्य जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में किया गया। इस दौरान श्री मरपच्ची ने विभिन्न विभागों के स्टॉल का निरीक्षण किया। यह स्टॉल नागरिकों को सरकारी योजनाओं का लाभ देने के उद्देश्य से लगाए गए थे, जिनमें श्री मरपच्ची ने आम नागरिकों को श्रमिक पंजीयन कार्ड, आयुष्मान कार्ड, मोटराइज्ड साइकिल, व्हीलचेयर, जाति प्रमाण पत्र, वन अधिकार पट्टा, स्वच्छता किट, मसूर और लौकी मिनीकिट, दिव्यांग छड़ी, चूजा वितरण, नोनी सुरक्षा प्रमाण पत्र, राशन कार्ड, आइस बॉक्स और जाल का वितरण किया ।

इस अवसर पर श्री मरपच्ची और अन्य जनप्रतिनिधियों ने दीप प्रज्वलन कर पूजा अर्चना की और राज्य गीत के साथ इस कार्यक्रम का परंपरागत तरीके से शुभारंभ किया। मुख्य अतिथि और अन्य सभी जनप्रतिनिधियों का स्वागत किया गया। स्कूली छात्राओं ने स्वागत गीत प्रस्तुत कर समारोह को और भी मनमोहक बना दिया। कलेक्टर श्री डी. राहुल वेंकट ने स्वागत भाषण में जिलेवासियों को राज्योत्सव की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य का गठन 1 नवंबर 2000 को हुआ और 9 सितंबर 2022 को कोरिया जिले से अलग होकर नया जिला मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर अस्तित्व में आया। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ ऐतिहासिकता के साथ विकसित हुआ है, और यहां के महान विभूतियों ने छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण के लिए अतुल्य योगदान दिया है। छत्तीसगढ़ राज्य की अस्मिता को संजोए रखने की जिम्मेदारी आज हम सभी पर है। श्री प्रणव मरपच्ची ने अपने उद्बोधन में मंच पर उपस्थित और समारोह में शामिल सभी नागरिकों को ष्भारत माताष् और ष्छत्तीसगढ़ महतारीष् के लिए जयकारा लगाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि राज्य का गठन माननीय स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेई जी के योगदान का परिणाम है। उन्होंने राजनीति से परे होकर छत्तीसगढ़वासियों की भावना को ध्यान में रखते हुए यह राज्य उपहार स्वरूप प्रदान किया। 2000 में जब

मध्यप्रदेश से छत्तीसगढ़ अलग हुआ, तब की तत्कालीन सरकार ने इस राज्य की आधारशिला रखी। इस संदर्भ में उन्होंने डॉ. रमन सिंह के नेतृत्व में पिछले 15 वर्षों में हुए विकास कार्यों को भी सराहा।

अपने भाषण में उन्होंने छत्तीसगढ़ में वर्तमान मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की सरकार के कार्यों की भी सराहना की। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार 70 लाख महिलाओं को

विधायक प्रणव मरपच्ची ने नागरिकों को बांटे श्रमिक कार्ड, आयुष्मान कार्ड और अन्य सुविधाएं

कलेक्टर डी. राहुल वेंकट ने राज्य निर्माण की ऐतिहासिकता पर दिया संदेश

सहायता प्रदान कर रही है, प्रति क्विंटल धान के लिए 3100 रुपये का भुगतान कर रही है, और 18 लाख आवास बनाने का कार्य भी कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य में धन का सही तरीके से आवंटन हो रहा है और छत्तीसगढ़ की जनता सरकार के कार्यों से संतुष्ट है। श्री अनिल केशरवानी ने भी सभा को संबोधित करते हुए अटल बिहारी वाजपेई जी के योगदान की सराहना की और कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य की पहचान बनाने में उनकी भूमिका अहम रही। उन्होंने राज्य के वर्तमान नेतृत्व, जिसमें कृषि मंत्री रामविचार नेताम जैसे नेताओं का उल्लेख किया, जिनके निर्देशन में सरकार राज्य के विकास के लिए कार्य कर रही है। इस राज्योत्सव में विभिन्न विभागों ने अपने-अपने विभागीय योजनाओं के स्टॉल लगाए, जिनमें पंचायत एवं ग्रामीण विकास, आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास, स्कूल शिक्षा, कृषि, महिला एवं बाल विकास, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, समाज कल्याण, जिला अंत्यावसायी सहकारी समिति, मछली पालन, पशुपालन, आयुष, उद्यानिकी, नगरीय प्रशासन एवं विकास, श्रम और पुलिस विभाग के स्टॉल प्रमुख थे। जनसंपर्क विभाग द्वारा राज्य सरकार की योजनाओं से संबंधित बुकलेट का वितरण भी किया गया।

इस मौके पर विभिन्न स्कूलों के छात्रों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। उपस्थित जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों में जिला अध्यक्ष अनिल केशरवानी, रेणुका सिंह, पूर्व विधायक चंपा देवी पावले, श्रीमती सरोज यादव, राजकुमारी बैगा, धीरेन्द्र विश्वकर्मा, रजनीश पाण्डे, दृगपाल सिंह, रविशंकर सिंह, नगर निगम चिरमिरी और जनपद पंचायत मनेंद्रगढ़ के साथ कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक, अपर कलेक्टर, वन मंडल अधिकारी, परियोजना निदेशक, एसडीएम, जनपद सीईओ एवं अन्य जनप्रतिनिधि अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे ।

इस उत्सव से पिछड़ी जनजातियों को मुख्य धारा से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है–श्याम बिहारी

कुवांरपुर में मनाया गया जनजातिय गौरव दिवस सह जिला स्तरीय शिविर

एमसीबी। भगवान बिरसामुण्डा के 150वीं जयंती के अवसर पर आदिवासी सांस्कृतिक परंपराओं और भगवान बिरसा मुंडा के संघर्षों और स्मृतियों को संजोने के लिए आज जिले के भरतपुर विकासखंड के ग्राम पंचायत कुवांरपुर के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के प्रागंण में जनजातिय गौरव दिवस सह जिला स्तरीय शिविर का गरिमामयी एवं भव्य आयोजन किया गया।

इस अवसर पर देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने बिहार राज्य के जमुई से वर्चुअली जुड़कर देशवासियों को संबोधित किया। संबोधन को जिला एमसीबी के कुवांरपुर जनमानस ने प्रधानमंत्री का संदेश तन्मयतापूर्वक सुना। उन्होंने बिरसा मुण्डा के स्वतंत्रता संग्राम में निभाई गई ऐतिहासिक भूमिका और उनकी प्रेरणादायक विरासत का उल्लेख करते हुए कहा कि भगवान बिरसा मुण्डा आज भी हमारे समाज में एक आस्था का प्रतीक बने हुये है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भगवान बिरसा मुण्डा के सम्मान में एक स्मारक सिक्का और डाक टिकट भी जारी किया। साथ ही इस अवसर पर प्रधानमंत्री द्वारा 6,600 करोड़ रूपए से अधिक के विभिन्न विकास परियोजनाओं का शिलान्यास भी किया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्याम बिहारी जायसवाल सहित उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने छत्तीसगढ़ महतारी के छाया चित्र सहित भगवान बिरसा मुण्डा, गुण्डाधुर, वीर नारायण सिंह, वीर शहीद गोविंद सिंह, नंद सिंह नायक, रानी दुर्गा आदि की छायाचित्र पर माल्यार्पण कर तथा दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

मुख्य अतिथि ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा प्रधानमंत्री धरती आभा जनजाति ग्राम उत्कर्ष अभियान एवं पीएम जनमन योजना के अंतर्गत तमाम कई ऐसे लोक महत्व के योजनाओं का शुभारंभ आज बिहार प्रांत के जमुई से प्रधानमंत्री जी ने किया है। जिसका लाइव प्रसारण हम सबने देखा। हमारे जनकपुर का यह क्षेत्र बहुत ही अद्भुत क्षेत्र है यह चारों ओर से घने वनों से घिरा हुआ। यहां के रहने वाले लोग खेतिहर किसान, मेहनतकश नौजवान है। इसके साथ ही हमारे इस क्षेत्र के संपूर्ण जिले में सबसे ज्यादा विशेष पिछड़ी जनजातियों के गांव की बसाहट सहज ही मन को आकर्षित करता है। प्रभु श्री राम जब 14 साल का वनवास हुआ तो हमारे छत्तीसगढ़ के

स्वास्थ्य मंत्री ने किया विभिन्न कार्यों की घोषणा

जनकपुर क्षेत्र में प्रवेश हुआ जिसे हरचौका और सीतामढ़ी के नाम से जाना जाता है। यह भगवान श्री रामचंद्र जी का प्रवेश स्थल है। यह क्षेत्र छत्तीसगढ़ का सबसे बड़ा टाइगर रिजर्व गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान या टाइगर रिजर्व के नाम से जाना जाएगा। यहा पर हमारे कई जनजाति वर्ग और पिछड़ी विशेष जनजाति वर्ग के लोग निवास करते हैं। उन्होंने आगे कहा प्रधानमंत्री आवास के माध्यम से पक्का मकान देने का काम करेंगे। हमारी सरकार ने 18 लाख छत्तीसगढ़ के परिवार के लोगों का प्रधानमंत्री का आवास की स्वीकृति हमारे मुख्यमंत्री विष्णु देव जी ने दिया है। आज जनजाति गौरव दिवस के अवसर पर सभी जनजाति भाइयों को मैं हृदय से बधाई और शुभकामनाएं देता हूं।

घोषणा – प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र भवन के लिए 75 लाख रुपये की घोषणा, कलर सोनोग्राफी की घोषणा तथा दो शवगृह की घोषणा।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला पंचायत अध्यक्ष कोरिया श्रीमती रेणुका सिंह ने बिरसा मुण्डा के जीवनी पर प्रकाश डालते हुए उनके इतिहास के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि 1857 को स्वतंत्रता संग्राम कहते हैं लेकिन हमारे जनजाति समाज के क्रांतिकारी उससे पहले भी उससे पहले लड़ाई लड़ रहे थे। वे अपने जल, जंगल और जमीन के लिए साहूकार और जमींदारों, सामंतो से लड़ाई लड़े। हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी आदिवासियों के उत्थान के लिए जनजातियों के उत्थान के लिए अनेक कार्य योजनाएं के साथ कल्याणकारी योजनाएं बनाए हैं जिससे हमारा समाज आगे बढ़े उन्नति करें।

जिला स्तरीय जनजातीय गौरव दिवस के कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राज्य के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल द्वारा विकास कार्यों पर आधारित विभागीय प्रदर्शनी का अवलोकन किया। जहां स्वास्थ्य विभाग, जिला पंचायत, क्रेडा, कृषि, आदिवासी विभाग, आयुष विभाग एवं बीएसएनएल सहित अन्य 33 विभागों के द्वारा प्रदर्शनी लगाई गई थी।

कार्यक्रम में जनजातीय समाज प्रमुखों का किया गया सम्मान

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल और जनप्रतिनिधियों ने कार्यक्रम में आदिवासी समाज के प्रतिनिधियों से भेंट मुलाकात की और 19 से अधिक जनजातीय समाज प्रमुखों का सम्मानित किया।

विभिन्न विभागों द्वारा हिग्राहियों को किया सामग्री वितरण

कार्यक्रम में शिक्षा विभाग के माध्यम से छात्रों को जाति प्रमाण पत्र, स्वास्थ्य विभाग द्वारा आयुष्मान कार्ड, समाज कल्याण विभाग द्वारा ट्राई सायकल एवं छड़ी, कृषि विभाग द्वारा किसानों का मसूर किट, महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा बालिकाओं को स्वस्च्छता किट तथा गर्भवती महिलाओं पोषण आहर किट प्रदान किया गया।स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने महिला एवं बाल विकास विभाग के माध्यम से 4 बच्चों को खीर खिलाकर अन्नप्राशन एवं 7 गर्भवती माताओं की गोद भराई रस्म पूर्ण की

कार्यक्रम में जनपद पंचायत अध्यक्ष राजकुमारी बैगा, जिला पंचायत सदस्य रविशंकर सिंह, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती फूलमती नेटी, जनपद उपाध्यक्ष भरतपुर दुर्गा शंकर मिश्रा, श्रीमती विधात्री सिंह, श्रीमती शांति बैगा, श्रीमती प्रेमवती सिंह, श्री रोहणी बैगा, श्री सुखलाल मरावी, श्री बृजभूषण सिंह, श्री पवन शुक्ला मंडल अध्यक्ष, हीरालाल बैगा, हीरालाल यादव, भईया प्रसाद मार्को, राम नरेश यादव, मो. ईशाखान, माधव सिंह, हिरालाल मौर्य, खिलाड़ी जोगी, कृष्ण प्रताप सिंह, बद्री सिंह, अशोक सिंह, राजा राम दास, जिला अधिकारी–कर्मचारी सहित सैकड़ों की जनसंख्या में ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर बैकुंठपुर में जनजातीय गौरव दिवस का आयोजन

कोरिया। भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के अवसर पर आज शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बैकुंठपुर के खेल मैदान में जनजातीय गौरव दिवस का भव्य आयोजन स्कूल शिक्षा विभाग और खेल एवं युवा कल्याण विभाग के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। इस अवसर पर बालिका छात्रावास बैकुंठपुर की छात्राओं के लिए खेलकूद प्रतियोगिताओं के साथ-साथ जिला स्तरीय रंगोली और निबंध प्रतियोगिता का आयोजन हुआ।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उरांव समाज के मुखिया श्री विश्वास भगत ने विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए। उन्होंने भगवान बिरसा मुंडा के संघर्षों और योगदान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनकी प्रेरणा हमें सामाजिक और सांस्कृतिक समरसता की दिशा में कार्य करने की प्रेरणा देती है।

कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण

बालिकाओं ने दौड़, कबड्डी और अन्य पारंपरिक खेलों में उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता में छात्राओं ने जनजातीय जीवन और भगवान बिरसा मुंडा के जीवन पर आधारित आकर्षक रंगोलियां बनाई और भगवान बिरसा मुंडा के योगदान और जनजातीय समाज के महत्व पर आधारित निबंध प्रतियोगिता में छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

जनजातीय गौरव दिवस का उद्देश्य भगवान बिरसा मुंडा के जीवन और उनके आदर्शों को याद करते हुए जनजातीय समाज की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित करना है। मुख्य अतिथि श्री विश्वास भगत ने अपने संबोधन में कहा, भगवान बिरसा मुंडा ने अपने संघर्ष से समाज को एक नई दिशा दी। हमें उनके आदर्शों पर चलते हुए समाज को बेहतर बनाने की दिशा में कार्य करना चाहिए।ष् इस आयोजन ने जनजातीय समाज की संस्कृति, परंपरा और गौरव को नए आयाम दिए।

उपस्थित छात्राओं और शिक्षकों ने इसे प्रेरणादायक और उत्साहवर्धक बताया। आयोजन को सफल बनाने में संबंधित विभागों और स्कूल के शिक्षकों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

जिले में 70 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों के लिए आयुष्मान व्यय वंदन योजना का शुभारंभ

कोरिया। जिला कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी के निर्देशानुसार आयुष्मान व्यय वंदन योजना के तहत 70 वर्ष एवं उससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों के लिए जिला अस्पताल द्वारा स्वास्थ्य कार्ड बनाने का विशेष अभियान शुरू किया है।

20 नवंबर 2024 को जिला अस्पताल में इस योजना के अंतर्गत वरिष्ठ नागरिकों के आयुष्मान कार्ड बनाए गए। जिला अस्पताल के साथ-साथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में भी यह सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है।

इस योजना का मुख्य उद्देश्य वरिष्ठ नागरिकों को उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना है, जिससे उनके परिवार पर आर्थिक बोझ कम हो सके। इस योजना के तहत पात्र नागरिक अपने क्षेत्र के स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं से संपर्क कर आसानी से कार्ड बनवा सकते हैं।

जिला प्रशासन ने वरिष्ठ नागरिकों को इस योजना का अधिक से अधिक लाभ लेने की अपील की है। कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी ने कहा कि यह पहल वरिष्ठ नागरिकों के लिए सम्मान और सेवा का प्रतीक है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी एवं सिविल सर्जन ने भी लोगों से अपील की कि वे इस योजना की जानकारी अपने परिचितों तक पहुंचाएं और पात्र नागरिकों को इसका लाभ दिलाए।

कुड़ेली में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर में 93 आवेदन प्राप्त

आमजन शासन की योजनाओं का लाभ लें -विधायक भईयालाल राजवाड़े

''सूर्य की रोशनी से घर होगा रोशन'' -कलेक्टर श्रीमती चन्दन त्रिपाठी

कोरिया। आज जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन बैकुंठपुर विकासखंड के ग्राम पंचायत कुड़ेली के शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल के मैदान में किया गया।

एक पेड़ माँ के नाम जरूर पौधा रोपण करें

जिलास्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर में क्षेत्र के विधायक श्री भईयालाल राजवाड़े ने आमजनों से कहा कि सरकार की मंशा है कि लोगो की समस्याओं का त्वरित निराकरण हो। उन्होंने कहा कि इसीलिए प्रशासन द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में शिविर का आयोजित कर लोगों की समस्याओं का निराकरण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की एक प्रमुख योजना एक पेड़ माँ के नाम के तहत जरूर पौधा रोपण करे ताकि आने वाली पीढी के लिए एक हरियाली बनी रहे। उन्होंने पीएम सूर्य योजना यानी सौर ऊर्जा के माध्यम से बिजली प्राप्त करने के लिए सम्बंधित विभाग में जाकर जानकारी लें और उसका लाभ उठाने की अपील ग्रामीणों से की। उन्होंने कहा कि विभिन्न विभागों में संचालित योजनाओं के बारे में इन अधिकारियों द्वारा जानकारी दी जाती है, आप सभी लोग लाभ उठाएं।

कोरिया कलेक्टर श्रीमती चन्दन त्रिपाठी ने कहा कि जन समस्या समाधान शिविर लगाने का उद्देश्य यही है कि ग्रामीण भाई-बहन सरकार की योजनाओं से रूबरू हो सके, उनका लाभ ले सके। शिविर में मांग, शिकायत, समस्या आदि आवेदन प्राप्त हुए हैं। न्यायालयीन प्रक्रिया व मांग से सम्बंधित आवेदनों का विचार-विमर्श कर उचित निराकरण किया जाएगा और स्थल पर बहुत सारे आवेदनों का निराकरण भी किया गया।

सूर्य से घर रौशन होगा

कलेक्टर ने पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि एक किलोवाट रूफटॉप सोलर सिस्टम लगाने वाले व्यक्ति को 30 हजार रुपये की सब्सिडी दी जाती है, जबकि 2 किलोवाट का सोलर पैनल लगवाने वालों को सब्सिडी 60 हजार रुपये तक मिल जाती है। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की यह महत्वाकांक्षी योजना बहुत उपयोगी है। अब सूर्य से घर रौशन होगा, इसलिए इसका लाभ जरूर उठाएं और जनप्रतिनिधि व अधिकारी कर्मचारी इस योजना को आम लोगों को जरूर बताएं।

स्वास्थ्य का समुचित देखभाल करें

श्रीमती चन्दन त्रिपाठी ने किसानों से कहा कि बहुत जल्दी धान खरीदी प्रारंभ होने वाले हैं, टोकन के अनुसार धान विक्रय करें। उन्होंने स्वास्थ्य की समुचित देखभाल के लिए जांच उपचार कराएं और अपनी जीवनशैली में उचित बदलाव लाएं। उन्होंने विधायक श्री भईया लाल राजवाड़े को बेहद ऊर्जावान और जुनून से भरे प्रतिनिधि बताया। हर लोगों की बात को सुनते हैं और समाधान के लिए खुद जुट जाते हैं।

जिला पंचायत सदस्य श्रीमती वंदना राजवाड़े ने भी आम लोगों को सम्बोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदीऔर विष्णु देव साय सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का जरूर लाभ लें।

शिविर स्थल पर राजस्व, आदिवासी विकास विभाग, जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र, खाद्य, स्वास्थ्य, मत्स्य पालन विभाग, श्रम, आयुष्मान विभाग, पशु पालन विकास विभाग, ऊर्जा विभाग, सेंट्रल बैंक ऑफ़ इंडिया, कृषि, लोक सेवा यांत्रिकी, महिला एवं बाल विकास, जल संसाधन, शिक्षा, उद्यानिकी विभाग, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा आदि विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर आम लोगों से आवेदन प्राप्त किए और इन विभागों में संचालित योजनाओं के बारे में विभागीय अधिकारियों द्वारा ग्रामीणों को विस्तार से जानकारी भी दी गई।

हितग्राहियों को मछली जाल व पट्टा वितरण

विधायक श्री भईया लाल राजवाड़े वरिष्ठ जनप्रतिनिधियों व कलेक्टर श्रीमती चन्दन त्रिपाठी के द्वारा आदिवासी विकास विभाग के अंतर्गत 10 हितग्राहियों को वनाधिकार पट्टा, समाज कल्याण विभाग के तहत तीन बुजुर्गों को छड़ी, मत्स्य विभाग से दो हितग्राहियों को मछली जाल तथा राजस्व विभाग द्वारा पांच किसानों को किसान किताब वितरण किया गया।

स्वास्थ्य विभाग द्वारा 114 लोगों के मधुमेह, रक्तचाप, हीमोग्लोबिन, हाइपरटेंशन आदि जांच की गई शुगर व बीपी के मरीजों को नि:शुल्क दवाई वितरण किया गया।

सेहत का विशेष ध्यान रखें

गोदभराई रस्म तथा अन्नप्रासन कार्यक्रम विधायक श्री भईयालाल राजवाड़े, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री वेदांती तिवारी, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती वंदना राजवाड़े, कलेक्टर श्रीमती चन्दन त्रिपाठी ने शिविर में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आयोजित गोदभराई रस्म तथा अन्नप्रासन कार्यक्रम में शामिल हुए और शिशुओं को खीर भी खिलाए। इस अवसर पर विधायक ने गर्भवती एवं शिशुवती महिलाओं से कहा कि सेहत का विषेष ध्यान रखें। भरपूर पौष्टिक एवं गरम भोजन समय पर करें।

आज शिविर में करीब 93 आवेदन प्राप्त हुए जिसमें 91 आवेदन मांग से सम्बंधित था तो दो आवेदन समस्या की थीं, जिसमें से 10 आवेदनों का निराकरण स्थल पर किया गया। शेष आवेदनों को समय-सीमा के भीतर संबंधित विभाग के अधिकारियों को निराकरण करने के निर्देश दिए गए। शिविर मे गणमान्य नागरिक श्री कृष्ण बिहारी जायसवाल, श्रीमती सौभाग्यवती कुसरो, श्रीमती आशा महेश साहू, एसडीएम श्रीमती दीपिका नेताम, जनपद सीईओ एलेक्जेंडर पन्ना व अधिकारी, कर्मचारी, ग्रामीण बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

अग्रसेन स्टेडियम ग्राउंड में राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर भव्य राज्योत्सव कार्यक्रम का हुआ आयोजन

सूरजपुर। आज राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर राज्योत्सव कार्यक्रम का आयोजन सूरजपुर अग्रसेन स्टेडियम ग्राउंड में आयोजित किया गया। गौरतलब है कि 01 नवंबर 2000 को 26 वां राज्य के रूप में छत्तीसगढ़ राज्य का गठन मध्यप्रदेश राज्य को विभाजित करके किया गया था। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस 2024 के अवसर पर आयोजित भव्य कार्यक्रम में बड़ी संख्या में सूरजपुर के जिलेवासियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और छत्तीसगढ़ का निवासी होने पर गर्व की अनुभूति की। कार्यक्रम में बैकुंठपुर विधायक श्री भैयालाल राजवाड़े मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। जहां उन्होंने उपस्थित जनों को छत्तीसगढ़ राज्य के स्थापना दिवस पर बधाई दी। उन्होंने कहा छत्तीसगढ़ प्रदेश पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी की देन है और जो हमने बनाया है उसे हम सबको संवारना भी है। छत्तीसगढ़ बनने से क्षेत्र का अथाह विकास हुआ है। छत्तीसगढ़ खनिज, वन संपदा के साथ साथ सांस्कृतिक रूप से संपन्न राज्य है और इसके साथ ही वैभवशाली लोक परम्परा और जनजाति व संस्कृति से सजा छत्तीसगढ़ निरंतर विकास के पथ पर तेजी से आगे बढ़ रहा है।

प्रेमनगर विधायक श्री भूलन सिंह मराबी ने भी उपस्थित जनों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि आज छत्तीसगढ़ 24 साल का हो गया है यह हमारे लिए बड़ी खुशी की बात है। उन्होंने वर्ष 2000 से लेकर अब तक के छत्तीसगढ़ में किए गए विकास कार्यों को उल्लेखित किया। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर हम सभी प्रदेश को आगे ले जाने और विकास का नया अध्याय लिखने का संकल्प लें।

कार्यक्रम में श्रीमती शकुंतला सिंह पोर्ते भी विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल थी। इस अवसर पर उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि छत्तीसगढ़ निरंतर विकास कर रहा है और इसी प्रकार विकास करते हुए यह राज्य नित नए कीर्तिमान रचेगा। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी का छत्तीसगढ़ राज्य के निर्माण के लिए विशेष धन्यवाद दिया। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री डॉ रमन सिंह को भी धन्यवाद देते हुए कहा कि आज छत्तीसगढ़ विकास की रह में अग्रसर है।

पूर्व गृह मंत्री श्री राम सेवक पैकरा ने कार्यक्रम में उपस्थित जनों को संबोधित किया।उन्होंने कहा आज

छत्तीसगढ़ प्रदेश पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी की देन,हम सबको इसे मिलकर संवारना है :- बैकुंठपुर विधायक श्री भैयालाल राजवाड़े

छत्तीसगढ़ ने अपना 24 वर्ष का सफर तय किया है।छत्तीसगढ़ के निर्माण में पूर्व प्रधान मंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी का महत्वपूर्ण योगदान है। वही विधानसभा अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री डॉ रमन सिंह का छत्तीसगढ़ के विकास में अद्वितीय योगदान है। जिला सूरजपुर भी विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह की देन है। जहां पहले दुरस्थ अंचल क्षेत्र चांदनी बिहारपुर के लिये एक लंबा सफर तय करना पड़ता था वो आज घंटों में तय हो रहा है। विकास निरंतर प्रक्रिया है और आप सभी की सहभागिता आवश्यक है। शासन लगातार ऐसे कदम उठा रहा है जिससे छत्तीसगढ़ विकास की नई ऊंचाईयों को छूएगा। इस अवसर पर पीएम आवास योजना अंतर्गत खुशियों की चाबी, सिकल सेल कार्ड , ऋण अनुदान की राशि, मत्स्य जाल वितरण, एन आर एल एम की ओर से महिला समूह को बैंक लिंकेज हेतु राशि प्रदान की गई है। राज्योत्सव अंतर्गत स्थानीय, विद्यालय व महाविद्यालय के छात्र/छात्राओं द्वारा प्रस्तुति, पारंपरिक नृत्य समूह द्वारा गणेश वंदना नृत्य की प्रस्तुति एवं शिव पार्वती नृत्य, मयूर नृत्य इत्यादि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। राज्योत्सव कार्यक्रम में मुख्य अतिथि बैकुठपुर विधायक श्री भैयालाल रजवाड़े, विधायक प्रेमनगर श्री भूलन सिंह मरावी, विधायक प्रतापपुर श्रीमती शकुंतला पोर्ते, पूर्व गृहमंत्री श्री रामसेवक पैकरा , कलेक्टर श्री एस जयवर्धन द्वारा विभिन्न विभागों के अंतर्गत लगाए गए स्टालों का निरीक्षण किया गया। कार्यक्रम में जिला जनसंपर्क विभाग द्वारा स्टॉल लगाकर शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं पर आधारित प्रदर्शनी लगाई गई है। इसमें मुख्यमंत्री के नेतृत्व में विष्णु के सुशासन अंतर्गत छत्तीसगढ़ में समाज के हर वर्ग के लोगों के हित के लिए किए जा रहे योजनाओं को प्रदर्शित किया गया है। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग अंतर्गत पीएम आवास योजना, स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के क्रियान्वयन पर आधारित प्रदर्शनी और ग्रामीण आजीविका मिशन अंतर्गत बिहान समूह की महिलाओं द्वारा निर्मित उत्पादों की प्रदर्शनी लगाई गई। पशुधन विकास विभाग , कृषि विकास एवं किसान कल्याण तथा जैव प्रौद्योगिकी विभाग, मत्स्य विभाग और उद्यानिकी विभाग द्वारा चलाई जा रही योजनाओं पर आधारित प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस स्टॉल के माध्यम से मुर्गी पालन, पशुधन विकास, मत्स्य संपदा योजना , समन्वित कृषि प्रणाली सहित कृषि उन्नति के विभिन्न योजनाओं पर आधारित प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस दौरान कृषि की तकनीकों के संबंध में हितग्राहियों को जानकारी मुहैया कराई गई। इस अवसर पर आधुनिक कृषि यंत्रों , विद्युत पंपों , रासायनिक उर्वरकों ,उन्नत बीजों और धान के विविध किस्मों का प्रदर्शन भी किया गया। समाज कल्याण और महिला बाल विकास विभाग द्वारा क्रियान्वित की जा रही योजनाओं पर आधारित स्टॉल लगाई गई थी जिसमें समाज कल्याण द्वारा दिव्यांगों के लिए प्रदान किए जाने वाले यंत्रों, ट्राइसाइकिल का प्रदर्शन किया गया। साथ ही महिला बाल विकास विभाग द्वारा राष्ट्रीय पोषण अभियान अंतर्गत पोषण प्रदर्शन केंद्र के रूप में पोषण युक्त खाद्य पदार्थों का एवं सुकन्या समृद्धि और महतारी वंदन योजना का प्रदर्शन किया गया। इस दौरान महतारी वंदन योजना अंतर्गत प्राप्त राशि का सुकन्या समृद्धि योजना में निवेश करने वाले हितग्राहियों को पासबुक मुख्य अतिथि द्वारा प्रदान किया गया। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा स्कूलों में चलाई जा रही योजनाओं पर आधारित स्टॉल का प्रदर्शन किया गया।

इसमें कबाड़ से जुगाड़ अंतर्गत विद्यार्थियों द्वारा मनोरंजन के लिए कबाड़ से बनाए खेल के साधन, मक्के के ठूंठ / खोइया से बनाए गए प्लाई बोर्ड, कवक से बनाए गए जैविक ईट का प्रदर्शन किया गया। साथ ही स्टॉल में राष्ट्रीय शिक्षा नीति को भी प्रदर्शित किया गया। स्वास्थ्य और आयुष विभाग द्वारा लगाई गए स्टॉल में एनसीडी स्क्रीनिंग, आयुष्मान पंजीयन और चिकित्सा सुविधा के साथ शासकीय योजनाओं का प्रदर्शन किया गया। स्टॉल में आयुष विभाग अंतर्गत विभिन्न औषधियों का भी प्रदर्शन किया गया। नगरीय प्रशासन और विकास विभाग द्वारा लगाई गए स्टॉल में धन्वंतरि योजना , कंपोस्ट निर्माण, पीएम आवास योजना, कबाड़ से जुगाड़ और स्वच्छ भारत मिशन पर आधारित प्रदर्शनी लगाई गई थी। इसके अलावा आदिवासी विकास विभाग, जलसंसाधन विभाग, वन और जलवायु परिवर्तन विभाग, सीएस पीडीसीएल एवं क्र?ड़ा विभाग, पुलिस विभाग , एस ई सी एल बिश्रामपुर, जिला अग्रणी बैंक और लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा चलाई जा रही योजनाओ पर आधारित स्टॉल लगाए गए थे।

कार्यक्रम में नगर पालिका परिषद अध्यक्ष श्री के के अग्रवाल, श्री भीमसेन अग्रवाल, श्री बाबूलाल अग्रवाल, श्री महलवाला, श्री शशिकान्त गर्ग, श्री अजय अग्रवाल, जिला पंचायत सीईओ श्रीमती कमलेश नंदिनी साहू, अपर कलेक्टर श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर

संयुक्त कलेक्टर श्री नरेंद्र पैकरा, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती शिवानी जायसवाल एवं अन्य जनप्रतिनिधि व बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका दिवस के अवसर पर कार्यकर्ताओं को किया गया सम्मानित

सूरजपुर। छ.ग.शासन महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा प्रति वर्ष 14 नवम्बर को आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं के सम्मान के लिए दिवस मनाये जाने का निर्णय लिया गया है। जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन कलेक्ट्रेट सभा कक्ष सूरजपुर में खाद्य मंत्री छ.ग.शासन श्री दयालदास बघेल के मुख्य अतिथ्य में किया गया जिसमें जिला सूरजपुर अंतर्गत 7 परियोजनाओं के 1-1 आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाओं को सम्मानित किया गया। कार्यकर्ताओं के द्वारा पोषण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य, विभागीय योजनाओं के सफल क्रियान्वयन के साथ-साथ अन्य विभागों से समन्वय, टीकाकरण, स्वास्थ्य जांच, श्रम, गर्भवती महिलाओं का पंजीयन, आयुष्मान कार्ड बनाना एवं जनगणना (जन्म/मृत्यु) आदि कार्यों में उल्लेखनीय कार्य हेतु सम्मानित किया गया। इसी प्रकार सहायिकाओं को विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन के साथ-साथ चिकित्सा विभाग, एन.आर.सी. में भर्ती आदि कार्यों में विशेष योगदान हेतु सम्मानित किया गया। सम्मान के अनुक्रम में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं में परियोजना सिलफिली के अनुजनगर आमापारा की श्रीमती सावित्री देवी राजवाड़े, सूरजपुर जमदेई बैगापारा से श्रीमती रजमनियां, भैयाथान अहिरापारा अनरोखा से श्रीमती नोविन राजवाड़े, ओड़गी घुरीघाट सेमरा से श्रीमती उषा बैश्य, रामानुजनगर देवनगर उपरपारा से श्रीमती रिता बघेल, प्रतापपुर बड़वार से श्रीमती रूकसाना एवं प्रेमनगर जनार्दनपुर से श्रीमती चम्पा सिंह को पुरस्कृत किया गया एवं आंगनबाड़ी सहायिकाओं में परियोजना सिलफिली बिहारपुर मांझापारा 02 से श्रीमती संतोषी अगरिया, सूरजपुर रेल्वे कालोनी कुंजनगर से नाज परवीन, भैयाथान बाधपारा अनरोखा से श्रीमती ममता रवि, ओड़गी दुबियाडिह इंजानी से श्रीमती बिमला, रामानुजनगर देवनगर उरांवपारा से श्रीमती कौशल्या, प्रतापपुर सिंघरा खास से श्रीमती हिरमेन एवं प्रेमनगर अभयपुर खास से श्रीमती सोनी बाई को सम्मानित किया गया। इस दौरान प्रेमनगर विधायक श्री भूलन सिंह मरावी, कलेक्टर सूरजपुर, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत, वन मण्डलाधिकारी, सहायक पुलिस अधीक्षक, अपर कलेक्टर, संयुक्त कलेक्टर, डिप्टी कलेक्टर एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग उपस्थित रहें।

जनजातीय समाज है छत्तीसगढ़ राज्य का धरोहर: मंत्री दयालदास बघेल

सूरजपुर। आज राज्य के खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के मंत्री एवं सूरजपुर जिले के प्रभारी मंत्री श्री दयालदास बघेल के मुख्य आतिथ्य एवं विधायक प्रेमनगर श्री भूलन सिंह मरावी की अध्यक्षता में जनजातीय गौरव दिवस का आयोजन किया गया। गौरतलब है कि भगवान बिरसा मुंडा की जयंती 15 नवंबर को राष्ट्रीय जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाया जाता है। इसका उद्देश्य भगवान बिरसा मुंडा और अन्य देश के जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान का सम्मान करना है। इस आयोजित समारोह में लोक कलाकारों द्वारा पारंपरिक लोक नृत्य की प्रस्तुतियां दी गई। इस अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में जमुई बिहार में आयोजित जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम आयोजित का लाइव प्रदर्शन भी किया गया। कार्यक्रम के इस अवसर पर विधायक प्रतापपुर श्रीमती शकुंतला पोर्ते, अध्यक्ष जिला पंचायत राजकुमारी मरावी, अध्यक्ष नगर पालिका सूरजपुर श्री के के अग्रवाल,पूर्व गृहमंत्री छत्तीसगढ़ शासन श्री रामसेवक पैकरा, डीएफओ श्री पंकज कमल, जिलापंचायत सीईओ श्रीमती कमलेश नंदिनी साहू , अपर कलेक्टर श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर सहित जिला स्तरीय अधिकारी, श्री भीमसेन अग्रवाल, श्री बाबूलाल अग्रवाल, श्री राजेश महलवाला, श्री संत सिंह , श्री शंकर सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधिगण , जनजातीय गौरव समाज के अध्यक्ष श्री इंद्र भगत, श्री दिनेश सिंह गोंड समाज के अध्यक्ष और जनजातीय महिला समाज की अध्यक्ष पुष्पा सिंह उपस्थित थे।

इस कार्यक्रम में मंत्री श्री दयाल दास बघेल ने सभा को संबोधित करते हुए लोगों को जनजातीय गौरव दिवस और गुरुनानक जयंती की बधाई और शुभकामनाएं दी।

मंत्री श्री बघेल ने इस मौके पर कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भगवान बिरसा मुंडा के जन्म दिवस को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने की घोषणा करके जनजातीय समुदाय का गौरव बढ़ाया है। उन्होंने जनजातीय समाज की उत्थान के लिए 6600 करोड़ की राशि जारी करने पर बहुत बहुत धन्यवाद दिया । उन्होंने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा जी ने मातृभूमि के गौरव और सम्मान की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व बलिदान कर दिया। उन्होंने बड़ी संख्या में आए जनजातीय समुदाय के लोगों को संबोधित करते हुए जनजातीय समाज को छत्तीसगढ़ का धरोहर बताते हुए इसके निरंतर विकास की बात कही। उन्होंने कहा जनजातीय समाज की अपनी एक अलग पहचान है । उसका रहन सहन संस्कृति अपने आप में प्रेरणास्पद है। उन्होंने कहा कि यह आयोजन कला,

जनजातीय समाज का रहन सहन, संस्कृति विश्व के लिए है प्रेरणास्पद

जनजातीय समाज बेहतर से बेहतर शिक्षा लें और समाज और देश के विकास में दें अपना अमूल्य योगदान: विधायक श्री मरावी

जनजातीय समाज की जीवन शैली हम सभी के लिए शिक्षाप्रद: संभागायुक्त श्री चुरेंद्र

संस्कृति, परंपरा और देश की रक्षा के लिए प्राणों का न्यौछावर करने वाले जनजातीय समाज के महापुरूषों को नमन करने का अवसर है। यह हम सभी के लिए सौभाग्य की बात है । जनजातीय समाज के उत्थान और विकास से ही हमारे राज्य का विकास संभव है । उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में समाज के सभी वर्गों के कल्याण की दिशा में कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा जी से प्रेरणा लेकर समाज आगे बढ़े। इस अवसर पर उन्होंने शानदार मनमोहक नृत्य प्रस्तुत करने वाले कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालयों के विद्यार्थियों को 25 हजार, आत्मानंद विद्यालय सूरजपुर के विद्यार्थियों के 25 हजार और शिक्षा परिसर सूरजपुर के विद्यार्थियों को 50 हजार रुपए प्रोत्साहन राशि देने की घोषणा की।

विधायक प्रेमनगर श्री भूलन सिंह मरावी ने सभा को संबोधित करते हुए सभी को जनजातीय गौरव दिवस की शुभकामनाएं देते हुए जनजातीय वर्ग का समाज के विकास में योगदान को बताया। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर बिरसा मुंडा के नाम से विशेष ग्राम सभा का आयोजन भी किया जा रहा है। रानी दुर्गावती, बिरसा मुंडा जैसे वीर जनजातीय नायकों ने समाज के विकास में और अत्याचार के खिलाफ जो लड़ाई लड़ी है उनसे प्रेरणा लेनी चाहिए । उन्होंने जनजातीय समाज को कहा कि आप सभी बेहतर से बेहतर शिक्षा लें और समाज के विकास में अपना योगदान दे। संभागायुक्त श्री जी आर चुरेंद्र ने सभी को जनजातीय गौरव दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि जनजातीय समाज के इतिहास के वीर नायकों से सीख लेने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि भारतवर्ष के सभी जनजातीय लोगों का यह संदेश रहा है कि पूरा विश्व हमारा परिवार है। उन्होंने कहा कि जनजातीय समाज से प्रेरणा लेते हुए हमें कर्म ही धर्म है और वसुधैव कुटुंबकम् की भावना को आत्मसात करना चाहिए। जनजातीय समाज की जीवन शैली से हमें सीखना होगा तभी हम आज के भाग दौड़ भरे जीवन में बेहतर रूप में जीवन यापन कर सकते हैं।

कलेक्टर श्री एस जयवर्धन ने सभा को संबोधित करते हुए सभी को जनजातीय गौरव दिवस की बधाई एवं शुभकामनाएं दी । उन्होंने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा की जयंती 15 नवंबर को राष्ट्रीय जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाया जाता है। उन्होंने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य भगवान बिरसा मुंडा सहित जनजातीय वीर नायकों द्वारा ब्रिटिश शासन के विरुद्ध आंदोलन और देश की स्वतंत्रता एवम विकास में जनजातीय समाज के योगदान का सम्मान करना है। उन्होंने सरगुजा संभाग के वीर जनजातीय नायकों राजमोहिनी देवी एवम गहिरा गुरु के समाज के विकास में योगदान को याद करते हुए उनका अनुकरण करने के लिए कहा।

जनजातीय गौरव समाज के अध्यक्ष श्री इंद्र भगत ने भगवान बिरसा मुंडा सहित जनजातीय वीर नायकों के जीवन संघर्ष से परिचय कराते हुए जनजातीय समाज को उनका अनसरण करने के लिए कहा। उन्होंने बताया कि सरगुजा क्षेत्र में कई आदिवासी वीर नायक हुए जिन्होंने हमें गौरवान्वित किया है। उन्होंने जनजातीय समाज के इतिहास को याद करते हुए देश के विकास में दिए योगदान को याद करते हुए समाज के लोगों को देश के विकास में अपना योगदान देने की अपील की।

जीवन की हस्तरेखा से भविष्य

हथेली पर बन रही है यह रेखा तो भविष्य में आ सकती है आर्थिक तंगी

ज्योतिषविद्या में हस्तरेखा का बहुत महत्व है। हस्तरेखाशास्त्र के अनुसार हमारी हथेली पर बनी रेखाएँ हमारे भाग्य और भविष्य में होने वाली घटनाओं के बारे में बताती हैं। हस्तरेखाशास्त्र के अनुसार व्यक्ति के हाथ पर बनने वाली रेखाओं से का संबंध उसके जीवन में होने वाली घटनाओं से होता है। हथेली पर बनी रेखाओं से भी व्यक्ति के भाग्य के बारे में बहुत कुछ जाना जा सकता है। हथेली पर बनी रेखाएं व्यक्ति की आर्थिक स्थिति के बारे में भी जानकारी देती हैं। व्यक्ति की हाथ पर कई रेखाएं होती हैं जो इशारा करती हैं कि व्यक्ति को जीवन में आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ेगा। आज के इस लेख में हम आपको बताएंगे कि हथेली में बनी कौन सी रेखाएं आर्थिक तंगी का संकेत देती हैं - यदि किसी की हथेली पर मणिबंध से रेखा निकलकर शनि पर्वत तक जाती हो इसे शुभ नहीं माना जाता है। ऐसा माना जाता है कि ऐसे लोगों को जीवन में आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ता है। ऐसे लोगों के जीवन में धन की कमी रहती है।

हस्तरेखा शास्त्र के अनुसार शुक्र पर्वत से बनने वाली रेखा भी आर्थिक तंगी का संकेत है। ऐसी रेखाएं जीवन में आने वाली आर्थिक परेशानियों की ओर इशारा करती हैं। ऐसे लोगों के जीवन में धन की कमी रहती है जिसकी वजह से मानसिक परेशनियां बढ़ती हैं।

जिन लोगों की हथेली पर मस्तिष्क रेखा टूटी-फूटी हो या जाल जैसा बना रही हो तो उन्हें जीवन में आर्थिक तंगी रहती है। ऐसे लोगों के पास धन आ भी जाए तो ज्यादा समय तक टिकता नहीं है। ऐसे लोगों को कई परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

हस्तरेखाशास्त्र के अनुसार जिन लोगों की अनामिका अंगुली पर टिल होता है उन्हें जीवन में धन संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। ऐसे लोगों के पास आया धन किसी न किसी काम में खर्च हो जाता है। यह तिल काले या भूरे रंग का हो सकता है।

हस्तरेखाशास्त्र के अनुसार जिन लोगों की हथेली में सूर्य रेखा पर तिल होता है, उन्हें जीवन में आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ता है। ऐसे लोगों का उधार बहुत ज्यादा हो जाता है जिससे उन्हें मानसिक परेशानी का सामना करना पड़ता है।

हथेली में जीवनरेखा पर तिल होना भी शुभ नहीं माना जाता है। ऐसा माना जाता है कि ऐसे लोगों को जीवन में आर्थिक उतार-चढ़ाव का सामना करना पड़ता है। इन लोगों के जीवन में धन टिक नहीं पाता है। इनका धन किसी न किसी काम में खर्च हो जाता है।

अंगूठे में छिपे हैं कई राज़, इस तरह जानें व्यक्ति का स्वाभाव

आज के इस लेख में हम आपको बताएंगे कि अंगूठे को देखकर आपके स्वभाव के बारे में किन बातों का पता लगाया जा सकता है -

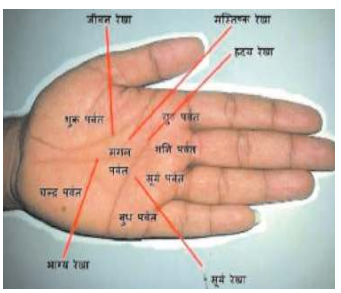

लंबा अंगूठा

समुद्रशास्त्र के अनुसार जिन लोगों का अंगूठा लंबा होता है वे आकर्षित व्यक्तित्व के धनी होती हैं। इसके साथ ही ऐसे लोगों की नेतृत्व क्षमता भी अच्छी होती है। ऐसे लोग कुशाग्र बुद्धि के होते हैं और ये किसी भी परिस्थिति को आसानी से नियंत्रित कर सकते हैं। ऐसे लोग बहुत धनवान होते हैं और इनके जीवन में धन की कोई कमी नहीं होती।

छोटा अंगूठा

जिन लोगों का अंगूठा छोटा होता है वे दिमाग से ज्यादा अपने दिल की सुनते हैं। ऐसे लोग दूसरों को सुझाव देते हैं लेकिन खुद की परेशानियों में सही समय पर फैसला नहीं ले पाते हैं। इस तरह के अंगूठे के बनावट वाले लोग कविता, लेखन या संगीत सहित रचनात्मक कार्यों से जुड़े हुए होते हैं। ऐसे लोगों के जीवन में कभी भी प्यार की कमी नहीं होती है।

हस्तरेखा शास्त्र- के अनुसार रिंग फिंगर और सबसे छोटी उंगली के नीचे सीधी रेखा को धन की रेखा कहा जाता है. धन रेखा के माध्यम से व्यक्ति की आर्थिक स्थिति के बारे में जाना जा सकता है. हथेली में धन की रेखा जानने से पहले ये जानना जरूरी है कि कौन से हाथ में धन रेखा यानी मनी लाइन को देखना चाहिए.

हस्त रेखा विज्ञान - हस्तरेखा शास्त्र के अनुसार व्यक्ति को जीवन में सफलता हासिल करने और अमीर बनने के लिए किस्मत का साथ मिलना जरूरी होता है. व्यक्ति के हाथों में भाग्य, स्वास्थ्य और धन संबंधित रेखाएं पाई जाती हैं. हथेली की लकीरों यानी हस्त रेखाओं से मनुष्य के जीवन की भविष्यवाणी की जा सकती है.

हस्तरेखा शास्त्र -के अनुसार रिंग फिंगर और सबसे छोटी उंगली के नीचे सीधी रेखा को धन की रेखा कहा जाता है. धन रेखा के माध्यम से व्यक्ति की आर्थिक स्थिति के बारे में जाना जा सकता है. हथेली में धन की रेखा जानने से पहले ये जानना जरूरी है कि कौन से हाथ में धन रेखा यानी मनी लाइन को देखना चाहिए.

दरअसल, कई लोगों का मानना है कि पुरुषों के दाएं हाथ जबकि महिलाओं के बाएं हाथ की रेखा को देखना चाहिए जबकि हस्त शास्त्र के मुताबिक ध्यान रखना आवश्यक है कि जिस हाथ से व्यक्ति सबसे ज्यादा काम करे उसी हाथ की मनी लाइन से आर्थिक स्थिति की भविष्यवाणी की जाती है.

हथेली की रेखाओं से जानिए कितने साल और जीवित रहेंगे आप

हस्तशास्त्र ज्योतिष में हथेली पर बनने वाली रेखाओं और निशानो से व्यक्ति के भूत, वर्तमान और भविष्य के बारे में भविष्यवाणी की जा सकती है और यह भी बताया जा सकता है कि व्यक्ति कितने वर्षों तक जीवित रहेगा। हथेली पर कुछ लकीरों के अध्ययन से इस बात को मालूम किया जा सकता है।

समुद्रशास्त्र के अनुसार मणिबंध पर बने निशान से व्यक्ति की आयु के बारे में जानकारी हासिल की जा सकती है। मणिबंध उसे कहते है जहां से कलाई शुरू होती है। अगर किसी व्यक्ति के हाथेली में एक मणिबंध रेखा है उसकी आयु 25 वर्ष तक है। 2 रेखा होने पर व्यक्ति की आयु 50 साल के करीब वही 3 रेखा बनने पर व्यक्ति 75 साल तक जीवित रहता है। मणिबंध पर 4 रेखा होने पर व्यक्ति संपन्न और दीर्घायु होता है।

छोटी उंगली में छिपा है आपके व्यक्तित्व का रहस्य, जानें क्या बताती है आपकी उंगली

ज्योतिषविद्या में हस्तरेखा का बहुत महत्व है। हस्तरेखाशास्त्र के अनुसार हमारी हथेली पर बनी रेखाएँ हमारे भाग्य और भविष्य में होने वाली घटनाओं के बारे में बताती हैं। इसी तरह व्यक्ति के हाथ और उंगलियों की बनावट भी व्यक्ति के बारे में बहुत कुछ बताती है।

'हमारा संविधान-हमारा स्वाभिमान'

संविधान भारत की सदियों पुरानी संस्कृति, इतिहास और परंपराओं का आइना : मुख्यमंत्री

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय प्रातः संविधान दिवस पदयात्रा कार्यक्रम में शामिल हुए। संविधान दिवस पदयात्रा पंडित जवाहर लाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय सभागृह से प्रारंभ होकर अंबेडकर चौक पर समाप्त हुई।

मुख्यमंत्री ने डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। इस पदयात्रा में उप मुख्यमंत्री श्री अरूण साव, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री टंकराम वर्मा, वन मंत्री श्री केदार कश्यप, खाद्य मंत्री श्री दयालदास बघेल, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष श्री धरमलाल कौशिक, विधायकगण श्री इंद्र कुमार साहू, गुरु खुशवंत साहेब, श्री अनुज शर्मा, महिला आयोग की सदस्य श्रीमती लक्ष्मी वर्मा और युवा आयोग के अध्यक्ष श्री विश्वजीत तोमर शामिल थे।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने इस अवसर पर पंडित जवाहर लाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय सभागृह में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि हमारा संविधान भारत की सदियों पुरानी संस्कृति, इतिहास और परंपराओं का आइना है। यह संविधान हमारे सदियों के संघर्ष, अनुभव और उपलब्धियों का प्रतिफल है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आज के दिन 26 नवंबर से संविधान दिवस 2024 के आयोजन की शुरूआत हुई है। आज भारत के संविधान को आत्मसात किए 75 वर्ष पूरे हो गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे संविधान निर्माताओं ने जहां पर मौलिक अधिकारों की बात लिखी है, वहां भगवान श्रीराम, माता सीता और भइया लक्ष्मण की तस्वीर अंकित की है। उन्होंने कहा कि यह तस्वीर तब की है जब भगवान श्रीराम लंका विजय के बाद अयोध्या लौट रहे थे। हमें इस बात को समझना होगा कि हमारे संविधान निर्माताओं ने इस तस्वीर के माध्यम से हमें क्या संदेश दिया है। संविधान में ऐसे ही अनेक चित्र और संकेत हैं, जिनके माध्यम से संविधान निर्माताओं ने इंगित किया है कि हमें भारतीय संस्कृति और जीवन मूल्यों के साथ लोकतंत्र को आगे बढ़ाना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह भी हमारे संविधान की एक बड़ी विशेषता है कि इसमें परिवर्तनशील समय के अनुरूप आवश्यकता पड़ने पर संशोधन का भी प्रावधान है। हमारे संविधान निर्माताओं ने देश पर अपनी इच्छाओं और विचारों को लादा नहीं, बल्कि अपनी दूरदर्शिता से भावी पीढ़ी के लिए यह गुंजाइश छोड़ी कि वह अपने समय की परिस्थितियों, अपने समय के ज्ञान, अपने समय की आवश्यकताओं के अनुसार इसमें संशोधन कर सकें। कार्यक्रम में खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री टंकराम वर्मा ने कहा कि संविधान दिवस के इस गौरवशाली पल में हमें लोगों को संविधान प्रदत्त अधिकारों एवं हमारे मौलिक कर्तव्यों के प्रति जागरूक करना है। संविधान सभा ने दो वर्ष 11 माह 18 दिन में संविधान का निर्माण किया।

भारत का यह संविधान पूरे विश्व के लिए आदर्श है। संविधान केवल किताब ही नही, अपितु लोकतंत्र के जीवन का दर्शन है। संविधान कर्तव्यों और अधिकारों का निर्धारण करता है। यह देश की एकता और अंखडता का सूचक है। वन मंत्री श्री केदार कश्यप ने कहा कि भारत के संविधान को जन-जन तक पहुंचाने के लिए देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने संविधान दिवस मनाने का आह्वान किया है। दुनिया के सबसे बड़े संविधान ने वनांचल की बेटी को देश के सर्वोच्च राष्ट्रपति के पद पर आसीन होने का अवसर दिया। दलितों को आगे बढ़ाने का यदि कोई साधन है तो वह है भारत का संविधान। लोकतंत्र को मजबूत बनाए रखने के लिए देश के सभी लोगों को संविधान में दिए गए कर्तव्यों के प्रति जागरूक रहना होगा। भारत के संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अम्बेडकर को युगों-युगों तक याद रखा जाएगा।

विधायक श्री धरम लाल कौशिक ने कहा कि देश की आजादी के बाद लोकतंत्र को अक्षुण्ण बनाए रखने के लिए संविधान का निर्माण हुआ। संविधान दिवस संविधान निर्माताओं को नमन करने का दिन है। आज के दिन सभी को कर्तव्यों की जवाबदेही पर संकल्प लेना चाहिए। संविधान के महत्व के प्रति जागरूक करने के लिए यह आयोजन किया जा रहा है, जो सालभर चलेगा। इसके लिए ''हमारा संविधान-हमारा स्वाभिमान'' टैगलाइन तय की गई है। इस अवसर पर खेल विभाग के सचिव श्री हिमशिखर गुप्ता, रायपुर कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह, निगम आयुक्त श्री अविनाश मिश्रा, जिला पंचायत के सीईओ श्री विश्वदीप, खेल विभाग की संचालक श्रीमती तनुजा सलाम सहित अन्य अधिकारीगण और स्कूली छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

हाउसिंग बोर्ड के प्लॉट में डायवर्सन और पेनाल्टी शुल्क छूट

छत्तीसगढ़ में 5वीं और 8वीं क्लास की परीक्षा होगी सेंट्रलाइज्ड

हाउसिंग बोर्ड के फ्री-होल्ड किए गए आवासीय भूखंडों पर नहीं लगेगा शुल्क

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार की कैबिनेट बैठक में अहम फैसले लिए गए हैं। इनमें हाउसिंग बोर्ड के आवासीय प्लॉट से जुड़ा एक फैसला है। इसके मुताबिक फ्री होल्ड किए गए आवासीय प्लॉट के डायवर्सन और पेनाल्टी शुल्क में छूट दी जाएगी।

इसके अलावा तय किया गया है कि अब 5वीं और 8वीं क्लास की परीक्षा को सेंट्रलाइज्ड किया जाएगा।

मंत्रिपरिषद ने सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को वितरण के लिए नागरिक आपूर्ति निगम को आवश्यक चना उपार्जन हृहरू ई-ऑक्शन प्लेटफॉर्म के माध्यम से किए जाने की अनुमति दी है.

मंत्रिपरिषद ने विशुद्ध रूप से राजनीतिक आंदोलनों से संबंधित प्रकरणों को जनहित में न्यायालय से वापस लिए जाने के संबंध में गठित मंत्रिपरिषद की उप समिति द्वारा अनुशंसित 54 प्रकरणों को न्यायालय से वापस लेने के लिए आगामी कार्यवाही करने का फैसला लिया है. खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 में राज्य में मक्का फसल तथा प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान अंतर्गत दलहन-तिलहन और रबी विपणन मौसम

राजनीतिक प्रकरणों के 54 मामले होंगे निरस्त

साय कैबिनेट की बैठक में लिए गए कई फैसले

2025-26 में चना, मसूर एवं सरसों के उपार्जन के लिए नेफेड एवं एनसीसीएफ को प्रोक्योरमेंट एजेंसी नियुक्त करने का निर्णय लिया गया.

छत्तीसगढ़ के किसानों को नवीन उन्नत किस्म के बीजों की उपलब्धता उचित मूल्य पर सुनिश्चित करने के लिए मंत्रिपरिषद ने आज महत्वपूर्ण फैसला लिया. इसके तहत भारत सरकार द्वारा विभिन्न योजनाओं में इम्पैनल्ड सेंट्रल नोडल सीड एजेंसी से आवश्यकतानुसार सीधे बीज क्रय किया जा सकेगा. इसके लिए छत्तीसगढ़ राज्य बीज एवं कृषि विकास निगम को छत्तीसगढ़ राज्य भंडार क्रय नियम 2002 के नियम 4 में छूट देने का निर्णय लिया गया.

मंत्रिपरिषद ने छत्तीसगढ़ राज्य जल विद्युत परियोजना (पम्प स्टोरेज आधारित) स्थापना नीति 2023 में परियोजना विकासकर्ता को वाणिज्यिक उत्पादन प्रारंभ करने की तिथि से प्रथम पांच वर्षों के लिए प्रति वर्ष 01 लाख रूपए प्रति मेगावाट की दर से लिए जाने वाले हरित ऊर्जा विकास शुल्क को समाप्त करने का निर्णय लिया. हरित ऊर्जा शुल्क में प्रत्येक पांच साल के बाद 25 प्रतिशत की वृद्धि का भी प्रावधान था, इसे भी समाप्त कर दिया गया है. इससे राज्य में जल विद्युत परियोजनाओं एवं ग्रीन एनर्जी के उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा. मंत्रिपरिषद ने कक्षा 5वीं एवं 8वीं की परीक्षाओं को केन्द्रीकृत किये जाने के लिए स्कूल शिक्षा विभाग को अधिकृत किया है. मंत्रिपरिषद द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य में हाउसिंग एण्ड अर्बन डेवलपमेंट कार्पोरेशन लिमिटेड (हुडको) से आवास, नगरीय विकास एवं अन्य क्षेत्रों में सहायता प्राप्त करने हेतु समझौता ज्ञापन (रूश्र) के प्रारूप का अनुमोदन किया गया। गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ राज्य को हुडको द्वारा आगामी 5 वर्षों में एक लाख करोड़ रूपए तक की वित्तीय सहायता, परामर्श, क्षमता विकास सेवाएं प्रदान करने का प्रस्ताव दिया गया है। मंत्रिपरिषद द्वारा छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल अब तक तथा भविष्य में प्राप्त होने वाली भूमि को आवासीय प्रयोजन में व्यपवर्तित करने पर राज्य शासन द्वारा लागू व्यपवर्तन शुल्क प्रीमियम, अर्थदण्ड एवं भू-राजस्व के पुनः निर्धारण से छूट प्रदान करने का निर्णय लिया गया। इससे हाउसिंग बोर्ड के मकान क्रेताओं को लाभ होगा। मंत्रिपरिषद द्वारा छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल द्वारा फ्री-होल्ड किए गए आवासीय भूखण्डों के लिए व्यपवर्तन शुल्क एवं अर्थदण्ड से छूट प्रदान करने का निर्णय लिया गया।

काम में लापरवाही बरतने वाले दो पटवारियों पर गिरी गाज

कलेक्टर ने किया निलंबित

गौरेला पेण्ड्रा मरवाही. कलेक्टर लीना कमलेश मंडावी ने नक्शा बटांकन की प्रगति अपेक्षाकृत नहीं होने के कारण दो पटवारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है. नोटिस का संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर यह कार्रवाई की गई. अलग-अलग जारी आदेश में कहा गया है कि तहसील पेण्ड्रा रोड से प्राप्त प्रतिवेदन के अनुसार नक्शा बटांकन की प्रगति अपेक्षाकृत नहीं होने के कारण संजय कुमार पाण्डेय पटवारी को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था. प्रस्तुत जवाब संतोष

जनक एवं समाधान कारक नहीं पाया गया. बार-बार निर्देश दिए जाने के बावजूद भी कार्यों में प्रगति नहीं लाया गया. पदीय कर्तव्यों में लापरवाही बरती गई है, जो छत्तीसगढ़ सिविल सेवा आचरण का स्पष्ट उलंघन है. इसके चलते पटवारी संजय कुमार पाण्डेय, हनं 21,22 तहसील पेण्ड्रा रोड को छत्तीसगढ़ सिविल सेवा आचरण नियम 1965 के नियम-3 के तहत तत्काल प्रभाव से निलंबित किया जाता है. निलंबन अवधि में संजय कुमार पाण्डेय पटवारी का मुख्यालय तहसील कार्यालय पेण्ड्रा रोड में नियत किया जाता है.

निलंबन अवधि में उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता देय होगा. इसी तरह तहसील प्रेण्ड्रा रोड से प्राप्त प्रतिवेदन के अनुसार नक्शा बटांकन की प्रगति अपेक्षाकृत नहीं होने के कारण विनोद कुमार जगत पटवारी को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था. प्रस्तुत जवाब संतोष जनक एवं समाधान कारक नहीं पाया गया. बार-बार निर्देश दिए जाने के बावजूद भी कार्यों में प्रगति नहीं लाया गया एवं पदीय कर्तव्यों में लापरवाही बरती गई है, जो छत्तीसगढ़ सिविल सेवा आचरण का स्पष्ट उलंघन है. इसके चलते पटवारी विनोद कुमार जगत हनं 19,20 तहसील पेण्ड्रा रोड को छत्तीसगढ़ सिविल सेवा आचरण नियम 1965 के नियम-3 के तहत तत्काल प्रभाव से निलंबित किया जाता है.

नाश्ते में पांच चीजों को खाने से तेजी से बढ़ता है वजन

फिटनेस पाने के लिए लोग क्या-क्या जतन करते हैं। कई सर्वे के अनुसार आप शरीर पर चर्बी होने के कारण कई बीमारियों का शिकार हो सकते हैं। ऐसे में आपको बैली फैट कम करने के साथ फिट रहने की कोशिश करनी चाहिए। खुद को फिट रखने में ब्रेकफॉस्ट का भी अहम रोल होता है, ऐसे में आपको अगर हमेशा स्लिम ट्रिम रहना है, तो ऐसी 5 चीजें हैं, जो आपको नाश्ते में बिल्कुल नहीं खानी चाहिए-

वाइट ब्रेड

ब्रेड ज्यादातर भारतीय घरों में खाई जाती है लेकिन आपको बता दें कि ब्रेड का ज्यादा सेवन करना न सिर्फ आपकी सेहत को नुकसान पहुंचाता है बल्कि इससे आपका वजन भी बढ़ता है। ऐसे में कोशिश करें कि वाइट की जगह ब्राउन ब्रेड का सेवन करे।

प्रोसेस्ड फूड

ऐसे खाद्य पदार्थो को कई बार पकने की क्रिया से गुजरना पड़ता है। साथ ही तेल, मसाले, घी होने की वजह से ये सेहत के लिए भी अच्छे नहीं होते। आपको चिप्स, पॉपकॉर्न, ड्राई फ्रूट्स, स्नैक्स आदि से दूर रहना चाहिए।

केक, कुकीज

केक और कुकीज में मैदे के अलावा घी और क्रीम का इस्तेमाल होता है, जो आपकी फिटनेस के हिसाब से बिल्कुल भी सही नहीं है इसलिए आपको नाश्ते में इन चीजों को नहीं खाना चाहिए।

नूडल्स

नूडल्स खाने में तो बहुत अच्छे लगते हैं लेकिन इसे हेल्दी ब्रेकफॉस्ट नहीं माना जा सकता है, इसी वजह से आपको नूडल्स नाश्ते में बिल्कुल नहीं खाने चाहिए।

फ्रूट जूस

आपको कोशिश करनी चाहिए कि मार्केट में उपलब्ध फ्रूट जूस बिल्कुल न पिएं बल्कि आप घर में ही फलों का जूस निकालकर पी सकते हैं। आपके पास अगर जूस की जगह फल खाने का समय है, तो नाश्ते के लिए सबसे बेहतरीन रहेगा।

पकौड़े-कचौड़ी

सुबह-सुबह तली चीजें खाना बिल्कुल भी सही नहीं है। आप पकौड़े और कचौड़ी जैसी तली हुई चीजें सुबह नहीं खाएंगे, तो आपकी सेहत के लिए अच्छा रहेगा।

मस्तिष्क को स्वस्थ रखता है 20 मिनट का वर्कआउट!

एक शोध से यह बात सामने आई है कि अगर आपने रात में अच्छी नींद नहीं ली है, तो केवल 20 मिनट का व्यायाम आपके मस्तिष्क को स्वस्थ रख सकता है।

पोर्ट्समाउथ विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं के नेतृत्व में किए गए अध्ययन से पता चला है कि नींद, ऑक्सीजन का स्तर और व्यायाम हमारी मानसिक कार्य करने की क्षमता को कैसे प्रभावित करते हैं। टीम ने पाया कि मध्यम तीव्रता वाले व्यायाम से सोचने की क्षमता में सुधार होता है, चाहे किसी व्यक्ति की नींद की स्थिति या ऑक्सीजन का स्तर कुछ भी हो। यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ स्पोर्ट हेल्थ एंड एक्सरसाइज साइंस (एसएचईएस) के जो कॉस्टेलो ने कहा, हम मौजूदा शोध से जानते हैं कि ऑक्सीजन का स्तर कम होने पर भी व्यायाम हमारे सोचने की क्षमता को बेहतर बनाता है लेकिन यह पहला अध्ययन है जो सुझाव देता है कि पूर्ण और आंशिक नींद की कमी के बाद और हाइपोक्सिया के साथ यह मानसिक विकास में भी सुधार करता है। उन्होंने कहा, व्यायाम और इन तनावों के बीच संबंधों के बारे में हम जो जानते हैं, उसमें ये निष्कर्ष महत्वपूर्ण रूप से जुड़ते हैं और इस संदेश को सुदृढ़ करने में मदद करते हैं कि व्यायाम शरीर और मस्तिष्क के लिए दवा है।

फिजियोलॉजी एंड बिहेवियर में प्रकाशित अध्ययन में दो प्रयोग शामिल थे, प्रत्येक में 12 प्रतिभागी (कुल 24) थे।

पहले में किसी व्यक्ति के संज्ञानात्मक प्रदर्शन पर आंशिक नींद की कमी के प्रभाव को देखा गया, और दूसरे ने कुल नींद की कमी और हाइपोक्सिया के प्रभाव की जांच की। दोनों में सभी प्रतिभागियों ने 20 मिनट की साइक्लिंग के बाद मानसिक विकास प्रदर्शन में सुधार का अनुभव किया। कॉस्टेलो ने कहा, क्योंकि हम व्यायाम को एक सकारात्मक हस्तक्षेप के रूप में देख रहे थे, इसलिए हमने अनुशंसित मध्यम तीव्रता वाले एक्सरसाइज का उपयोग करने का निर्णय लिया। यदि व्यायाम अधिक लंबा या कठिन होता तो इसके नकारात्मक परिणाम बढ़ सकते हैं और यह स्वयं तनाव का कारण बन सकता था। पहले प्रयोग में व्यक्तियों को तीन दिनों में रात में केवल पांच घंटे सोने की अनुमति दी गई थी।

प्रत्येक सुबह उन्हें आराम करने के लिए और फिर साइकिल चलाने के दौरान सात कार्य दिए गए। उन्हें कार्य पूरा करने से पहले अपनी नींद और मनोदशा का मूल्यांकन करने के लिए भी कहा गया। परिणामों से पता चला कि कार्यों पर तीन रातों की आंशिक नींद का प्रभाव असंगत था।

पेपर में कहा गया है कि इसका स्पष्टीकरण यह हो सकता है कि कुछ लोग हल्की या मध्यम नींद की कमी के प्रति अधिक लचीले होते हैं। हालांकि, नींद की स्थिति की परवाह किए बिना, मध्यम तीव्रता वाले व्यायाम ने सभी कार्यों में प्रदर्शन में सुधार किया। दूसरे प्रयोग में प्रतिभागियों को पूरी रात बिना नींद के गुजारनी पड़ी और फिर उन्हें विश्वविद्यालय के चरम पर्यावरण प्रयोगशालाओं में हाइपोक्सिक (ऑक्सीजन का निम्न स्तर) वातावरण में रखा गया। ऑक्सीजन का स्तर कम होने के बावजूद, व्यायाम से मानसिक विकास में सुधार जारी रहा।

आंखों को राहत देगा गुलाब जल

वर्क के दौरान लैपटाप का ज्यादा इस्तेमाल न केवल आपके पूरे स्वास्थ्य पर असर डालता है बल्कि इसका असर आपकी नाजुक आंखों पर भी पड़ता है।

वर्क के दौरान लैपटाप का ज्यादा इस्तेमाल किया जा रहा है, वहीं इसी के साथ ही मोबाइल के संपर्क में भी हम ज्यादा रह रहे हैं जिससे आंखों में जलन, धुंधला दिखना व खुजली जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। इसलिए जरूरी है कि हम अपनी आंखों की देखभाल करें और जब भी आंखों पर दबाव महसूस करें तो स्क्रीन से दूर हो जाएं और बीच-बीच में आंखों को ठंडे पानी से भी धोते रहें। आंखों की जलन की परेशानी ज्यादा बढ़ जाती है। भले ही इस वक्त आप घर पर हैं लेकिन आंखों में जलन आप महसूस करते होंगे। इसलिए इन समस्याओं से निजात पाने के लिए आपको अपनी आंखों की सही देखभाल की जरूरत है, वहीं गुलाब जल का इस्तेमाल आपको आंखों की समस्या से निजात दिला सकता है। गुलाब जल के इस्तेमाल से आंखों को ठंडक मिलती है, साथ ही ताजगी महसूस होती है। ओवरटाइम काम करने के दौरान आंखों में तनाव महसूस होता है इसके लिए खुद को रिलैक्स करना बहुत जरूरी है। इसके लिए आप कॉटन में गुलाब जल डालें और इसे अपनी आंखों पर रखकर कुछ देर के लिए आंखों को आराम दें। गुलाब जल को आंखों में डालने से भी तुरंत राहत मिलती है, साथ ही फ्रेश महसूस होता है। अतः अपने आंखों का ध्यान रखें और समय-समय पर अपनी पलकों को झपकाते रहें।

ठंड में इन 5 फूड से करें हाई बीपी को कंट्रोल

हाई ब्लड प्रेशर एक सामान्य बीमारी है, जो लंबे समय में हार्ट फेल जैसे गंभीर परिणाम देता है। इस बीमारी को साइलेंट किलर भी कहा जाता है, क्योंकि इसके होने पर कोई संकेत नजर नहीं आते हैं। यह बीमारी ठंड के कारण खून की नलियों के सिकुड़ने से और गंभीर हो जाती है।

न्यूट्रिशनिस्ट ने हाल ही में कुछ पोटेशियम युक्त फूड की लिस्ट शेयर की है जिसके सेवन से हाई बीपी की परेशानी को घर पर ही कंट्रोल किया जा सकता है। एक्सपर्ट बताती हैं कि हार्ट डिजीज के जोखिम को बढ़ाने वाले हाई ब्लड प्रेशर को खानपान और जीवनशैली में बदलाव से ठीक किया जा सकता है।

केला

पोटेशियम सोडियम के प्रभाव को कम करता है और खून की नलियों में तनाव को कम करता है। ऐसे में हाई ब्लड प्रेशर को कम करने के लिए केले का सेवन फायदेमंद होता है, क्योंकि इसमें भरपूर मात्रा में पोटेशियम मौजूद होता है।

खजूर

खजूर में भरपूर मात्रा में पोटेशियम और मैग्नीशियम के साथ-साथ सोडियम कम मात्रा में होता है। पोटेशियम और मैग्नीशियम दोनों ही नलियों में खून के फ्लो को सुगम बनाने और उच्च रक्तचाप को कम करने के लिए जाने जाते है।

नारियल पानी

नारियल पानी में पोटेशियम की अच्छी मात्रा होती है, जो इसे हाई ब्लड प्रेशर वाले मरीजों के लिए सेहतमंद बनाता है। लेकिन यदि आप हाई ब्लड प्रेशर की दवाएं ले रहे हैं, तो इसके सेवन से बचें।

अमरनाथ का आटा

रोज चौलाई जैसे साबुत अनाज खाने से ब्लड प्रेशर के लेवल को कम करने में मदद मिल सकती है। अमरनाथ का आटा उच्च गुणवत्ता वाले प्रोटीन, पोटेशियम, आहार फाइबर और खनिजों का एक उत्कृष्ट स्रोत है। इसमें पेप्टाइड्स भी होते हैं जिसमें एंटीहाइपरटेन्सिव गुण होते हैं।

मोठ दाल

मोठ दाल फोलिक एसिड, पोटेशियम, मैग्नीशियम, प्रोटीन से भरपूर होती है। यह बॉडी में उन एंजाइम को रोकने काम करती है, जो ब्लड प्रेशर को बढ़ाने का काम करते हैं। ऐसे में हाई ब्लड प्रेशर के मरीजों के लिए मोठ दाल फायदेमंद होता है।

मुख्यमंत्री ने जनजातीय अस्मिता, अस्तित्व और विकास विषय पर आयोजित संगोष्ठी को किया संबोधित

जनजातीय संस्कृति ने भगवान श्रीराम को अपने हृदय में बसा रखा है - मुख्यमंत्री

रायपुर। जनजातीय समाज का इतिहास धरती पर मनुष्य के पहले पदचाप के साथ जुड़ा हुआ है। जनजातीय संस्कृति ने भगवान राम को अपने हृदय में बसा रखा है। भगवान श्रीराम ने छत्तीसगढ़ में ही वनवास बिताया, यहीं पर उन्होंने माता शबरी के जूठे बेर खाए।

जनजातीय अस्मिता का प्रश्न भारत की सनातन परंपरा की अस्मिता से जुड़ा हुआ प्रश्न है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज रायपुर के पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में जनजातीय अस्मिता, अस्तित्व और विकास विषय पर आयोजित एक दिवसीय संगोष्ठी को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि यह हमारे लिए गर्व की बात है कि आज हमें जनजातीय समुदायों की अस्मिता और विरासत के प्रति संवेदनशील यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी का नेतृत्व मिला है। आज जनजातीय समुदाय की हमारी बहन मती द्रौपदी मुर्मु भारत के सर्वोच्च पद पर आसीन हैं।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि जनजाति समाज सांस्कृतिक रूप से समृद्ध समाज है। यह समाज कुप्रथाओं का मुखर विरोध करता है। भारत की संस्कृति और देश की स्वतंत्रता की रक्षा के लिए जनजातीय जननायकों के योगदान को याद करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर पूरे देश में 13 से 15 नवम्बर तक जनजातीय गौरव दिवस मनाया गया। मुख्यमंत्री ने जनजातीय समाज की परंपराओं, संस्कृति रीति-रिवाज, तीज-त्यौहार और शासन द्वारा जनजातीय उत्थान के लिए शासन द्वारा चलाई जा रही योजनाओं से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां साझा की।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि 13 नवंबर को जशपुर जिले में आयोजित पदयात्रा इतनी सफल रही कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसकी खुलकर तारीफ की और ऐसे आयोजनों को जनजातीय समाज के विकास और उत्थान में महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर हुए राष्ट्रीय आयोजन ने अन्य प्रांतों से आए आदिवासी समुदाय को एक दूसरे की संस्कृति को जानने-समझने का सुंदर अवसर दिया। साय ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटल जी ने अपने कार्यकाल के दौरान सबसे पहले पृथक जनजातीय कल्याण मंत्रालय बनाया और आदिवासियों के विकास के लिए एक मजबूत नींव रखी।

उन्होंने कहा कि हम मैदानी और जनजातीय क्षेत्रों में अवसरों की समानता स्थापित करने के लिए अपनी योजनाएं और नीतियां बना रहे हैं ताकि छत्तीसगढ़ के प्रत्येक समुदाय के पास विकास के समान अवसर हों और जनजातीय समाज अपनी प्राकृतिक और भौगोलिक जटिलताओं पर जीत हासिल करते हुए समग्र भारत के विकास की मुख्य धारा में शामिल हो सकें। जब हम जनजातीय समुदायों की अस्मिता की रक्षा करेंगे, उनकी संस्कृति का संरक्षण और संवर्धन करेंगे, उनके इतिहास और उनके नायकों का गौरवगान करेंगे तो निश्चित रूप से मां भारती का यश बढ़ेगा, उसका गौरव गान होगा।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि भारत के जनजातीय समुदायों के समग्र विकास के लिए मोदी जी पीएम जनमन योजना और धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान जैसी योजनाएं चला रहे हैं। ये योजनाएं जनजातीय समुदायों के जीवन में परिवर्तन लाने के लिए क्रांतिकारी योजनाएं साबित हो रही है। इसके अलावा प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना जैसी अनेक योजनाओं से जनजातीय समुदायों को बड़ा संबल मिला है। पिछले 11 महीने में छत्तीसगढ़ सरकार ने बस्तर अंचल में शांति स्थापित करने के लिए तेजी से अपने कदम बढ़ाए हैं। नियद नेल्ला नार योजना के माध्यम से शासन की योजनाओं को दूरस्थ अंचलों तक पहुंचाने की अनूठी पहल की गई है। बस्तर अंचल में सुरक्षाबलों के 34 नए कैंप खोले गए हैं और लगभग 96 गांवों में शासकीय योजनाओं का लाभ ग्रामीणों को मिल रहा है।

वन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि जनजातीय महानायकों के गौरवशाली इतिहास की जानकारी आने वाली पीढ़ी को हो इसलिए ऐसे आयोजन आवश्यक हैं। यह हमारी जिम्मेदारी है कि उनके मूल्यों को अगली पीढ़ी तक ले जाएं। उन्होंने कहा कि जनजातीय समाज ने सदैव प्रकृति के संरक्षण की दिशा में कार्य किया है। संगोष्ठी के मुख्य वक्ता अतुल जोग ने कहा कि बिना स्वार्थ के जनजातीय समाज ने मानव सेवा का काम किया है। इसका सुंदर उदाहरण पद्म पुरस्कारों की घोषणाओं में भी देखने को भी मिला, जिसमें बड़ी संख्या में जनजातीय समुदाय के लोग शामिल रहे हैं। संगोष्ठी को पवन साय और अनुराग जैन ने भी संबोधित किया। उच्च शिक्षा विभाग के सचिव प्रसन्ना आर. ने इस अवसर पर छत्तीसगढ़ शासन द्वारा जनजातीय समुदाय के विद्यार्थियों के लिए चलाई जा रही योजनाओं के बारे में जानकारी दी।

रायपुर में केंद्रीय-मंत्री गडकरी, 5 देशों के एक्सपर्ट भी पहुंचेंगे

83वें भारतीय सड़क कांग्रेस अधिवेशन की शुरुआत

रायपुर। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी शुक्रवार को रायपुर पहुंचे हैं। मंत्री यहां प्रदेश में पहली बार होने जाने रहे भारतीय सड़क कांग्रेस अधिवेशन में शामिल हुए। रायपुर इस 83वें कॉन्फ्रेंस की मेजबानी करेगा। ये अधिवेशन 11 नवंबर तक शहर के साइंस कॉलेज ग्राउंड में होगा।

डिप्टी सीएम अरुण साव ने कहा कि छत्तीसगढ़ में प्रकृति की अकूत संपदा है, जाहिर है कि अगर यातायात और ट्रांसपोर्ट करना है तो उसके लिए सड़कें दुरुस्त होनी चाहिए। ज्यादा से ज्यादा सड़कें होंगी तो हम भी देश के विकास की भागीदारी में अपना सहयोग और बेहतर तरीके से दे पाएंगे। भारत की हर मेट्रो सिटी के बड़े डेवलपर्स इस कार्यक्रम में शामिल होंगे। इसके अलावा श्रीलंका, बांग्लादेश, ऑस्ट्रेलिया, इंडोनेशिया, सिंगापुर जैसे देशों के कंस्ट्रक्शन एक्सपर्ट और वैज्ञानिक भी यहां पहुंचेंगे। 4 दिनों तक चलने वाले इस अधिवेशन में रोड कंस्ट्रक्शन से जुड़ी नई तकनीक पर चर्चा होगी। ये भी तय होगा कि आगे आने वाले दिनों में भारत और छत्तीसगढ़ में किस तकनीक से अधिक टिकाऊ सड़कें बनाई जा सकती हैं।

3000 डेलीगेट्स आ रहे रायपुर

देशभर से 3000 प्रतिनिधि इस अधिवेशन में शामिल होने रायपुर पहुंचेंगे। दुनिया में निर्माण के क्षेत्र में जो नई टेक्नोलॉजी आ रही है, जो नए प्रयोग हो रहे हैं उन सब पर यहां चर्चा होगी। हमने निर्धारित किया है कि छत्तीसगढ़ की कला संस्कृति सभ्यता से पूरे देश के लोगों को परिचित करा सकें। छत्तीसगढ़ की संस्कृति, खनिज, पर्यटन, वन की ताकत को भी हम प्रदर्शित करने वाले हैं। नितिन गडकरी अधिवेशन के उद्घाटन समारोह में शामिल होंगे।

उप मुख्यमंत्री साव ने एन.एम.डी.सी., एन.टी.पी.सी., सेल (भिलाई स्टील प्लांट), छत्तीसगढ़ विद्युत उत्पादन कंपनी और कई विकास निगमों के स्टॉल और प्रदर्शनी लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने अतिथियों को छत्तीसगढ़ की कला, शिल्प और लोक संस्कृति से अवगत कराने छत्तीसगढ़ हस्तशिल्प, ग्रामोद्योग, पर्यटन, संजीवनी, वन विकास के स्टॉल्स का भी समुचित समायोजन आयोजन स्थल पर करने को कहा। सेमिनार से आए उपयोगी सुझावों पर अमल भी किया जाएगा। सड़कों के सुदृढ़ीकरण के लिए 1929 में जयकर कमेटी का गठन किया गया था। इसके सुझावों पर 1934 में भारतीय सड़क कांग्रेस की स्थापना की गई थी। इसके जरिए राष्ट्रीय स्तर पर सड़कों के

विकास के लिए मानक और स्पेसिफिकेशन का निर्धारण किया जाता है। अधिवेशन के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होंगे। पहले दिन छत्तीसगढ़ी, दूसरे दिन सुदेश भोसले, अनूप जलोटा और कई कलाकारों की परफॉर्मेंस होंगी। देश-विदेश से आए इंजीनियर्स को नवा रायपुर, जंगल सफारी, चंपारण, सिरपुर, बार नवापारा, गंगरेल, भोरमदेव, चित्रकोट, दंतेवाड़ा जैसे पर्यटन स्थलों पर भी ले जाने का कार्यक्रम है।

साइंस कॉलेज में लग रहे 129 स्टॉल

विभाग ने इस पूरे आयोजन की तैयारियां युद्ध स्तर पर की हैं। मैदान में 129 स्टॉल लगाने के लिए 2 बड़े डोम बनाए जा रहे हैं। इनमें सड़क, पाथ-वे, डिवाइडर के डिजाइन के साथ अलग-अलग उपकरण प्रदर्शित किए जाएंगे। इनसे लोगों को इस क्षेत्र में हो रहे बदलावों की जानकारी मिलेगी। मंजूर की गई इस राशि से बेमेतरा और मुंगेली जिले में नांदघाट-मुंगेली सड़क खंड और बेमेतरा-नवागढ़-मुंगेली सड़क खंड का चौड़ीकरण और मजबूतीकरण किया जाएगा। राजनांदगांव जिले के डोंगरगांव-चौकी-मोहला मानपुर सड़क खंड, जशपुर जिले के बागबहार-कोतबा सड़क खंड, लुड़ेंग-तपकरा-लावाकेरा सड़क खंड और जशपुर-आस्टा-कुसमी सड़क खंड के मजबूतीकरण का कार्य भी इनमें शामिल हैं।

गडकरी ने हाल ही में दिए हैं 892 करोड़

भारत सरकार ने आठ रोड ब्लॉक के लिए 892 करोड़ 36 लाख रुपए छत्तीसगढ़ के लिए स्वीकृत किए हैं। राज्य शासन के लोक निर्माण विभाग ने प्रदेश के 6 जिलों में कुल 323.9 किलोमीटर सड़क खंडों के विकास के लिए इस साल 9 सितम्बर को केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय को प्रस्ताव भेजा था। 8 अक्टूबर को केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने इस प्रस्ताव पर सहमति दी थी। उन्होंने बताया कि बिलासपुर जिले के सिरगिट्टी-सरवानी-पसीद-अमलडिहा-बरतोरी-दगोरी सड़क खंड, राजनांदगांव और खैरागढ़ जिले के राजनांदगांव-कवर्धा-पोंडी सड़क खंड के चौड़ीकरण और मजबूतीकरण का काम भी इस राशि से किया जाएगा।

झारखंड और बिहार के लिए भी मिलेगी हवाई सुविधा, केंद्रीय उड्डयन मंत्री ने दी हरी झंडी

रायपुर एयरपोर्ट से सिंगापुर और दुबई के लिए सीधी उड़ान जल्द

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज नई दिल्ली स्थित राजीव गांधी भवन में केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू से मुलाक़ात की. बैठक में राज्य की हवाई कनेक्टिविटी को मजबूत करने और क्षेत्रीय हवाई अड्डों के विकास के संबंध में चर्चा की गई.

केंद्रीय मंत्री ने रायपुर के स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट से जल्द ही अंतरराष्ट्रीय हवाई सेवा शुरू करने पर अपनी सहमति जताई है. इसके साथ ही रायपुर एयरपोर्ट पर कार्गो हब विकसित करने की प्रक्रिया भी जल्द शुरू की जाएगी एवं रायपुर एयरपोर्ट से पटना एवं रांची के लिए भी हवाई सेवा शुरू करने की सहमति मिली है. मुख्यमंत्री साय ने रायपुर के स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट को अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट का दर्जा देने की मांग की. इसके साथ ही उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में अंतरराष्ट्रीय हवाई सेवा की बड़ी संभावनाएं हैं. इस कदम से राज्य के आर्थिक विकास को प्रोत्साहन मिलेगा और वैश्विक स्तर पर कनेक्टिविटी बढ़ेगी. मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ में अंतरराष्ट्रीय यात्री ट्रैफिक को ध्यान में रखते हुए रायपुर से सिंगापुर और दुबई के लिए सीधी उड़ानों की आवश्यकता पर चर्चा की. उन्होंने बताया कि इन मार्गों पर यात्री ट्रैफिक काफी अच्छा है, जिससे ये सेवाएं व्यावसायिक रूप से लाभकारी साबित होंगी. केंद्रीय उड्डयन मंत्री ने रायपुर के स्वामी

विवेकानंद एयरपोर्ट से जल्द ही अंतरराष्ट्रीय हवाई सेवा शुरू करने के प्रस्ताव पर अपनी सहमति जताई है. मुख्यमंत्री साय ने राज्य में वर्तमान में कोई बड़ा कार्गो सुविधा केंद्र नहीं होने की जानकारी देते हुए रायपुर के एयरपोर्ट को एक केंद्रीय कार्गो हब में विकसित करने का प्रस्ताव दिया। उन्होंने कहा कि इससे कृषि और बागवानी उत्पादों के परिवहन को बढ़ावा मिलेगा. केंद्रीय मंत्री ने इस प्रस्ताव पर जल्द कार्रवाई का आश्वासन दिया है. बैठक में बिलासपुर एयरपोर्ट के लिए 3ष्ट ढ्ढस्नक्र कैटेगरी में अपग्रेडेशन का प्रस्ताव भी रखा है. मुख्यमंत्री साय ने इसके लिए रेडियो नेविगेशन सिस्टम डीवीओआर (ष्ठङ्कह्रक्र) की इंस्टॉलेशन प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूरा करने का अनुरोध किया है. केन्द्रीय मंत्री ने बिलासपुर एयरपोर्ट पर विमानों की नाईट लैंडिंग में आ रही दिक्कतों को देखते हुए इसे तुरंत शुरू करने के निर्देश अधिकारियों को दिए.

मुख्यमंत्री ने अंबिकापुर एयरपोर्ट को रायपुर,

वाराणसी, प्रयागराज और अयोध्या जैसे प्रमुख शहरों से जोड़ने के लिए नई उड़ानों की शुरुआत की भी मांग की. मुख्यमंत्री ने कहा क्षेत्र की सांस्कृतिक और खनिज संपदा को देखते हुए नई उड़ान सेवा शुरू करने से लोगों को काफी लाभ होगा, जिस पर भी केन्द्रीय मंत्री ने सकारात्मक पहल का आश्वासन दिया है.

बैठक में मुख्यमंत्री ने जगदलपुर और बिलासपुर एयरपोर्ट्स पर आरसीएस उड़ानों के लिए वित्तीय सहायता को बहाल करने की भी मांग की है. उन्होंने बताया कि इन रूट्स पर कनेक्टिविटी बढ़ाने से क्षेत्रीय विकास में मदद मिलेगी. मुख्यमंत्री साय ने बताया कि जगदलपुर से रायपुर के बीच इंडिगो एयरलाइंस द्वारा संचालित उड़ान सेवा को कम यात्रियों के चलते बंद कर दिया गया था।

बॉलीवुड फिल्मों की होगी शूटिंग,तिहलन फसलों के लिए 1500 रुपए प्रति क्विंटल का अनुदान

छत्तीसगढ़ में फिल्म सिटी के लिए केंद्र से मिले 147 करोड़

रायपुर। गुरुवार को छत्तीसगढ़ के लिए दो अहम फैसले सरकार ने लिए हैं। इनमें पहला फैसला छत्तीसगढ़ में फिल्म सिटी निर्माण को लेकर है। लंबे वक्त से छत्तीसगढ़ राज्य को फिल्म सिटी बनाने के लिए फंड का इंतजार था । केंद्र सरकार ने पर्यटन विकास के लिए 147.66 करोड रुपए की स्वीकृति दी है । इससे फिल्म सिटी को तैयार करने का रास्ता साफ हो चुका है। दूसरे मामले में मुख्यमंत्री विष्णु व्यवसाय ने तिलहन फसलों के किसानों के लिए बड़ा फैसला किया है, इसके तहत बीज उत्पादन और वितरण पर अनुदान की राशि जो पहले 1000 रुपए प्रति क्विंटल मिला करती थी अब इसे बढ़ा दिया गया। ये अनुदान अब 1500 रुपए प्रति क्विंटल की दर से मिलेगा। टूरिज्म बोर्ड ने केंद्र सरकार को रायपुर में फिल्म सिटी, कन्वेंशन सेंटर, वेलनेस रिसॉर्ट और नेचर सिटी के लिए लगभग 300 करोड़ रुपये के प्रपोजल भेजे थे। इसी में से केंद्र सरकार से 147.66 करोड़ रूपए की स्वीकृति दे दी है। सरकार की ओर से कहा गया है कि पर्यटन मंत्रालय,भारत सरकार के इस

ठोस कदम से छत्तीसगढ़ में फिल्म मेकिंग और फिल्म टूरिज्म के लिए फिल्म सिटी निर्माण के माध्यम से अपार संभावनाओं के द्वार खुल गए हैं।

आइकोनिक टूरिज्म प्रोजेक्ट्स होंगे शुरू

छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड को केंद्र सरकार से स्पेशल असिस्टेंस टू स्टेट्स फॉर कैपिटल इन्वेस्टमेंट 2024-25 के तहत फंड मिले हैं। राज्य के दो अहम पर्यटन प्रोजेक्ट पर 147.66 करोड़ रूपए की राशि प्रदेश को मिली है। अब 95.79 करोड़ रूपए की लागत से माना-तूता में चित्रोत्पला फिल्म सिटी बनेगी।

किसानों के लिए बड़ा फैसला

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बीज उत्पादन और वितरण अनुदान को प्रति क्विंटल 1000 रुपये से बढ़ाकर 1500 रुपये करने की स्वीकृति दे दी है। अब तिलहन फसलों के बीज उत्पादन और वितरण पर प्रति क्विंटल 500 रुपये का अतिरिक्त अनुदान मिलेगा। इससे किसानों को वित्तीय सहायता मिलेगी और प्रदेश में तिलहन फसलों की खेती को बढ़ावा मिलेगा ।

सामान्य श्रेणी के यात्रियों की सुविधाओं में विस्तार रेलवे की सर्वोच्च प्राथमिकता

कोटा। रेल यात्रा के प्रति आमजनों की लगातार बढ़ती रुचि और आकर्षण के मद्देनजर रेलवे भी तदनुरूप सुविधाओं के विस्तार को गति दे रहा है। इस क्रम में रेलवे ने बीते तीन माह में ही विभिन्न ट्रेनों में सामान्य श्रेणी (जीएस) के करीब छह सौ नये अतिरिक्त कोच जोड़े हैं। ये सभी कोच नियमित ट्रेनों में जोड़े गए हैं। इतना ही नहीं, चालू नवंबर माह के अंत तक जीएस श्रेणी के ऐसे एक हजार से ज्यादा कोच करीब 370 नियमित ट्रेनों में जोड़ दिए जाएंगे। एक अनुमान के मुताबिक रेलवे के बेड़े में इन नये जीएस कोचों के जुड़ने से रोजाना करीब एक लाख यात्री लाभान्वित होंगे। इनके अलावा आगामी दो वर्षों में बड़ी संख्या में नोन एसी श्रेणी के कोचों को रेलवे के बेड़े में शामिल करने की योजना पर तेजी से काम चल रहा है।

रेलवे बोर्ड ने सामान्य श्रेणी के रेल यात्रियों की नई सुविधाओं के बारे में यहां विस्तार से जानकारी दी है। रेलवे बोर्ड के कार्यकारी निदेशक (सूचना व प्रचार) दिलीप कुमार ने बताया कि सामान्य श्रेणी के यात्री रेलवे की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल हैं। इस श्रेणी के यात्रियों को अधिकतम सुविधा मुहैया कराने की दिशा में रेलवे विभिन्न दिशाओं में कार्य कर रहा है। इसके तहत बीते जुलाई से अक्टूबर के तीन माह के दौरान जीएस श्रेणी के कुल 1000 नये लस कोचों का ट्रेनों में जोड़ा जाएगा । साथ ही इन नवनिर्मित कोचों को 370 नियमित ट्रेनों में जोड़ा गया है। इससे रोजाना हजारों अतिरिक्त यात्रियों को लाभ मिल रहा है। । इन डिब्बों के शामिल होने से रोजाना करीब एक लाख अतिरिक्त सवारी रेल यात्रा के सफर का लाभ उठा पाएंगे।

कार्यकारी निदेशक ने बताया कि सामान्य श्रेणी

के यात्रियों की सुविधाओं के मद्देनजर नये जीएस कोचों का निर्माण तेजी से चल रहा है। उन्होंने कहा कि अगले दो वर्षों में रेलवे के बेड़े में ऐसे गैर-वातानुकूलित सामान्य श्रेणी के 10 हजार से ज्यादा जीएस कोचों को शामिल कर लिया जाएगा। इनमें छह हजार से ज्यादा जीएस कोच होंगे, जबकि बाकी डिब्बे स्लीपर श्रेणी के होंगे। इतनी बड़ी संख्या में नान एसी कोचों के शामिल होने से सामान्य श्रेणी के करीब आठ लाख अतिरिक्त यात्री रोजाना रेल यात्रा का सफर कर पाएंगे। जीएस श्रेणी के ये नवनिर्मित तमाम कोच एलएचबी के होंगे । ये सफर को आरामदायक और सुविधाजनक बनाने के साथ-साथ सुरक्षित और दुरुत बनाने में भी मदद करेगी। पारंपरिक आईसीएफ़ रेल डिब्बों के मुकाबले ये नये एलएचबी कोच अपेक्षाकृत हल्के और मजबूत हैं। हादसे की स्थिति में इन कोचों में नुकसान भी कम से कम होगा।

- बीते तीन माह में ही भारतीय रेल ने हासिल की यह महत्वपूर्ण उपलब्धि
- नवंबर तक करीब 370 नियमित ट्रेनों में जुड़ेंगे ऐसे 1000 से ज्यादा लस कोच
- रेलवे की इस पहल से रोजाना करीब एक लाख अतिरिक्त यात्री करेंगे लस में सफर
- आगामी दो साल में नोन एसी श्रेणी के ऐसे 10 हजार से ज्यादा कोच बेड़े से जुड़ेंगे

कमीशनिंग में 19 ईवीएम डिफेक्टिव निकली

1504 सही पाई गई, मशीनों को किया सीलबंद

रायपुर। रायपुर दक्षिण विधानसभा उपचुनाव में उपयोग में लाई जाने वाली ईवीएम मशीनों की कमीशनिंग की गई। इसमें 19 मशीनें डिफेक्टिव निकलीं, जिसके कारण इन मशीनों को रिजेक्ट कर दिया गया है। अब इन मशीनों का 13 नवंबर को होने वाले मतदान के दिन पोलिंग बूथों में इस्तेमाल नहीं किया जाएगा। सेजबहार स्थित स्ट्रांग रूम में ईवीएम मशीनों की कमीशनिंग का काम गुरुवार को समाप्त हुआ। उपचुनाव के लिए जिला प्रशासन को 1523 ईवीएम

मशीनें उपलब्ध कराई गई हैं। इनमें बीयू 719, सीयू 379 व वीवीपैट की संख्या 425 है। इन मशीनों का मतदान से पूर्व कमीशनिंग कराया गया है। कमीशनिंग के माध्यम से तकनीकी रूप से खराब या डिफेक्टिव हो चुकी मशीनों को अलग करना है। इसके लिए हैदराबाद से दो इंजीनियरों की टीम आई हुई है, जिनके द्वारा बारीकी से मशीनों की जांच की गई। जांच के दौरान इनमें से 5 बीयू, 1 सीयू व 13 वीवीपैट डिफेक्टिव निकलीं। डिफेक्टिव मशीनों को रिजेक्ट कर दिया गया है। इन मशीनों का अब चुनाव में इस्तेमाल नहीं किया जाएगा। कमीशनिंग व मॉकपोल के बाद चुनाव में इस्तेमाल की जाने वाली ईवीएम मशीनों को जिला उप निर्वाचन अधिकारी, रिटर्निंग ऑफिसर पुष्पेंद्र शर्मा सहित अन्य चुनाव अधिकारियों की उपस्थिति में स्ट्रांग रूम में रखकर उसे सीलबंद किया गया है। स्ट्रांग रूम को अब मतदान दलों को पोलिंग बूथों के लिए रवाना करने के दिन खोला जाएगा।

प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी को लेकर उत्साह जय मीनेश आदिवासी विश्वविद्यालय, कोटा में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कक्षा में दिखा छात्रों का उत्साह

कोटा। जय मीनेश आदिवासी विश्वविद्यालय, कोटा द्वारा सत्र 2024-25 से विविध पाठ्यक्रमों में नियमित अध्ययन के साथ-साथ संद्य लोकसेवा आयोग व राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा प्रशासनिक पदों पर भर्ती के लिए आयोजित की जाने वाली प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी का आयोजन 09 नवंबर से किया जा रहा है। इसमें विश्वविद्यालय के द्वारा प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले विद्यार्थियों को बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के विभिन्न संसाधन उपलब्ध करवाये जा रहे है। जो विद्यार्थियों के प्रतियोगी परीक्षाओं की अलग से तैयारी के लिए संसाधनो व समय की बचत करने में महत्वपूर्ण योगदान देता है। इस कक्षा में विभिन्न पाठ्यक्रमों- बी.ए., बी. एस., सी, बी. कॉम, बी.ए.एल.एल.बी, बी.बी.ए., बी.सी.ए., बी.लिब. व स्नातकोत्तर-भूगोल, इतिहास, राजनीति विज्ञान, समाजशास्त्र, हिन्दी व अंग्रेजी साहित्य, ड्रॉईंग एण्ड पेन्टिंग, भोतिक विज्ञान, रसायन शास्त्र, जन्तु विज्ञान, प्राणी विज्ञान, बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन, होटल प्रबन्धन, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान में अध्ययनरत विद्यार्थी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे है।

राजस्थान प्रशासनिक सेवा के सेवानिवृत वरिष्ठ आर.ए.एस. अधिकारी श्री आर. डी. मीणा जो कि इस

विश्वविद्यालय के चेअरपर्सन भी है उनके विचार एवं विजन को देखते हुए इस प्रतियोगी परीक्षा तैयारी कार्यक्रम को प्रारम्भ किया गया है ताकि इस क्षेत्र की प्रतिभाओं का भी आर.ए.एस. एवं सेवाओ में चयन हो सके। जय मीनेश आदिवासी विश्वविद्यालय के प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. मोहम्मद आशिद के अनुसार विश्वविद्यालय द्वारा विद्यार्थियों के सलेक्शन की संभावनाओं को बढ़ाने की दृष्टि से समय-समय पर विभिन्न मोटिवेशनल लेक्चर, गेस्ट लेक्चर, ऑनलाइन लेक्चर, मॉक इन्टरव्यू व ग्रुप डिस्कशन की भी तैयारी करवायी जायेगी। कार्यक्रम के सह-समन्वयक श्री जयराम मीणा, डॉ. संजय कुमार, डॉ. रवि जोरावत के अनुसार विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए विश्वविद्यालय सदैव तत्पर रहा है। तथा विद्यार्थियों के सफल भविष्य की कामना करता है।

रेलवे बोर्ड का फैसला: 01 जनवरी से बदलेंगे मेमू और सवारी गाड़ी के नंबर - कोटा मंडल की 18 मेमू और सवारी गाड़ी के नंबर होंगे नियमित

कोटा। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक रोहित मालवीय ने बताया कि रेलवे बोर्ड के निर्देशानुसार सभी मेमू और सवारी गाड़ी पुन: नियमित ट्रेन नंबर (जैसा कि पूर्व-कोविड अवधि में चल रही थी) के साथ चलाया जाएगा। कोटा से प्रारम्भ एवं मंडल से गुजरने वाली सभी मेमू और सवारी गाड़ी का पुन: नंबर निर्धारण किया गया है। वर्तमान %0% नंबर प्रणाली के बजाय इन्हें नियमित ट्रेन नंबर से चलाया जाएगा। यह परिवर्तन 01.01.2025 से प्रभावी होगा।

रेगुलर नंबर से संचालित की जाने वाली 18 (9 जोड़ी) मेमू और सवारी गाड़ियाँ-

गाड़ी संख्या 06613/06614 झालावाड़ सिटी-कोटा-झालावाड़ सिटी स्पेशल गाड़ी अब नियमित गाड़ी संख्या 61613/61614 से, गाड़ी संख्या 06615/06616 नागदा-कोटा-नागदा स्पेशल गाड़ी अब नियमित गाड़ी संख्या 61615/61616 से, गाड़ी संख्या 06621/06622 कोटा-सवाई माधोपुर-कोटा-सवाई माधोपुर स्पेशल गाड़ी अब नियमित गाड़ी संख्या

61621/61622 से, गाड़ी संख्या 06633/06634 कोटा-बीना-कोटा स्पेशल गाड़ी अब नियमित गाड़ी संख्या 61633/61634 से, गाड़ी संख्या 06647/06648 चौमहला-कोटा-चौमहला स्पेशल गाड़ी अब नियमित गाड़ी संख्या 61623/61624 से, गाड़ी संख्या 05833/05834 कोटा-मंदसोर-कोटा स्पेशल गाड़ी अब नियमित गाड़ी संख्या 59833/59834 से, गाड़ी संख्या 05837/05838 कोटा-अकलेरा-कोटा स्पेशल गाड़ी अब नियमित गाड़ी संख्या 59837/59838 से, गाड़ी संख्या 05839/05840 कोटा-अकलेरा-कोटा स्पेशल गाड़ी अब नियमित गाड़ी संख्या 59839/59840 से एवं गाड़ी संख्या 05913/05914 कोटा-यमुना ब्रिज/आगरा फोर्ट-कोटा स्पेशल गाड़ी अब नियमित गाड़ी संख्या 59813/59814 से संचालित होगी।

इस परिवर्तन का उद्देश्य यात्रियों की सुविधा और ट्रेनों की पहचान को सरल बनाना है। सभी यात्रियों से अनुरोध है कि वे अपनी यात्रा से पहले नई ट्रेन नंबर की जानकारी प्राप्त कर लें। इससे संबंधित किसी भी जानकारी या सहायता के लिए यात्री रेलवे की आधिकारिक वेबसाइट या हेल्पलाइन नंबर 139 पर संपर्क कर सकते हैं।

कलेक्टर ने संवेदनशीलता के साथ सुनी परिवादियों की समस्या

कोटा । जिला स्तरीय जनसुनवाई गुरुवार को कलेक्टर डॉ. रविंद्र गोस्वामी की अध्यक्षता में आयोजित की गई। जनसुनवाई में लगभग 145 प्रकरण प्राप्त हुए। इनमें से कई मामलों का मौके पर निस्तारण किया गया, जबकि शेष प्रकरणों के समाधान के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया गया।

जनसुनवाई में अतिक्रमण और सीमाज्ञान से जुड़े मामले प्रमुख रहे। कलेक्टर ने केडीए और नगर निगम को निर्देश दिये कि मौके पर टीम भेजकर सीमा ज्ञान स्पष्ट करे और अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई करे। उन्होंने केडीए के प्लॉट्स पर अवैध खुदाई से संबंधित शिकायत पर पुलिस विभाग को सतर्क रहते हुए कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि आठ लेन सड़क निर्माण के लिए जिनकी भूमि अधिग्रहित की गई है और जिन्हें मुआवजा नहीं मिला, उनके रिकॉर्ड का मिलान कर शीघ्र मुआवजा वितरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि जहां भी केडीए अप्रूव्ड कॉलोनियां हैं, वहां आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। साथ ही, कृषि भूमि पर बिना अनुमति कॉलोनियां काटने के मामलों में कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा गया।

जिला कलक्टर ने टावर के संवेदनशील संरचना से जुड़े मामले में पीडब्ल्यूडी को मौके पर जाकर जांच करने और आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। कनवास रूट पर बस सेवा में सुधार के लिए रोडवेज को जल्द बस संचालन सुनिश्चित करने के लिए कहा गया। वन भूमि और आवासीय क्षेत्रों में अवैध क्रेशर से संबंधित शिकायतों पर पुलिस विभाग को ठोस कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए।

कलेक्टर ने पुराने प्रकरणों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों से पूछा कि परिवादियों को दोबारा जनसुनवाई में क्यों आना पड़ रहा है। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रत्येक प्रकरण का निस्तारण सुनिश्चित करें ताकि परिवादियों को बार-बार कार्यालय के चक्कर न लगाने पड़ें।

जनसुनवाई में एडीएम सिटी अनिल सिंघल, एडीएम सीलिंग कृष्णा शुक्ला, केडीए सचिव कुशल कोठारी, नगर निगम आयुक्त उत्तर अशोक त्यागी, आयुक्त दक्षिण अनुराग भार्गव, जिला रसद अधिकारी कार्तिकेय मीणा, सीएमएचओ डॉ. जगदीश सोनी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

दिव्यांगजन के लिए विशेष मदद

एक दिव्यांग के मामले में कलेक्टर ने दानदाता के माध्यम से भोजन सामग्री की व्यवस्था करवाने को कहा। इसके साथ ही, सामाजिक न्याय विभाग को निर्देश दिये कि दिव्यांग को सरकारी योजनाओं से जोड़कर लाभ प्रदान करें।

मोटर डिसेबिलिटी से जुड़े एक प्रकरण में कलेक्टर ने डीओआईटी को मरीज की केवाईसी शीघ्र पूरी करने के लिए आवश्यक कदम उठाने को कहा।

आरपीएफ द्वारा 'ऑपरेशन मेरी सहेली' के तहत 38,118 महिला यात्रियों की मदद की

कोटा। महिला यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए रेलवे सुरक्षा बल ने एक महत्वपूर्ण पहल की शुरुआत की है। इस पहल का नाम है ऑपरेशन मेरी सहेली, जिसका उद्देश्य महिला यात्रियों को सुरक्षित यात्रा का अनुभव प्रदान करना और उन्हें किसी भी प्रकार के संकट से सुरक्षित रखने के लिए आवश्यक कदम उठाना है।

ऑपरेशन मेरी सहेली का उद्देश्य-

ऑपरेशन मेरी सहेली का मुख्य उद्देश्य महिला यात्रियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देना है। इस अभियान के तहत रेलवे सुरक्षा बल ने विशेष सुरक्षा प्रबंध किए हैं, ताकि महिला यात्री यात्रा के दौरान आत्मविश्वास और सुरक्षा महसूस करें। इसके अतिरिक्त, आरपीएफ ने महिला यात्रियों को सुरक्षा उपायों और जागरूकता के बारे में भी जानकारी दी है, ताकि उन्हें किसी भी संकट की स्थिति में त्वरित सहायता मिल सके।

आरपीएफ की यह पहल रेलवे नेटवर्क पर महिलाओं के लिए एक सुरक्षित और विश्वासपूर्ण यात्रा अनुभव सुनिश्चित करने के लिए है, जिसमें महिला यात्रियों को किसी भी प्रकार की समस्या, हिंसा, या आपातकालीन स्थिति में त्वरित सहायता उपलब्ध कराई जाती है।

ऑपरेशन मेरी सहेली की उपलब्धियाँ-

ऑपरेशन मेरी सहेली के तहत आरपीएफ, पश्चिम मध्य रेल द्वारा वर्ष 2024 में अब तक 38,118 महिला यात्रियों को सुरक्षित यात्रा के लिए सहायता प्रदान करते हुए उन्हें उनके गंतव्य तक सुरक्षित रूप से पहुँचाने में मदद की गई की गई।

ऑपरेशन मेरी सहेली के तहत उठाए जा रहे कदम और उपाय-

आरपीएफ ने महिला यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न पहलुओं पर ध्यान केंद्रित किया है, जिनमें शामिल हैं-

1) *विशेष सुरक्षा प्रबंध-* रेलवे स्टेशनों और ट्रेनों में महिला यात्रियों के लिए विशेष सुरक्षा व्यवस्था की गई है। रेलवे स्टेशनों पर महिला यात्रियों के लिए महिला आरपीएफ कर्मी तैनात किए गए हैं और ट्रेन में महिला गार्ड की व्यवस्था की गई है।

2) *जागरूकता और प्रशिक्षण-* महिला यात्रियों को सुरक्षा संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की जा रही है। इसके तहत आरपीएफ द्वारा महिला यात्रियों को सुरक्षा उपायों, जैसे कि चोरी, छेड़छाड़, और आपातकालीन स्थिति में किस तरह से मदद प्राप्त की जा सकती है, पर जानकारी दी जाती है।

3) *तत्काल समाधान और सहायता-* महिला यात्रियों की किसी भी प्रकार की शिकायत या समस्या का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया गया है। आरपीएफ ने यात्रियों की शिकायतों का शीघ्र समाधान करने के लिए 24 घंटे उपलब्ध एक विशेष हेल्पलाइन नंबर भी जारी किया है।

4) *आपातकालीन संपर्क-* आरपीएफ ने महिला यात्रियों के लिए एक टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर 139 जारी किया है, जिसे वे किसी भी प्रकार की आपातकालीन स्थिति में तुरंत संपर्क कर सकती हैं।

5) *परिवार को सूचना देना-* महिला यात्रियों को यह सलाह दी जाती है कि वे अपनी यात्रा की जानकारी अपने परिवार के सदस्य से साझा करें, ताकि किसी भी अप्रत्याशित स्थिति में उन्हें जल्द से जल्द सूचित किया जा सके।

आरपीएफ की अपील-

रेलवे सुरक्षा बल महिला यात्रियों से अपील करता है कि वे अपनी सुरक्षा के लिए हमेशा सतर्क रहें और किसी भी समस्या या संकट में आरपीएफ से तुरंत संपर्क करें। आरपीएफ की विशेष हेल्पलाइन और सुरक्षा उपायों का सही उपयोग करके महिला यात्री अपनी यात्रा को सुरक्षित और आत्मविश्वासपूर्ण बना सकती हैं।

आरपीएफ महिला यात्रियों से यह भी अनुरोध करता है कि वे यात्रा के दौरान निम्नलिखित सावधानियाँ बरतें-

- *यात्रा के दौरान अपने सामान और व्यक्तिगत सुरक्षा पर ध्यान दें।*
- *ट्रेन या स्टेशन पर किसी भी संदिग्ध व्यक्ति से सावधान रहें।*
- *किसी भी समस्या की स्थिति में तुरंत आरपीएफ हेल्पलाइन या नजदीकी पुलिस स्टेशन से संपर्क करें।*

वेस्ट सेन्ट्रल रेलवे एम्पलाईज यूनियन

समस्त रेल कर्मचारी व उनके परिजनों,
श्रमिकों एवं नागरिक बन्धुओं को

दीपावली
की हार्दिक
शुभकामनाऐं

WCREU - HMS - AIRF - ITF

WCREU

सरकार की
मजदूर विरोधी नीतियों
के खिलाफ लड़ने वाली
रेल कर्मचारियों की
एकमात्र यूनियन

WCREU

"सदैव आपके साथ"

8वाँ वेतन आयोग
और
18 माह का
बकाया DA

हक है हमारा
लेकर रहेंगे

पर अपना अमूल्य वोट देकर भारी मतों से विजयी बनायें।

छत्तीसगढ़ राज्योत्सव पर हार्दिक शुभकामनाएं..

ग्राम पंचायत मानपुर

सरपंच
देवलाल जगते

सचिव
अनिल गुप्ता

जनपद पंचायत वाड्रफनगर, बलरामपुर (छ.ग.)

छत्तीसगढ़ राज्योत्सव पर हार्दिक शुभकामनाएं..

ग्राम पंचायत कछिया

सरपंच
धीरसाय पोर्ते

सचिव
शारदा पटेल

जनपद पंचायत वाड्रफनगर, बलरामपुर (छ.ग.)

छत्तीसगढ़ राज्योत्सव पर हार्दिक शुभकामनाएं..

ग्राम पंचायत मिथिलापुर

सरपंच
धनराज धुर्वे

सचिव
अनिल गुप्ता

जनपद पंचायत वाड्रफनगर, बलरामपुर (छ.ग.)

छत्तीसगढ़ राज्योत्सव पर हार्दिक शुभकामनाएं..

ग्राम पंचायत चन्दौरा

सरपंच
श्रीमती सालोकोल

सचिव
अरुण कुमार गुप्ता

जनपद पंचायत बलरामपुर (छ.ग.)

छत्तीसगढ़ राज्योत्सव पर हार्दिक शुभकामनाएं..

ग्राम पंचायत बभनी

सरपंच
राधेश्याम ओलके

सचिव
जगदेव सिंह

जनपद पंचायत वाड्रफनगर, बलरामपुर (छ.ग.)

छत्तीसगढ़ राज्योत्सव पर हार्दिक शुभकामनाएं..

ग्राम पंचायत कोटरकी

सरपंच
सुखमन आयाम

सचिव
अरुण कुमार गुप्ता

जनपद पंचायत बलरामपुर (छ.ग.)

छत्तीसगढ़ राज्योत्सव पर हार्दिक शुभकामनाएं..

ग्राम पंचायत गोवर्धनपुर

सरपंच
रामकेवल

सचिव
जगदेव सिंह

जनपद पंचायत वाड्रफनगर, बलरामपुर (छ.ग.)

छत्तीसगढ़ राज्योत्सव पर हार्दिक शुभकामनाएं..

ग्राम पंचायत गट्टीबुड़ा

सरपंच
जेम्मा टोप्पो

सचिव
नरायण राम

जनपद पंचायत दुलदुला, जशपुर (छ.ग.)

छत्तीसगढ़ राज्योत्सव पर हार्दिक शुभकामनाएं..

ग्राम पंचायत ओदारी

सरपंच
राजाराम पच्ची

सचिव
शारदा पटेल

जनपद पंचायत वाड्रफनगर, बलरामपुर (छ.ग.)

छत्तीसगढ़ राज्योत्सव पर हार्दिक शुभकामनाएं..

ग्राम पंचायत मयुरचुन्दी

सरपंच
बसंति जगत

सचिव
जगेश्वर साय

जनपद पंचायत दुलदुला, जशपुर (छ.ग.)

विष्णु के सुशासन से
सँवर रहा छत्तीसगढ़

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

समर्थन मूल्य और रकबा बढ़ा

3100 रुपए प्रति क्विंटल

की दर से
किसानों से 21 क्विंटल
प्रति एकड़ धान खरीदी

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय से जुड़ने
के लिए यह क्यूआर कोड स्कैन करें ...

श्री विष्णुदेव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

छत्तीसगढ़ संवाद-13043/146

हमने बनाया है, हम ही सँवारेंगे

Visit us : ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO DPRChhattisgarh DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in

स्वामी प्रकाशक मुद्रक व सम्पादक एम.पी. गुप्ता, शिवायन ऑफसेट, अम्बिकापुर, सरगुजा (छ.ग.) से मुद्रित व कन्या परिसर मार्ग अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ.ग.) से प्रकाशित